શુભ લાભ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 13 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-310

दिल्ली ब्लास्ट को सरकार ने माना जघन्य आतंकवादी घटना

दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा

कैबिनेट ने मृतकों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार, 10 नवंबर 2025 को हुए भीषण कार ब्लास्ट मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की एक अहम बैठक ली। इस दौरान प्रधानमंत्री ने ब्लास्ट के दोषी आतंकियों का सिंडिकेट खत्म करने का प्रण लिया।

सीसीएस के बाद कैबिनेट की भी बैठक हुई। कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर दिल्ली ब्लास्ट को 'जघन्य आतंकवादी घटना' करार दिया और इस हमले की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी के साथ कैबिनेट ने मारे गए लोगों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

कैबिनेट ने इस बात पर जोर दिया कि देश ने 10 नवंबर 2025 की शाम को लाल किले के पास कार विस्फोट के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी ताकतों द्वारा की गई एक घिनौनी आतंकवादी घटना का साक्ष्य देखा है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस कैबिनेट बैठक में लाल किला ब्लास्ट और आतंकियों की धर-पकड़ के बारे में गहन बातचीत हुई। यह टेरर मॉड्यूल इंटरस्टेट होने की वजह से सुरक्षा के कड़े इंतजामों और इस नेक्सस से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी को लेकर चर्चा हुई।

सरकार ने आतंकियों और उनके आकाओं की जल्द पहचान करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। कैबिनेट ने बैठक के बाद कहा कि हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें अविलंब न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। मोदी सरकार ने दिल्ली हमले को एक्ट ऑफ वार माना है और आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति के प्रति भारत की अटल प्रतिबद्धता को दोहराया है।

मंत्रिमंडल ने विपरीत परिस्थितियों में साहस और करुणा के साथ कार्य करने वाले अधिकारियों, सुरक्षा एजेंसियों तथा नागरिकों की समयबद्ध और समन्वित प्रतिक्रिया की सराहना की। उनकी समर्पण भावना और कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत प्रशंसनीय है।

▶10 पर

5 हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी

मचा हड़कंप, हाई अलर्ट घोषित

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली में हुए बम धमाके की जांच चल रही है, इसी बीच बुधवार की दोपहर करीब 3:30 बजे इंडिगो एयरलाइंस को ईमेल के ज़रिए पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

इंडिगो एयरलाइंस को भेजे गए धमकी भरे मेल में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, त्रिवेंद्रम (तिरुवनंतपुरम) और हैदराबाद समेत कई अन्य हवाई अड्डों (जैसे गोवा) को बम से उड़ाने की बात कही गई थी।

धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया और तुरंत जांच शुरू कर दी गई। हालांकि, मेल कहां से और किसने भेजा है, यह अभी अस्पष्ट है।

दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल 3 पर बम मिलने की सूचना शाम 4 बजे फायर ब्रिगेड को मिली थी, लेकिन घटनास्थल की जांच के बाद, यह अफवाह साबित हुई। यह ईमेल इंडिगो के शिकायत पोर्टल पर प्राप्त हुआ था। सूचना के बाद, सभी नामित हवाई अड्डों पर एहतियातन जांच की गई।

इस बीच, मुंबई से वाराणसी आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान को बीच उड़ान के दौरान बम धमकी मिलने से हड़कंप मच गया और इस घटना के बाद लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (वाराणसी) पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

विमान ने तुरंत आपातकालीन लैंडिंग की और उसे आइसोलेशन बे में ले जाया गया।

सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाल लिया गया, जबकि बम निरोधक दस्ते द्वारा विमान की पूरी जांच की गई। अभी तक कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा, वाराणसी जाने वाली हमारी एक उड़ान को सुरक्षा संबंधी धमकी मिली। प्रोटोकॉल के अनुसार, सरकार द्वारा नियुक्त बम खतरा आकलन समिति को तुरंत सूचित किया गया और सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय तुरंत शुरू किए गए। उड़ान सुरक्षित रूप से उतर गई और सभी यात्रियों को उतार लिया गया। सभी अनिवार्य सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को परिचालन के लिए छोड़ दिया जाएगा।

▶10 पर

बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश

गणतंत्र दिवस पर लाल किले को दहलाने की थी योजना, तार पाकिस्तान से जुड़े

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली विस्फोट के आरोपी डॉक्टर मुज़म्मिल और डॉक्टर उमर ने एक बड़ी आतंकी साज़िश के तहत लाल किले की रेकी की थी। शीर्ष सूत्रों के अनुसार, इस मॉड्यूल की साज़िश गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के अवसर पर लाल किले को निशाना बनाने की थी।

यह मॉड्यूल दिवाली के दौरान भी भीड़भाड़ वाली जगह पर हमले की साज़िश रच रहा था। शीर्ष सूत्र ने खुलासा किया, हमने खुलासा किया है कि कथित आत्मघाती हमलावर डॉक्टर मुज़म्मिल ने डॉक्टर उमर के साथ मिलकर जनवरी के पहले हफ़्ते में लाल किले की रेकी की थी। यह महत्वपूर्ण जानकारी डॉक्टर मुज़म्मिल के फ़ोन के डंप डेटा से प्राप्त की गई थी। यह खुलासा तब हुआ जब सुरक्षा एजेंसियों को डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिली।

10 नवंबर को शाम 6:52 बजे लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के सिलसिले में 15 लोगों को गिरफ़्तार किया

▶10 पर

एनआईए की विशेष टीम का गठन

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा दिल्ली कार विस्फोट जांच की जिम्मेदारी संभालने के एक दिन बाद बुधवार को एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में 10 अधिकारी शामिल हैं जिसका नेतृत्व अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) विजय साखरे करेंगे।

इसका उद्देश्य जांच का दायरा बढ़ाना है। इस टीम में एक महानिरीक्षक (आईजी), दो उप महानिरीक्षक (डीआईजी), तीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) शामिल हैं। दिल्ली पुलिस के अधिकारी भी एनआईए की जांच में सहायता कर रहे हैं।

भूटान से लौटते ही अस्पताल पहुंचे मोदी, घायलों से की मुलाकात

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी भूटान यात्रा से लौटते ही बुधवार को यहां लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल जाकर दिल्ली विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। विस्फोट के एक दिन बाद मंगलवार को भूटान की दो दिन की यात्रा पर गए श्री मोदी, बुधवार को दोपहर वहां से लौटते ही हवाई अड्डे से सीधे अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों और अधिकारियों ने उन्हें उपचार से संबंधित जानकारी से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने विस्फोट में घायल लोगों से बातचीत कर उनकी तबियत के बारे में पूछा और डॉक्टरों से उनके उपचार के बारे में जानकारी ली। श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, एलएनजेपी अस्पताल जाकर दिल्ली विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिला। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस षड्यंत्र के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

▶10 पर

दिल्ली धमाका साज़िश का पाकिस्तान कनेक्शन

एस-400 तकनीक चुराने रूस में घुसपैठ की कोशिश, पुतिन ने दबोचा?

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, इस साज़िश में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी का हाथ होने के संकेत स्पष्ट होते जा रहे हैं। पकड़े गए कथित आतंकी डॉक्टरों के पाकिस्तान से लिंक मिलने की आशंका है, जिससे यह साफ है कि पाकिस्तान एक बार फिर भारत के खिलाफ बड़ी साज़िश करते पकड़ा गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मऑपरेशन सिंदूरफ के बाद पाकिस्तान को अमेरिका, चीन, तुर्की और बांग्लादेश समेत कई मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, जिसके बाद पाकिस्तान के हौसले और बुलंद हो गए। इन बुलंद हौसलों के चलते पाकिस्तान ने न सिर्फ भारत पर दोबारा हमला करने का षड्यंत्र रचा, बल्कि रूस में भी घुसपैठ की कोशिश की। पाकिस्तान की कोशिश थी कि वह भारत पर पहलगाम से भी बड़ा हमला कर दे। पाकिस्तान कथित तौर पर ज़हर बनाने वाले और अमोनियम नाइट्रेट से बम बनाने वाले डॉक्टरों के संपर्क में था।

पाकिस्तान चाहता था कि भारत में बड़ा हमला हो जाए और इस हमले के बाद भारत मऑपरेशन सिंदूर 2.0फ भी न कर पाए। इसीलिए भारत के पलटवार की ताकत को कम करने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ने रूस में एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाने की कोशिश की। इस ऑपरेशन का मुख्य मकसद रूस के अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की टेक्नोलॉजी को चुराना था। पाकिस्तान जानता है कि एस-400 भारत के लिए एक बहुत बड़ी ताकत है और मऑपरेशन सिंदूरफ में यह एक गेम चेंजर साबित हुआ था। पाकिस्तान को बर्बाद करने में एस-400 ने बड़ी भूमिका निभाई थी। ऐसे में, भारत मऑपरेशन सिंदूर 2.0फ में इसका इस्तेमाल न कर पाए, इसीलिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ने एस -400 का तोड़ निकालने की कोशिश शुरू कर दी।

निर्यातकों को बड़ी राहत

मंत्रिमंडल ने दी 20,000 करोड़ की विशेष क्रेडिट गारंटी योजना को मंजूरी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर बढ़े आयात शुल्क की मार झेल रहे निर्यातकों को राहत देते हुए केंद्र सरकार ने उनके लिए 20,000 करोड़ तक की विशेष क्रेडिट गारंटी योजना की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में निर्यातकों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान वैश्विक भू-आर्थिक स्थिति को देखते हुए, जिसमें कुछ देश अपनी नीतियों के कारण समस्याएँ पैदा कर रहे हैं, भारतीय निर्यातकों को संरक्षण देने के उद्देश्य से यह योजना लाई गई है। योजना के तहत कुल 20,000 करोड़ तक का अतिरिक्त ऋण निर्यातकों को उपलब्ध कराया जाएगा। हर निर्यातक को उसकी स्वीकृत निर्यात कार्यशील पूंजी सीमा के 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त कार्यशील

▶10 पर

भारत का सबसे बड़ा त्रिसेना युद्धाभ्यास 'त्रिशूल' सम्पन्न

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय थलसेना, नौसेना और वायुसेना ने सौराष्ट्र तट पर संयुक्त रूप से अभ्यास त्रिशूल के अंतिम चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह न केवल भारत का अब तक का सबसे बड़ा त्रिसेना युद्धाभ्यास रहा, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार इतना व्यापक सैन्य एकीकरण देखने को मिला है। 30 अक्टूबर से 10 नवम्बर 2025 तक चले इस महा-अभ्यास में लगभग 50,000 सैनिकों, 20 से अधिक नौसैनिक युद्धपोतों, 40 से ज्यादा वायुसेना के विमानों और अत्याधुनिक स्वदेशी हथियार प्रणालियों ने भाग लिया। गुजरात, राजस्थान, कच्छ और उत्तर अरब सागर के तटीय क्षेत्र इस दौरान एक एकीकृत युद्धक्षेत्र में बदल गए थे।

अभ्यास त्रिशूल के अंतर्गत संचालित ङ्गअभ्यास ब्रह्मशिराफ और ङ्गमरु ज्वालाफ ने यह दिखाया कि भारत की थल, जल और नभ सेनाएँ किसी भी संभावित संघर्ष में एक साथ, एक ही युद्ध-डॉक्ट्रिन के तहत कार्य कर सकती हैं।लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ के नेतृत्व में मरु ज्वाला ने राजस्थान के मरुस्थल से लेकर कच्छ की क्रीक तक भारतीय सेना के स्ट्राइक कोर यानि सुदर्शन चक्र कोर की तीव्र मारक क्षमता का प्रदर्शन किया। इस युद्धाभ्यास की गूँज पाकिस्तान तक सुनाई दी। यह स्पष्ट रूप से एक रणनीतिक संदेश है कि भारत अब हर मोर्चे पर निर्णायक जवाब देने को तैयार है, और किसी भी संभावित संघर्ष में उसके पास संयुक्त संचालन की बेमिसाल क्षमता है।

'ब्रह्मशिरा' और 'मरु ज्वाला' से दुश्मनों की उड़ी नींद

तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन

अभ्यास त्रिशूल की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसमें केवल पारंपरिक युद्ध की तैयारी नहीं हुई, बल्कि आधुनिक बहु-क्षेत्रीय युद्ध की वास्तविकता को परखा गया। अभ्यास में ड्रोन युद्ध, साइबर एवं इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, समुद्री लैंडिंग और नेटवर्क-सेंट्रिक युद्ध की रणनीतियों का परीक्षण किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और ड्रोन वारफेयर से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध नियंत्रण तक भारत ने अपने को मूर्त रूप दिया।अभियानों के दौरान एक संयुक्त ज्वाइंट कंट्रोल सेंटर का संचालन किया गया, जिससे रियल-टाइम युद्ध-निर्देशन संभव हुआ। यह भारत के थिएटर कमांड ढाँचे की दिशा में निर्णायक कदम है।यह महा-अभ्यास ऐसे समय हुआ जब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमरा रही है और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। भारत का यह युद्धाभ्यास द्वि-सीमीय रणनीतिक संतुलन की तैयारी का संकेत देता है। इसके अलावा, यह हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सागर नीति को सशक्त करता है। जहाँ एक ओर त्रिशूल ने युद्ध-क्षमता का प्रदर्शन किया, वहीं भारतीय थलसेना ने अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम वनों में एक अभूतपूर्व फील्ड मेडिकल एक्सरसाइज़ आयोजित कर मानवीय मोर्चे पर अपनी दक्षता का परिचय दिया।

जलवायु जोखिम सूचकांक

भारत चरम मौसम से प्रभावित शीर्ष 10 देशों में शामिल

बेलेम, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले शीर्ष दस देशों में भारत भी शामिल है। जर्मन वॉच द्वारा बुधवार को यहां जारी 2026 जलवायु जोखिम सूचकांक रिपोर्ट में भारत सहित संवेदनशील देशों पर लू, तूफान और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं के असर को प्रमुख कारक बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत शीर्ष 10 देशों की सूची में नौवें स्थान पर है। इन चरम मौसमी घटनाओं का असर वैश्विक दक्षिण के देशों पर सबसे ज्यादा पड़ा है, हालांकि कई यूरोपीय देश और अमेरिका भी शीर्ष 30 में शामिल हैं, जो जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों को दर्शाता है। डोमिनिका, म्यांमार और होंडुरास पिछले तीन दशकों में चरम मौसम से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले शीर्ष तीन देश हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या (अर्थात तीन अरब से अधिक लोग) उन 11 देशों में रहते हैं जो पिछले 30 वर्षों में जलवायु संबंधी चरम मौसम से सबसे ज्यादा

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

भारत-भूटान संबंधों का 'स्वर्णिम अध्याय'

पीएम मोदी ने भूटान को 4000 करोड़ की लाइन ऑफ क्रेडिट दी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत और भूटान के विशेष संबंधों को और मजबूत बनाने की कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान का दौरा किया। इस दौरे को दोनों देशों के सामरिक और विकास सहयोग के लिए बेहद खास माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा के दौरान भूटान के लिए एक बड़ा आर्थिक ऐलान किया। भारत की ओर से भूटान को 4000 करोड़ (चार हज़ार करोड़ रुपये) की लाइन ऑफ क्रेडिट (कर्ज की सीमा) देने की घोषणा की गई, जिससे भूटान को अपने विकास परियोजनाओं के लिए धन प्राप्त करने में सुविधा होगी।

प्रधानमंत्री ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांग्लिमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में टिप्पणी करते हुए कहा कि कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है और अवसर समृद्धि पैदा करते हैं। इसी दृष्टिकोण के अंतर्गत

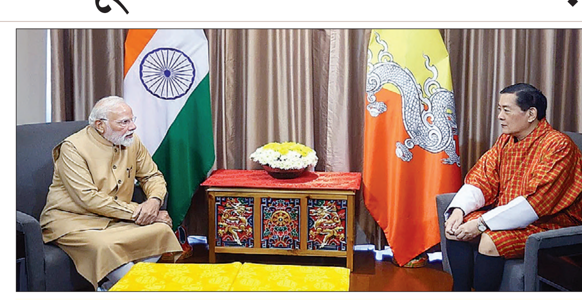

रेल नेटवर्क से जुड़ेंगे गेलेफु-समत्से

गेलेफु और समत्से शहरों को भारत के विशाल रेल नेटवर्क से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर भूटान के उद्योगों और किसानों की भारत के विशाल बाज़ार तक पहुँच और आसान हो जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि रेल और सड़क संपर्क के अतिरिक्त दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने पर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी पहल का उल्लेख करते हुए इसके विकास के लिए भारत के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की।

उन्होंने यह भी घोषणा की है कि भारत जल्द ही आगंतुकों और निवेशकों की सुविधा के लिए गेलेफु के पास आव्रजन चौकी स्थापित करेगा। दोनों देशों के बीच तीन अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर करार हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने उल्लेख किया कि भारत और भूटान का तेज़ी से विकास हो रहा है और उनकी ऊर्जा साझेदारी इस विकास को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत-भूटान जलविद्युत सहयोग की नींव पूर्व नरेश के नेतृत्व में रखी गई थी। मोदी ने सतत विकास और पर्यावरण-प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,29,730/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,65,690/-
(प्रति किलोग्राम)

गच्छाधिपति जिन कांतिसागर सूरीश्वरजी की 40वीं पुण्यतिथि मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी द्वारा गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त प्रज्ञा पुरुष जिन कांतिसागर सूरीश्वरजी की 40 वीं पुण्यतिथि गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी, मुकुलप्रभ सागर जी, साध्वी जी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में गुरुदेव के गुणानुवाद करके मनाई गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने गुरुदेव के प्रति समर्पण और श्रद्धा दर्शाते हुए कहा कि उनका आध्यात्मिक तेज बहुत उच्च कोटि का रहा था और आप ऊपर से कठोर लेकिन अन्दर से बहुत ही सुकोमल हृदय के थे। अध्यक्ष तेजराज मालानी के साथ कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, पारसमल पगारिया, अरविन्द कोठारी,

जवेरीलाल गुलेच्छा, ललित डाकलिया, आरती जैन द्वारा गुरुदेव के चित्र के समक्ष माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने गुरुदेव के प्रति श्रद्धांजलि प्रेषित की। मलयप्रभ सागर जी ने गुणानुवाद करते हुए कहा कि अलग अलग फूलों के अलग अलग रंग होते हैं। लेकिन पूज्य कांतिसागर जी एक ऐसे पुष्प थे जिनकी पंखुड़ियां अलग अलग रंगों की थी। पूज्य कांतिसागर जी के प्रवचन सार्वजनिक होते थे जिनमें सर्वधर्मों की बात होती थी। गुरुदेव सभी धर्मों का ज्ञान रखते हुए उन पर धाराप्रवाह प्रवचन देते थे। गुरुदेव ने राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के अनेक व्यक्तियों को अनेक विषयों पर प्रतिबोध दिया। सिंहगर्जक गुरुदेव जीवन शिल्पी के तौर पर भी जाने जाते हैं। जिन्होने अनेक पुरानी मान्यताओं को तोड़कर समाज सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्रसंत गुरुदेव ने पूर्व से लेकर पश्चिम तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक और हिमालय, बद्रीनाथ, केदारनाथ तक विहार किया था। उन्होंने आध्यात्म की साधना और योग साधना की थी। वर्तमान के क्रांतिकारी प्रवचनों की शुरुआत युगप्रभावक, क्रांतिकारी प्रवचनकार गुरुदेव ने आज से साठ वर्ष पूर्व की थी। गुरुदेव हमारे गच्छ की ही नहीं पूरे जिनशासन और राष्ट्र की धरोहर थे। साध्वी श्री हर्षपूर्णा जी ने अपने दीक्षा के प्रारंभिक काल के गुरुदेव के साथ अनेक संस्मरण सुनाए। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गुरुदेव के अनेक अनछुए पहलुओं के बारे में बताया। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने अपने बचपन में गुरुदेव से मिली धर्म के प्रति जागरूकता और प्रेरणा के बारे में बताया और कहा कि जिस प्रकार की विद्वता कांतिसागर जी में थी उसी प्रकार का ज्ञान मणिप्रभ सागर जी और उनके शिष्य मलयप्रभ सागर जी में देखने को मिलता है। हर्ष जैन और आरती जैन ने भी गुरुदेव के प्रति अपने विचार रखे। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

साध्वीवृंद का मंगलमय विहार नेहरु नगर की ओर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थानक में चातुर्मास संपन्न कर श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी तप कौमुदी महासती निर्मला ने बुधवार को बसवेश्वरनगर से नेहरू नगर की ओर मंगलमय विहार किया। विहार के दौरान सेवा में तत्पर कार्यकर्ताओं की अनुमोदना करते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा कि बेंगलूरु के युवा निरंतर विहार सेवा में सक्रिय रहकर अपना अमूल्य समय एवं श्रम समर्पित कर रहे हैं। साधु-साध्वी भगवंतों के प्रति यह निष्ठापूर्ण सेवा वास्तव में अनुमोदनीय है। साध्वी मंडल का गुरुवार का विहार पितलिया निवास, सुब्रमण्यमनगर की ओर निर्धारित है। विहार सेवा में राजाजीनगर युवा मंडल, जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा, एस.एम.एस. विहार सेवा सदस्यगण तथा राजाजीनगर संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। विहार सेवा में युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, सुरेश जैन, अमित डांगी, पंकज दूनीवाल, चेतन गन्ना, आनंद नाहर, योगेश चौधरी, कल्पेश मेडतवाल, विजेश सालेचा, मदन दलाल, जयेश सालेचा व अन्य उपस्थित रहे। सुरेश जैन एवं हनी जैन ने सभी का आत्मीय स्वागत किया। डॉ. नरपत सोलंकी, वृद्धिचंद पितलिया, दिनेश खीवेंसरा, कांतिलाल गुगलिया व अन्य उपस्थित रहे।

संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने विहार में सेवा देने वाले युवाओं सहित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

चादर महोत्सव में पधारने हेतु अनेक संघों से विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के 871 वर्ष पुराने अग्निसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती का चादर महोत्सव 6 से 8 मार्च 2026 को स्वर्ण नगरी जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के जैसलमेर चादर महोत्सव के वृहत् आयोजन में पदार्पण की विनती लेकर चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य भायंदर में आचार्य भगवन्त श्री मनोज्ञ सागर जी, हैदराबाद में गच्छ गणिनी प्रवरा सुलोचना श्रीजी, पूज्य कनकप्रभा जी की निश्रा में पहुंचे। पूज्य आचार्य प्रवर मनोज्ञ सागर जी ने इस अवसर पर कहा कि चादर महोत्सव प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी जैन व अजैन श्रद्धालुओं का संयुक्त आयोजन है। गणिनी प्रवरा सुलोचना श्री जी ने कहा कि यह दादा गुरुदेव का ही प्रभाव है कि आज उनके देवलोक के 871 वर्ष पश्चात भी गुरुदेव जनमानस में समाहित है। समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में कहा कि चादर महोत्सव को हम सभी गुरु भक्तों को उत्सव के रूप में मनाना है। महोत्सव का उद्देश्य विश्व शांति के लिए प्रयास करना है। चादर समिति के सहमंत्री सुरेश लुनिया ने कहा कि इसमें देशभर में फैले करीब 30 हजार से अधिक भक्त खरतर गच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी की निश्रा में आगामी 6 से 8 मार्च को जैसलमेर में महोत्सव में भाग लेने की संभावना है। समिति के वित्त संयोजक कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि चादर महोत्सव के लिए पूरे देशभर में उत्साह का माहौल है और इसमें आने वाले श्रद्धालुओं को जैसलमेर में स्थित प्राचीन जैन ज्ञान भंडार, लोद्रवा पार्श्वनाथ तीर्थ, अमर सागर तीर्थ, ब्रह्मसर तीर्थ के दर्शन वंदन का लाभ भी मिल सकेगा। समिति के ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर गुरुदेव की निश्रा में भायंदर, कल्याण, मुंबई, हैदराबाद, सिकंदराबाद आदि संघों के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। सभी संघों के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी चादर महोत्सव में पधारने की विनती की गई।

नींद में खलल डालने वाला तेंदुआ पकड़ाया

कनकपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीणों की नींद में खलल डालने वाला तेंदुआ वन विभाग द्वारा लगाए गए जाल में फंस गया है। चार साल की मादा तेंदुआ आखिरकार तालुका के कसाबा होबली के शिवनहल्ली ग्राम पंचायत क्षेत्र के पास एक गौशाला के पास वन विभाग द्वारा लगाए गए जाल में फंस गई। पिछले हफ्ते, तेंदुआ रमनहल्ली गांव के पास एक हिरण का शिकार करने के बाद भाग गया था। उसने इसी तरह जानवरों पर भी हमला किया था, जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल था। वन विभाग के अधिकारियों ने तेंदुए को पकड़ने की योजना बनाई थी और गदासाहल्ली गौशाला के पास एक जाल बिछाया था। तेंदुआ जाल में

फंस गया। इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। क्षेत्रीय वन अधिकारी रवि और उप-क्षेत्रीय वन अधिकारी शिवकुमार ने जाल में फंसे तेंदुए को बचाया और उसे वन्यजीव अभयारण्य में छोड़ दिया। इस अभियान में बीट फॉरेस्टर अन्नाय्या, जोनल वार्डन राहुल और ववाहीब ने भाग लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिंके उद्यान चामराजपेट में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा कर्नाटक राज्य उत्सव के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन कर उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अंबेडकर महाविद्यालय नागभावी में क्रिकेट स्पर्धा हॉस्टल क्रिकेट लीग 2025 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा टोक्यो ओलंपिक, पैरालंपिक 19वें एशियन गेम्स, आईसीसी एकदिवसीय महिला क्रिकेट विश्व कप में भारत के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करके दुनिया को यह दिखा दिया कि यह नया भारत है। युवाओं के सपनों का भारत है, नित्य नई ऊंचाइयां छूने वाला भारत है। खिलाड़ियों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

गौशाला सदस्यों ने नाले से गाय को सुरक्षित बचाया

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजीव गांधी नगर क्षेत्र में एक संवेदनशील घटना घटी, जब एक गाय गलती से नाले में गिर गई। सूचना मिलते ही महावीर गौशाला के सदस्य तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरी टीम ने मिलकर गाय को सुरक्षित बाहर निकाला। गौशाला के सदस्यों ने बिना किसी भय या हिचकिचाहट के पूरी जिम्मेदारी और करुणा के साथ गाय को बचाने का कार्य किया। उनके इस सेवा भाव और तत्परता से गाय की जान बच गई। स्थानीय लोगों ने भी इस कार्य की

सराहना की और गौशाला के सदस्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे नेक कार्य समाज में पशु-प्रेम और मानवता की मिसाल पेश करते हैं। यह घटना न केवल टीम की एकजुटता का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जब समाज मिलकर कार्य करता है, तो किसी भी संकट से निपटा जा सकता है।

भीमा नामक हाथी थका हुआ पाया गया

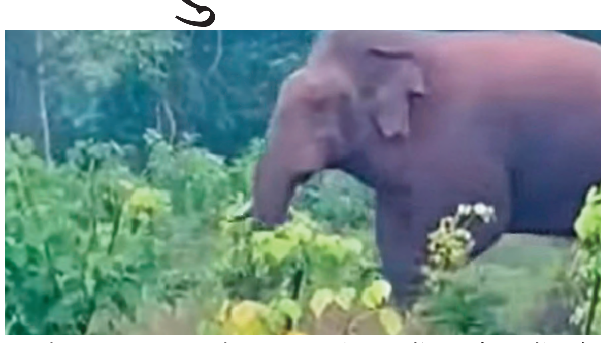

बेलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

जंगली हाथी से लड़ाई के बाद रस्सी तोड़कर जंगल में घुसने वाला कैप्टन भीमा, थका हुआ पाया गया है और उसे तालुका के कडेगरजे गांव में देखा गया है। अपने नाम के अनुरूप, विशालकाय भीमा राजबीड़ी पर चल रहा था, लेकिन उसका व्यवहार अलग था। वह अपने रास्ते में किसी को परेशान किए बिना गंभीरता से चल रहा था। इस बीच, बिक्कोडु होबली के जगबोरनहल्ली गांव के पास भीमा का एक और विशालकाय जंगली हाथी से झगड़ा हो गया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों ने हाथियों के बीच लड़ाई रुकवाई। कैप्टन हाथी को मुक्का मारने गया और एक पेड़ से टकरा गया, जिससे उसका बायां दांत टूट गया और वह जंगल में घुस गया। भीमा, जो बहुत खून बहा चुका था और थका हुआ था, सकलेशपुर के पास फिर से देखा गया। बेलूर के पास कडेगरजे गांव के पास हाथी को थका हुआ देखकर ग्रामीण भयभीत हो गए। हाथी को उपचार की आवश्यकता है और ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से भीमा को सुरक्षित रूप से पकड़ने और उपचार उपलब्ध कराने की मांग की है।

विहार सेवा कर्म काटने का माध्यम: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी भव्य गुणा श्री ने विहार सेवा में आये श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा किविहार सेवा कर्म काटने का माध्यम है। विहार सेवा आपके मन को विनम्र बनाती है तन को चुस्त रखती है। मन में स्थिरता का माहौल पैदा करती है। विहार सेवा खुशी है, सेवा विश्वास है। निस्वार्थ विहार सेवा, जीवन में सुख शांति लाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। विहार सेवा प्यार है, बड़े भाग्यशाली हैं वो लोग जिन्हें, विहार सेवा का मौका मिलता है। क्योंकि विहार सेवा भी उसी को मिलती है जिन पर परमात्मा की कृपा होती है। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि मोक्ष की मंजिल पानी है तो सुधारनी होगी जीवन की गति, परमात्मा का नाम लेने से सिद्ध हो जाते जीवन के सारे मनोरथ। हमारा जीवन सही गति में चलने पर ही हम अपनी मंजिल यानि मोक्ष की प्राप्ति कर सकते है। जब तक हमारे जीवन की गति सहीं नहीं होगी हम मंजिल तक नहीं पहुंच पाएंगे। हमारी गति सुधारने के लिए हमे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा प्राप्त करनी होगी। जीवन में प्रेरणा देने वाले सही मिल जाए तो जीवात्मा जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होकर अंतिम लक्ष्य को हासिल करती है। राजु भंडारी ने बताया कि श्री शंखेश्वर पार्श्व-राजेन्द्र जैन संघ एवं राजेन्द्र नवयुवक मंडल ने विहार सेवा में लाभ लिया।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 260 लोगों का हुआ ऑपरेशन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के बन्नूर गांव में स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. साईं तेजा, डॉ. चंद्रावदन, शिविर संयोजक विजयगंथ बी. की देखरेख में समाजसेविका गवरीदेवी-कानसिंह राजपुरोहित की ओर से गत शनिवार को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर रखा गया था। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मांड्या जिलों के आसपास के गांवों के 260 लोगों ने नेत्र जांच करवाई। परीक्षण में चिकित्सकिय परामर्श के बाद मिले 70 मोतियाबिन्द मरीजों को चिन्हित कर आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय कोयम्बत्तूर भेजा गया। सभी मरीज आंखों का ऑपरेशन करवा कर पुनः बन्नूर लौटे। समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित, संतोष कंवर, राजेश सिंह, विराट सिंह, वन्य कंवर ने सभी मरीजों का स्वागत कर उनके हाल चाल जाने। बुजुर्ग मरीजों ने समाजसेवी राजपुरोहित के सामाजिक कार्यों की सराहना कर आभार जताया। महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि शिविर प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को लगाया जाता है।

सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट दो महीने के भीतर प्रस्तुत की जाएगी: मंत्री शिवराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछड़ा वर्ग स्थायी आयोग द्वारा किया गया सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण ग्रामीण क्षेत्रों में 98 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि ग्रेटर बेंगलूरु में यह अभी लंबित है। पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री शिवराज ने कहा कि सभी काम पूरे होने के बाद दो महीने के भीतर रिपोर्ट सरकार को सौंप दी जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के लिए ऑनलाइन जानकारी जमा करने की समय सीमा इस महीने की 30 तारीख तक बढ़ा दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 98 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। कुछ जिलों में यह पूरा हो चुका है। कुछ अन्य जिलों में 92 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। कार्यालय में बैठकर सर्वेक्षण किए जाने का आरोप निराधार है। सर्वेक्षण जीपीएस के आधार पर किया गया था। सर्वेक्षण के लिए नियुक्त लोगों ने घर-घर जाकर जानकारी एकत्र की। इतिहास में ऐसा कोई अन्य सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिसने इतनी सटीकता से जानकारी एकत्र की हो। उन्होंने कहा कि कोई भी आलोचना करे, सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण अपने सर्वोत्तम स्तर पर किया गया। ऑनलाइन सर्वेक्षण में भाग लेने की समय सीमा इस महीने की 30 तारीख तक बढ़ा दी गई है। बेंगलूरु में सर्वेक्षण पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि शेष सभी जिलों के आंकड़ों को एकत्रित करने की प्रक्रिया चल रही है। बेंगलूरु सहित सभी जानकारी एकत्र करने के बाद अगली रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चर्चा के बाद डेढ़-दो महीने में रिपोर्ट मिल जाएगी। सर्वेक्षण में भाग न लेने का आह्वान करने वाले केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और सांसद तेजस्वी सूर्या को अपमानित किया गया है। लोगों ने इंफोसिस के नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की बातों पर ध्यान नहीं दिया, जिन्होंने सर्वेक्षण में भाग नहीं लेने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि सभी बुद्धिमान थे और सर्वेक्षण में भाग लेकर जानकारी प्रदान की। पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग के नेतृत्व में किए गए सर्वेक्षण ने बड़ी उत्सुकता जगाई है। राज्य की अनुमानित जनसंख्या 6.85 करोड़ है। इसमें 22 सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच बेंगलूरु समेत राज्य भर के 6.14 करोड़ लोगों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया गया। लगभग 4,22,258 परिवारों ने सर्वेक्षण के लिए जानकारी देने से इनकार कर दिया। सर्वेक्षणकर्ताओं ने बताया कि 34,49,681 घर बंद या खाली थे। इसी वजह से आयोग ने सर्वेक्षण में ऑनलाइन भाग लेने और जानकारी देने के लिए समय दिया था। स्व-घोषित जानकारी देने की समय सीमा इस महीने की 30 तारीख तक बढ़ा दी गई है। आयोग के अनुसार, सर्वेक्षण मांड्या जिले में 110.23 प्रतिशत, तुमकुरु जिले में 106.88 प्रतिशत, हावेरी और चित्रदुर्ग जिलों में 103 प्रतिशत, चिक्कमगलूरु और उडुपी जिलों में 102 प्रतिशत, गदग, कोप्पल, दावणगेरे और चामराजनगर जिलों में 100 प्रतिशत, बागलकोट, शिवमोग्गा, उत्तर कन्नड़ और हासन जिलों में 99 प्रतिशत, बेंगलूरु ग्रामीण और रायचूर जिलों में 98 प्रतिशत, बल्लारी में 97 प्रतिशत, कलबुर्गी, कोडागु, बेलगावी और मैसूरु जिलों में 96 प्रतिशत, विजयपुरा और चिक्कबल्लापुर जिलों में 94 प्रतिशत, यादगीर में 93 प्रतिशत, दक्षिण कन्नड़ और विजयनगर जिलों में 92 प्रतिशत, धारवाड़, बीदर और कोलार जिलों में 91 प्रतिशत, बेंगलूरु शहरी जिले में 87 प्रतिशत और बेंगलूरु दक्षिण जिले में 86 प्रतिशत पर किया गया। आयोग ने बताया कि बेंगलूरु को छोड़कर, राज्य भर के 1,46,48,053 घरों के कुल 5,52,90,296 लोगों का सर्वेक्षण किया गया।

कर्नाटक जाति जनगणना: ऑनलाइन स्व-भागीदारी की समय सीमा 30 नवंबर तक बढ़ाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने चल रही सामाजिक और शैक्षणिक जनगणना में स्व-भागीदारी की समय सीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी है, जिससे जो लोग पहले भाग नहीं ले पाए थे, वे अपना विवरण ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आयोग ने कहा कि जिन लोगों ने अभी तक अपनी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है, वे अब 30 नवंबर तक ऑनलाइन के माध्यम से जाति जनगणना में भाग ले सकते हैं। गणनाकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करने का चरण 31 अक्टूबर को समाप्त हुआ, जिसमें कुल गणना लक्ष्य का 89.48 प्रतिशत हिस्सा शामिल था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, लगभग 4.22 लाख परिवारों ने सर्वेक्षण में भाग लेने से इनकार कर दिया था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी को शामिल होने का अवसर मिले, ऑनलाइन भागीदारी की अवधि बढ़ा दी गई है। आयोग के बयान में स्पष्ट किया गया है कि पूर्ण जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह विस्तार दिया जा रहा है। 31 अक्टूबर तक, कर्नाटक की कुल 6.85 करोड़ की आबादी में से अनुमानित 6.13 करोड़ लोगों ने सर्वेक्षण में भाग लिया था। गणना प्रक्रिया के दौरान लगभग 34.49 लाख घर बंद या खाली पाए गए। 22 सितंबर को शुरू हुआ यह सर्वेक्षण मूल रूप से 7 अक्टूबर को समाप्त होने वाला था, लेकिन विभिन्न कारणों से इसे कई बार आगे बढ़ाया गया। सामाजिक और शैक्षिक जनगणना 60 प्रश्नों वाली प्रश्नावली का उपयोग करके वैज्ञानिक तरीके से की जा रही है, जिस पर अनुमानित 420 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसकी तुलना में, 2015 में हुई पिछली जनगणना पर 165.51 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, लेकिन बाद में इसे रद्द कर दिया गया था।

गन्ना किसानों के बाद मक्का उत्पादक भी सड़कों पर उतरेंगे: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मक्का उत्पादकों का भी गन्ना उत्पादकों की तरह सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना लाजमी है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सरकार को चेतावनी दी है कि भाजपा हमारे अन्नदाताओं के संघर्ष का पूरा समर्थन करेगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कांग्रेस सरकार मक्का किसानों का पेट पीट रही है। गन्ना किसानों के बाद अब मक्का किसान भी मुश्किल में हैं। लेकिन हमेशा की तरह, यह बेचारी कांग्रेस सरकार किसानों की दुर्दशा की परवाह किए बिना किसान विरोधी रवैया अपना रही है। मक्का की एमएसपी से कम कीमत पर खरीद में भेदभाव, लोबिया के लिए मुआवजा और सर्वेक्षण में हुई गड़बड़ियों के कारण किसानों को नुकसान हुआ है। इन सबके लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार तुरंत मक्का खरीद केंद्र शुरू करे और किसानों की मांग के अनुसार एमएसपी से ज्यादा दाम पर खरीद करे। केएमएफ संगठन के माध्यम से किसानों से सीधे खरीद करने के आदेश दिए जाएं। दलालों और बिचौलियों की हेराफेरी पर लगाम लगाई जाए। उन्होंने सरकार पर उचित सर्वेक्षण कराने और किसानों को फसल नुकसान के लिए उचित मुआवजा देने का दबाव डाला है।

जीबीए के मुख्य आयुक्त ने बेंगलूरु में चल रहे बुनियादी ढांचे के काम का निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) के मुख्य आयुक्त एम. महेश्वर राव ने मंगलवार की देर रात हेनूर-बगलूर रोड पर सड़क की सफेदी, जे.सी. रोड पर सड़क की सफेदी और नवनिर्मित होस्केरेहल्ली फ्लाईओवर का निरीक्षण किया।

पूर्वी नगर निगम सीमा के अंतर्गत हेनूर-बगलूर रोड के लगभग 5 किलोमीटर हिस्से पर सड़क की सफेदी की जा रही है। इसमें से एक तरफ एक किलोमीटर और दूसरी तरफ 600 मीटर सड़क पूरी हो चुकी है। राव ने 1.2 किलोमीटर के अन्य हिस्से को पूरा करने के लिए 25 दिनों की समय सीमा तय की है। पूर्णा प्रज्ञा स्कूल से गुब्बी क्रॉस तक 1.2 किलोमीटर के हिस्से पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा, जबकि शेष आधे हिस्से पर दोतरफा आवाजाही की अनुमति होगी। यातायात पुलिस द्वारा अनुमोदित 1-1.5 किलोमीटर के खंडों पर भी चरणबद्ध प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। कार्य के दौरान भीड़भाड़ को रोकने के लिए, मुख्य आयुक्त ने पुलिस उपायुक्त (उत्तर, यातायात) को होमगार्ड तैनात करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्य क्षेत्रों में कोई वाहन पार्क न हो और यातायात प्रवाह का कुशलतापूर्वक प्रबंधन हो। राव ने निर्देश दिया कि फुटपाथों से कचरा, मलबा और गाद हटाने के लिए उच्च घनत्व वाले कॉरिडोर सड़कों पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा पूरी तरह से सफाई के लिए जेट स्प्रे का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और निरंतर सफाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। बेंगलूरु पश्चिम नगर निगम सीमा के भीतर, मुख्य आयुक्त ने पीन्या बसवेश्वर बस स्टैंड के पास गड्ढों की मरम्मत के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने इंजीनियरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मरम्मत कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो। उत्तर नगर निगम सीमा में, उन्होंने सुब्रतो मुखर्जी रोड पर डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को यातायात के लिए इसे फिर से खोलने से पहले सड़क की सतह को ठीक से रोल करके गुणवत्ता बनाए रखने का निर्देश दिया। मिनर्वा सर्कल से टाउन हॉल तक 1 किलोमीटर लंबे हिस्से पर सफेदी कार्य चल रहा है। सड़क के आधे हिस्से का काम पूरा हो चुका है और उसे यातायात के लिए खोल दिया गया है, जबकि शेष 250 मीटर का काम चार दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। राव ने अधिकारियों को काम समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

भारत में कट्टरता और सामूहिक नरसंहार का एक लंबा इतिहास रहा है: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि भारत में कट्टरता और सामूहिक नरसंहार का एक बहुत लंबा इतिहास रहा है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मापला विद्रोह ब्रिटिश शासन के दौरान हुआ था। उन्होंने बताया कि यह केरल के मालाबार में हुआ था। उन्होंने कहा कि नरसंहार के शिकार हिंदू थे। पश्चिम बंगाल में सीधी कार्रवाई के नाम पर एक बड़ा नरसंहार हुआ था। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद रजाकार आंदोलन के नाम पर जो हुआ वह भी नरसंहार था। उन्होंने कहा कि आज के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का परिवार भी इसका शिकार हुआ था। उन्हें अपनी मां और बहन को खोना पड़ा था। उन्होंने याद दिलाया कि आजादी के बाद देश भर में हजारों बम विस्फोट हुए थे। इनमें से 90 प्रतिशत इस्लामी विचारधारा से प्रेरित आतंकवादी थे। 10 प्रतिशत आतंकवादी माओ और कार्ल मार्क्स की विचारधारा से प्रेरित हैं। इन सबका मकसद हिंसा, नरसंहार और डर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि यह उस डर के जरिए भारत को अपने अधीन करने की साजिश का हिस्सा था। वे कहते थे कि गरीब और अशिक्षित लोग जल्दी ही आतंकवादी नेटवर्क में फंस जाएंगे। बिन लादेन के पास चांदी का चम्मच नहीं, बल्कि उसके पास हीरे जड़े सोने के चम्मच से खाने के लिए पर्याप्त धन था। फिर भी वह आतंकवादी बन गया। अब गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकवादियों में से कोई भी अनपढ़ नहीं है। उनमें से ज्यादातर डॉक्टर हैं। कुछ इंजीनियर हैं। कुछ अमीर परिवारों से आते हैं। वे आतंकवादी क्यों बने? उन्होंने पूछा कि आतंकवादी बनाने के लिए किस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाता है। यहां भारत जैसी धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है। यहां तक कि गणेश जुलूस भी डर के साये में निकालना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यहां ईद मिलाद कभी डर के साये में नहीं मनाई गई। उन्होंने पूछा कि बम लगाने के बारे में उन्हें कैसा लगता है। इस्लाम बेगुनाहों की हत्या को स्वीकार नहीं करता। मैंने एक मौलवी का बयान देखा कि इस तरह हत्या करने वाले सच्चे मुसलमान नहीं हैं। अगर उनकी बात सच है, तो ये सब लोग इस्लाम फैलाने के लिए आतंकवाद कर रहे हैं। कौन सा इस्लाम सच्चा है?

अभिनेता उपेंद्र और प्रियंका के मोबाइल फोन हैक करने के आरोप में बिहार का एक व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र, उनकी पत्नी और अभिनेत्री प्रियंका उपेंद्र और उनके मैनेजर के मोबाइल फोन हैक करने और साइबर धोखाधड़ी के जरिए कई लोगों से लाखों रुपये ठगने के आरोप में बिहार के एक 25 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के दशरथपुर निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है। सदाशिवनगर पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर को प्रियंका उपेंद्र के मोबाइल फोन पर एक संदिग्ध लिंक आया।

चूंकि उन्होंने कुछ सामान ऑनलाइन ऑर्डर किया था, इसलिए भेजने वाले द्वारा ओटीपी शेयर करने पर उन्होंने लिंक पर क्लिक कर दिया। इसके तुरंत बाद, उनका व्हाट्सऐप अकाउंट हैक हो गया। इसके बाद हैकर्स ने उनके फोन से कई कॉन्टैक्ट्स को मैसेज भेजे, जिसमें दावा किया गया कि वह किसी आपात स्थिति में हैं और उन्हें तुरंत पैसों की जरूरत है। उनके कई करीबी दोस्तों और सहयोगियों ने धोखेबाजों द्वारा बताए गए अकाउंट में लगभग 55,000-55,000 ट्रांसफर कर दिए। जब प्रियंका को पता चला कि उनका फोन हैक हो गया है, तो उन्होंने अपने पति उपेंद्र और उनके मैनेजर को फोन करने की कोशिश की - लेकिन पता चला कि उनके फोन भी हैक हो गए थे। यहां तक कि उनके बेटे ने भी कथित तौर पर यह सोचकर 50,000 ट्रांसफर कर दिए कि उनकी मां मुसीबत में हैं। जब तक प्रियंका को धोखाधड़ी का पता चला, तब तक हैकर्स कई लोगों से 1.5 लाख से ज्यादा की रकम निकाल चुके थे। उन्होंने तुरंत सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने डिजिटल ट्रेल का पता लगाया और पाया कि आरोपी बिहार के दशरथपुर से काम कर रहे थे, जहां कई युवा कथित तौर पर इसी तरह की साइबर अपराध गतिविधियों में शामिल हैं। पुलिस की एक टीम बिहार गई और वहां के लगभग 150 युवाओं को साइबर धोखाधड़ी में लिप्त पाया। टीम ने अंततः विकास कुमार को गिरफ्तार कर लिया और उसे बेंगलूरु ले आई। केंद्रीय संभाग साइबर अपराध इकाई और सदाशिवनगर पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस रैकेट के अन्य सदस्यों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

शारीरिक रूप से अक्षम महिला का यौन उत्पीड़न करते हुए एक व्यक्ति पकड़ा गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अदुगोडी स्थित एक घर में अकेली शारीरिक रूप से अक्षम लड़की का यौन उत्पीड़न करते हुए पकड़े जाने पर गुस्साए निवासियों ने एक 30 वर्षीय व्यक्ति का पीछा करके उसे पकड़ लिया। आरोपी की पहचान विक्रम के रूप में हुई है, जो एलआर नगर का निवासी है और पीड़िता के घर के पास ही बेरोजगार रहता है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मां, जो घरेलू सहायिका का काम करती है, रविवार को काम से घर लौटी तो उसने दरवाजा अंदर से बंद पाया। बार-बार कोशिश करने के बाद, उसने जबरदस्ती दरवाजा खोला तो उसकी बेटी निर्वस्त्र और डरी हुई थी। बाद में उसने विक्रम को एक दरवाजे के पीछे छिपा हुआ पाया। विक्रम ने भागने की कोशिश की, लेकिन मां द्वारा मदद के लिए शोर मचाने पर निवासियों ने उसका पीछा करके उसे पकड़ लिया। गुस्साए निवासियों ने विक्रम को बांध दिया और पुलिस के हवाले करने से पहले उसकी पिटाई की। अदुगोडी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75 (यौन उत्पीड़न), 76 (महिला के कपड़े उतारने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 115 (जानबूझकर चोट पहुंचाना) और 333 (घर में जबरन घुसना) के तहत मामला दर्ज किया है।

बेहतर भारत के लिए अनुसंधान पर राष्ट्रीय और संस्थागत ध्यान को मजबूत करने की आवश्यकता: नारायण मूर्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इन्फोसिस के सह-संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति ने एक बेहतर भारत और एक बेहतर विश्व के लिए अनुसंधान पर राष्ट्रीय और संस्थागत ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इन्फोसिस पुरस्कार की घोषणा के अवसर पर 'भारत और विश्व के लिए अनुसंधान का महत्व' विषय पर व्याख्यान देते हुए मूर्ति ने कहा अनुसंधान मन का वह विस्तार है जो प्रकृति के रहस्यों को उजागर करने, उन चीजों को देखने की ओर ले जाता है जो दूसरों ने अभी तक नहीं देखी हैं, और मानव जाति के सामने आने वाली समस्याओं के संभवतः असंभव समाधान खोजने में मदद करता है। हमारे देश के लिए आज की आवश्यकता है कि एक बेहतर भारत और एक बेहतर विश्व के लिए अनुसंधान पर हमारे राष्ट्रीय और संस्थागत ध्यान को मजबूत किया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि अनुसंधान प्रयासों के लिए साहस, साहस, बेलगाम कल्पना और असफलताओं से न घबराने की क्षमता की आवश्यकता होती है। शोध का अर्थ असफलताओं से हार न मानना, उनसे सीखना, भविष्य में उन गलतियों से बचना और सुधार करना भी है। आइए, हम थॉमस अल्वा एडिसन के शब्दों को याद करें, जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक बेहतरीन व्यक्ति थे, जिन्होंने कहा था मैं असफल नहीं हुआ हूं। मैंने बस ऐसे 10,000 तरीके खोज निकाले हैं जो काम नहीं करेंगे। मूर्ति ने कहा कि इंफोसिस पुरस्कार 2025 के विजेता हमें एक बार फिर याद दिलाते हैं कि विज्ञान और अनुसंधान विलासिता नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व, सम्मान और प्रगति के लिए आवश्यक हैं। मूर्ति ने कहा अनुसंधान के लिए ऐसा माहौल बनाना हमारा परम कर्तव्य है क्योंकि अंततः अनुसंधान ही एकमात्र साधन है जिससे हम भारत को एक बेहतर राष्ट्र और इस विश्व को एक बेहतर दुनिया बना सकते हैं। यही एकमात्र तरीका है जिससे हम अपने संस्थापकों के सपनों को साकार कर सकते हैं। संस्थापकों ने एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी जहां दूर-दराज के गांवों में रहने वाले सबसे गरीब बच्चे को भी पोषण, स्वास्थ्य सेवा, आश्रय, शिक्षा और एक संपूर्ण जीवन जीने के अवसर उपलब्ध हों।

किराया अनुबंध पर स्टांप ड्यूटी आठ हजार से घट कर 500 रुपए करने का प्रस्ताव

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने किरायेदारों और मकान मालिकों को बड़ी राहत देते हुए किराया अनुबंधों पर लगने वाली स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क में भारी कटौती करने का निर्णय लिया है। इस कदम का उद्देश्य किराये के समझौतों को कानूनी रूप से पंजीकृत कराने को बढ़ावा देना और अनौपचारिक व्यवस्थाओं से उत्पन्न विवादों को कम करना है।

सरकार इसके साथ ही एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है, जिसके माध्यम से किरायेदार और मकान मालिक आधार सत्यापन के जरिए डिजिटल रूप से किराया अनुबंध तैयार और हस्ताक्षर कर सकेंगे। इससे उप-पंजीयक कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। यह नया सिस्टम राज्य के संपत्ति पंजीकरण पोर्टल से जोड़ा जाएगा, जिससे लोग अपने घर बैठे ही किराया अनुबंध पंजीकृत करा सकेंगे।स्टांप एवं पंजीयन विभाग की ओर से राज्य मंत्रिमंडल को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार, विभिन्न श्रेणियों में किराया अनुबंधों पर स्टांप ड्यूटी में भारी कमी की जाएगी। वर्तमान में एक वर्ष की अवधि और सालाना किराया दो लाख रुपये तक वाले अनुबंध पर चार प्रतिशत यानी लगभग 8,000 रुपये की स्टांप ड्यूटी लगती है। प्रस्ताव के अनुसार, अब यह घटकर सिर्फ 500 रुपये रह जाएगी।

अधिकारियों के मुताबिक, यह सुधार राज्य के किराया बाजार को औपचारिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम है। अभी अधिकांश मकान मालिक और किरायेदार 11 माह के अनुबंध करते हैं ताकि उन्हें रजिस्ट्री की झंझट और भारी शुल्क से बचा जा सके, मगर ऐसे अनुबंध कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते और विवाद की स्थिति में अदालतों में टिक नहीं पाते।

आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य में केवल 36,000 किराया अनुबंध पंजीकृत हुए थे, जबकि वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक मानी जाती है। अधिकारियों का मानना है कि शुल्क में कटौती के बाद पंजीकरणों में कई गुना वृद्धि होगी।

अधिकारियों की मानें तो वर्तमान नियमों के तहत किराया अनुबंध अधिकतम 30 वर्ष तक किए जा सकते हैं। 30 वर्ष तक के अनुबंधों पर स्टांप ड्यूटी किराये के मूल्य पर लगती है, जबकि इससे अधिक अवधि वाले अनुबंधों पर भूमि मूल्य के आधार पर शुल्क तय होता है जिससे ऐसे दीर्घकालिक अनुबंध अत्यंत महंगे और दुर्लभ हो जाते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यह राहत 10 वर्ष तक की अवधि वाले अनुबंधों पर लागू होगी। आगे चलकर इसे दीर्घकालिक अनुबंधों पर भी लागू करने की संभावना है। विभाग की महानिरीक्षक (आईजी) नेहा शर्मा ने बताया कि कई दौर की समीक्षा और आपत्तियाँ आमंत्रित करने के बाद प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, जिसे शीघ्र ही कैबिनेट की मंजूरी मिलने की संभावना है।

जी 7 सम्मेलन: मंत्री जयशंकर ने विदेश मंत्री रुबियो से की मुलाकात

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों, वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की स्थिरता, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संकटों पर विस्तृत चर्चा हुई। जयशंकर ने बताया कि बैठक के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दिल्ली में हुए हालिया कार ब्लास्ट में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर ने उनकी इस संवेदना के लिए आभार जताया और कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति पर अडिग है और दोषियों को सजा दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात उपयोगी रही। उन्होंने दिल्ली विस्फोट में हुई जनहानि पर शोक प्रकट किया। हमने व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला को लेकर अपने सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया की स्थिति और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता पर भी विचार-विमर्श हुआ। जी7 बैठक के दौरान भारत और अमेरिका के बीच हुई यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब दोनों देश वैश्विक सप्लाई चेन को चीन पर निर्भरता से मुक्त करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं। जयशंकर और रुबियो ने तकनीकी सहयोग, रक्षा साझेदारी और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्रों में भी प्रगति की समीक्षा की।

दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत-अमेरिका संबंध केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच साझा मूल्यों और रणनीतिक साझेदारी को और गहराई देने की जरूरत है। इससे पहले जयशंकर ने जी7 बैठक के इतर कनाडा, जापान, फ्रांस और यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात की थी। उन्होंने सभी नेताओं के साथ वैश्विक शांति, विकास सहयोग और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भारत की प्राथमिकताओं को साझा किया।

महत्वपूर्ण खनिजों की निकासी बढ़ाने के लिए रॉयल्टी दरों में संशोधन का फैसला

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिक वाहन और हरित ऊर्जा जैसे उद्योगों के लिए अति महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति में बाधाओं के बीच सरकार ने सीज़ियम, रुबिडियम और ज़िरकोनियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की रॉयल्टी दरों को तर्कसंगत बनाने की मंज़ूरी दी है।

केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने की बैठक में सीजियम, ग्रेफाइट, रुबिडियम और जिरकोनियम की रॉयल्टी दर को तर्कसंगत करने की मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से सीज़ियम, रुबिडियम और ज़िरकोनियम युक्त खनिज ब्लॉकों की नीलामी को बढ़ावा मिलेगा जिससे न केवल ये खनिज, बल्कि इनसे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण खनिज, जैसे लिथियम, टंगस्टन, नियोबियम आदि भी प्राप्त होंगे। ग्रेफाइट की रॉयल्टी दरें मूल्यानुसार निर्धारित करने से विभिन्न ग्रेड के खनिजों की कीमतों में होने वाले परिवर्तन आनुपातिक रूप से परिलक्षित होंगे। इन खनिजों के स्वदेशी उत्पादन में वृद्धि से देश में रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।

वोट चोरी कर लाइव चल रही है लोकतंत्र की हत्या : राहुल

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फिर आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी का खुला खेल रहे हैं।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा भाजपा के लाखों लोग खुलेआम अलग-अलग राज्यों में घूम-घूमकर वोट डालते हैं और इस चोरी को छुपाने के लिए सारे सबूत मिटा दिए जाते हैं। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर खुलेआम वोट चोरी कर रहे हैं - लोकतंत्र की हत्या लाइव चल रही है।

दिल्ली धमाके के बाद मिस्र और अर्जेंटीना ने कहा-

हम भारत के साथ, आतंकवाद रुकना चाहिए

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में मिस्र के राजदूत कामेल जायेद गलाल ने दिल्ली धमाके की कड़ी निंदा की है। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में मिस्र के राजदूत ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय और मानवीय तौर पर भी एक ही कानून है। कामेल जायेद गलाल ने कहा, अपने देश मिस्र की सरकार और जनता की ओर से हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। यह हमारे समाज के लिए सच्चाई का और नाजुक क्षण है और हमें इस कृत्य को वर्गीकृत करने में सतर्क रहना चाहिए। भारत में मिस्र के राजदूत ने आगे कहा, किसी भी आपराधिक मामले को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। हम इसका समर्थन करते हैं। मुझे लगता है कि यही बात अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय कानून पर भी लागू होती है। वहीं भारत और मिस्र के बीच संबंध को लेकर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को क्रियान्वित करने के लिए दोनों विदेश मंत्रियों ने एक संपूर्ण रोडमैप पर सहमति व्यक्त की है।

दूसरी तरफलाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट पर भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो काउसिनो ने कहा, हमें नहीं पता कि यह आतंकवादी हमला था या नहीं। आज सुबह तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं थी, लेकिन निश्चित रूप से अगर यह पुष्टि हो जाती है कि आतंकवादी हमला हुआ है तो अर्जेंटीना भारत का समर्थन करेगा, जैसा कि हमने इस साल अप्रैल में किया था जब कश्मीर में आतंकवादी हमला हुआ था।

उन्होंने कहा कि जब दो दिन पहले यह विस्फोट हुआ था, तब हमने मृतकों, उनके परिवारों और घायलों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की थी। हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो काउसिनो कहते हैं, हम आतंकवाद पर प्रधानमंत्री मोदी के रुख से सहमत हैं। हमारा मानना है और मैं फिर से दोहराता हूं कि आतंकवाद को रोका जाना चाहिए।

दिल्ली में अमित शाह से मिले सुवेंदु अधिकारी, कोलकाता में भाजपा विधायकों के साथ सुकांत मजूमदार ने की बैठक

नई दिल्ली/कोलकाता, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तैयारी तेज कर दी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी की दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद बुधवार को कोलकाता में भाजपा विधायकों की बैठक हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा विधायकों के साथ बैठक की। इस दौरान पार्टी की रणनीतियों और विधायी प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई।

सुकांता मजूमदार ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, मैं पश्चिम बंगाल विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल के विधायकों के साथ शिष्टाचार भेंट में उपस्थित था। सुवेंदु अधिकारी ने सुकांता मजूमदार के पोस्ट पर कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा पश्चिम बंगाल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने भाजपा विधायकों से शिष्टाचार भेंट की। भाजपा विधायकों को उनके साथ बातचीत में उनके बहुमूल्य सुझावों से बहुत लाभ हुआ।

इससे पहले, सुवेंदु अधिकारी ने एक पोस्ट के जरिए दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की जानकारी दी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा, मंगलवार शाम केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह के साथ उनके आवास पर 30 मिनट तक सार्थक बैठक हुई। पश्चिम बंगाल से जुड़े कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। उनके मार्गदर्शन और अटूट समर्थन के लिए आभारी हूं।

भाजपा में बैठकों का यह दौर उस समय शुरू हुआ है, जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम जारी है। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी इस एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रही है, लेकिन भाजपा चुनाव आयोग के फैसले के साथ खड़ी है।

कैंसर से लड़ाई में इन्सान को मिल रहा है बैक्टीरिया का साथ

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। शरीर के किसी भाग में बाहर से बैक्टीरिया डालने की बात सुन कर किसको डर नहीं लगेगा? कारण है कि बैक्टीरिया की बात होते ही उससे पैदा होने वाली न्यूमोनिया और हैजा जैसी गंभीर बीमारियां याद आ जाती हैं । लेकिन अब कैंसर जैसी दुस्साध्य बीमारी से लड़ाई में बैक्टीरिया को एक कारगर हथियार के रूप में विकसित किया जा रहा है।

वैज्ञानिक कैंसर के इलाज में बैक्टीरिया के प्रयोग पर काम कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही बैक्टीरिया को इस प्रकार साधने में सफल हो जाएगे कि शरीर में डाले गये बैक्टीरिया कैंसरग्रस्त कोशिकाओं को तेजी से ढूंढ-ढूंढ कर नष्ट करने वाली जीती-जागती मशीन बन जाएंगे। यही नहीं, बैक्टीरिया अपना काम पूरा कर बिना कोई और असर छोड़े लुप्त हो जाएंगे।

वेबसाइट 'द कन्वर्सेशन' में प्रकाशित जोसेफिन राइट और सुसन वुड्स की एक अनुसंधान रिपोर्ट में बैक्टीरिया से कैंसर चिकित्सा जैसे इस जटिल विषय पर प्रकाश डाला गया है। श्री राइट साउथ ऑस्ट्रेलियन हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट में एक वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता हैं। सुश्री सूसन वुड्स आस्ट्रेलिया के ही एडीलेड विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और अनुसंधानकर्ता हैं। वह साउथ ऑस्ट्रेलियन हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट में कैंसर औषधि पर अनुसंधान करती है।

वेबसाइट में प्रकाशित दोनों कैंसर चिकित्सा वैज्ञानिकों के लेख के अनुसार कैंसरग्रस्त ट्यूमर (गांठें) कई तरह के होते हैं और उनमें से अधिकांश का इलाज बहुत मुश्किल होता है। कई बार कैंसर कुछ समय के लिए ठीक होने के बाद फिर से उभर जाते हैं क्योंकि शरीर में कैंसर का शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता से युद्ध चलता रहता है।कई कैंसर इलाज के विरुद्ध अपनी प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं ।

इन वैज्ञानिकों का कहना है कि बैक्टीरिया से कैंसर का इलाज आसान और अधिक कारगर हो जाएगा। उन्होंने इस तथ्य का उल्लेख किया है कि करीब सौ वर्ष पूर्व कैंसर का इलाज करने के दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों ने पाया था कि कुछ कैंसर रोगी जो बैक्टीरिया संक्रमित हो गये थे उनमें कैंसर के लक्षण अप्रत्याशित रूप से घट गए या समाप्त हो गए थे।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने अब उस बात पर अनुसंधान एवं अध्ययनों के माध्यम से उसके कारणों का पता लगा लिया है। लेख में मोटे तौर पर यह कहा गया है कि कैंसर के मरीज रोग की प्रतिरक्षा प्रणाली को बैक्टीरिया अपनी गतिविधियों से सक्रिय कर देते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं पर हमला कर देती है। मूत्राशय कैंसर के कुछ मामलों में इस प्रक्रिया को पहले से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें जब चिकित्सक कैथेटर के जरिए मूत्राशय में माइकोबैक्टीरियम बोविस का एक अपेक्षाकृत कम शक्तिशाली संस्करण प्रविष्ट कराते हैं तो मरीज के शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली सक्रिय हो जाती है और कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देती है।

कुछ बैक्टीरिया ठोस कैंसर गांठ और उसके ऊतकों के अंदर तो विकसित हो जाते हैं, लेकिन वे स्वस्थ् ऊतकों के भीतर नहीं जाते। दरअसल इन बैक्टीरिया को अपने पनपने के लिए जरूरी पोषक तत्व ठोस कैंसर की मृत कोशिकाओं से मिलते हैं। कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं की प्रतिरोधक क्षमता भी कम होती है जिससे वे इन बैक्टीरिया का मुकाबला नहीं कर पातीं। ऐसे बैक्टीरिया की यही विशेषताएं कैंसर के उपचार में उन्हें हथियार के रूप में उपयोग किये जाने का मुख्य आधार हैं ।

संदर्भ के तौर पर बताया गया है कि पिछले करीब 30 वर्षों में इस क्षेत्र में 500 से ज्यादा शोध पत्र आ चुके हैं और 70 क्लीनिकल ट्रायल हुए हैं।

इसके साथ ही 24 स्टार्टअप कंपनियों ने बैक्टीरिया आधारित कैंसर चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित किया है। शुरुआती परीक्षणों के परिणाम आशाजनक बताये गये हैं। अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान कैंसर जैसे रोग को बैक्टीरिया के प्रयोग से परास्त करने के कितने करीब है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि पिछले पांच वर्षों में कैंसर की बैक्टीरिया-चिकित्सा में दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान की दिलचस्पी बढ़ी है।

विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम और ई-पासपोर्ट की सफल शुरुआत की

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने हाल ही में पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (पीएसपी) के उन्नत संस्करण (पीएसपी वी2.0) और वैश्विक पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम (जीपीएसपी वी2.0) के सफल क्रियान्वयन की घोषणा की। इसके साथ ही मंत्रालय ने ई-पासपोर्ट की शुरुआत भी की, जो भारतीय नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। मिली जानकारी के अनुसार, इसी साल 26 मई को भारत के सभी 37 पासपोर्ट कार्यालयों, 93 पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) और 450 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों में पीएसपी वी2.0 को लागू कर दिया गया था। इसके बाद, 28 अक्टूबर को दुनिया भर के भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में जीपीएसपी वी2.0 का शुभारंभ हुआ। इस कदम से भारतीय नागरिकों को पासपोर्ट से संबंधित सेवाओं में सुधार और तेजी मिलेगी।

पीएसपी वी2.0 में डिजिटल रूप से एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र की पेशकश की गई है, ताकि पासपोर्ट सेवाओं से जुड़े सभी हितधारकों को आसानी से जोड़ा जा सके। इसमें एआई संचालित चैट और वॉयस बॉट्स की सुविधा दी गई है, जिनकी मदद से नागरिक आवेदन भरते समय या शिकायतों के समाधान में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, नई पासपोर्ट वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिए यूजर्स को स्वचालित रूप से भरे गए फॉर्म, सरल दस्तावेज अपलोड और यूपीआई और क्यूआर कोड के माध्यम से आसान ऑनलाइन भुगतान की सुविधा दी जा रही है।

ई-पासपोर्ट का लॉन्च मंत्रालय की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह हाइब्रिड पासपोर्ट में कागज और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तत्व शामिल हैं। इसमें एक आरएफआईडी चिप और एंटीना होता है, जो डेटा को सुरक्षित रूप से संग्रहित करता है और बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। भविष्य में, सभी नए जारी किए गए पासपोर्ट ई-पासपोर्ट होंगे, जबकि मौजूदा पासपोर्ट समाप्ति तक वैध रहेंगे। विदेश मंत्रालय का यह कदम नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। पीएसपी वी2.0, जीपीएसपी वी2.0 और ई-पासपोर्ट की शुरुआत से भारतीय पासपोर्ट धारकों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिलेगा। विदेश मंत्रालय की तरफ से लगातार पासपोर्ट सेवा केंद्रों पर सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को कम समय में और बिना किसी परेशानी के सारी सेवाएं मिल सकें।

सीएम योगी की आधी रात तक डीजीपी-चीफ सेक्रेटरी संग बैठक

अयोध्या और काशी के अफसरों से सीधी बात

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
दिल्ली विस्फोट का कनेक्शन सीधे यूपी से जुड़े होने के मिले तथ्य पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने त्वरित कदम उठाए। देवीपाटन मंदिर से ही डीजीपी, मुख्य सचिव संग डीजी इंटेलिजेंस के साथ वर्चुअली समीक्षा की। सीएम ने मथुरा, काशी, आयोध्या की सुरक्षा को अभेद्य करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को तत्काल मूव करने के निर्देश दिए। तीनों मुख्य शहरों के डीएम व कमिश्नर को भी मंदिरों की सुरक्षा की निगरानी को मौके पर पहुंचने को कहा। मंदिर से ही सीएम आधी रात तक डीजीपी व मुख्य सचिव से सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे हर कदम की पल-पल जानकारी लेकर दिशा-निर्देश देते रहे।प्रदेश मुख्यालय से लगभग 160 किलोमीटर दूर भारत-नेपाल सीमा पर स्थित देवीपाटन मंदिर के ब्रह्मलीन महंत को श्रद्धांजलि देने सीएम योगी आदित्नाथ यहां आए थे। संत सम्मेलन शुरू होने के कुछ घंटे बाद डीजी इंटेलिजेंस की ओर से दिल्ली के लालकिले पर हुए विस्फोट की जानकारी दी गई। जिस पर सीएम ने तुरंत सक्रिय हुए। उन्होंने तत्काल डीजीपी, मुख्य सचिव को काशी विश्वनाथ, मथुरा-वृंदावन संग आयोध्या की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। सुरक्षा एजेंसियों को भी एक्टिव मोड पर कर दिया गया। सीएम ने खुद ही तीनों शहरों के डीएम व कमिश्नर से सीधे बात कर सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा ही नहीं की, बल्कि सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी व जरूरत होने पर तत्काल डीजीपी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।दिल्ली में हुई घटना के आधार पर संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही हाई अलर्ट घोषित करते हुए डीएम व एसपी को भी जिलों में गहन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। सीएम देर रात तक मीटिंग के बाद हर गतिविधि की पल-पल जानकारी लेते रहे। सीएम ने सीधे कहा कि किसी भी दशा में सुरक्षा में चूक नहीं होनी चाहिए। हर संदिग्ध लोगों की जांच करने के बाद ही तीनों मंदिरों में प्रवेश दिया जाए। प्रदेश के 75 जिलों के डीएम व एसपी की ओर से अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीएम सीधे भी जिले के अधिकारियों से संचार मध्यम से जुड़ते रहे। रात करीब 12 बजे डीजी इंटेलिजेंस संग अन्य सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों से वर्चुअली रिव्यू मीटिंग की।

स्कूली बच्चों को अब बुके नहीं मिलेगी बुक

यूपी के स्कूलों में नया नियम लागू, किताबें बनेंगी सम्मान का प्रतीक

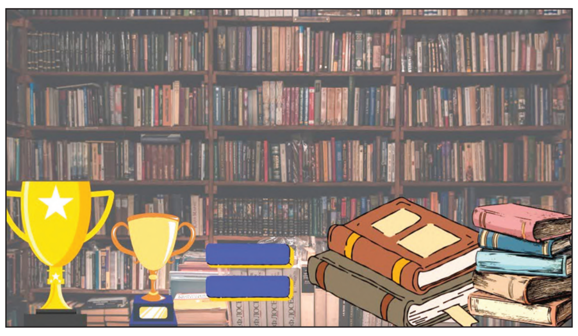

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश के स्कूलों में अब छात्रों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने की एक नई पहल शुरू की गई है। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब स्कूलों , पुस्तकालयों में होने वाले विशेष कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं या सांस्कृतिक आयोजनों में फूलों के बुके या ट्रॉफी की जगह किताबें भेंट की जाएंगी। यह अभियान बुके नहीं, बुक दें नाम से शुरू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करना और उन्हें मोबाइल या डिजिटल उपकरणों से दूर रखकर ज्ञानवर्धक पुस्तकों की ओर आकर्षित करना है।अब जब किसी छात्र को किसी प्रतियोगिता में पुरस्कार मिलेगा या किसी कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत किया जाएगा, तो उन्हें पुष्पगुच्छ की जगह प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद पुस्तकें दी जाएंगी। यह बदलाव प्रतीकात्मक नहीं बल्कि एक गहरा शैक्षिक संदेश लेकर आया है, ज्ञान का सच्चा सम्मान पुस्तक से ही है।अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने जिलों के शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। शिक्षकों, पुस्तकालय कर्मियों से कहा है कि वे स्वयं पुस्तकें पढ़ें और उनके सारांश को कक्षा में बच्चों के साथ साझा करें। शिक्षकों की भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि वे बच्चों में पढ़ने की प्रेरणा भी जगाएंगे।बेसिक शिक्षा विभाग ने इस अभियान को जमीनी स्तर पर शुरू कर दिया है। योजना के तहत छात्रों को केवल पाठ्यक्रम की किताबें ही नहीं बल्कि प्रेरणादायक, नैतिक और ज्ञानवर्धक साहित्य उपलब्ध कराया जाएगा। इससे बच्चों का दृष्टिकोण व्यापक होगा और वे जीवन मूल्यों को बेहतर समझ सकेंगे।आज बच्चे अधिकांश समय मोबाइल पर व्यतीत करते हैं, ऐसे में यह अभियान उन्हें फिर से पुस्तकों की ओर मोड़ने का प्रयास है। एक पुस्तक न केवल ज्ञान देती है, बल्कि सोचने और समझने की क्षमता भी बढ़ाती है। सरकार का कदम शिक्षा के साथ बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास की दिशा में भी अहम साबित हो सकता है।

यूपी में ट्रॉफी का आना प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास को याद कराने वाला क्षण : सीएम योगी

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में इस ट्रॉफी का आना प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास को याद कराने वाला है। हॉकी इंडिया में यूपी का योगदान अविस्मरणीय है। मेजर ध्यानचंद ने उत्तर प्रदेश की धरती में जन्म लिया था। उनके नेतृत्व में भारतीय हॉकी टीम ने तीन ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीते। प्रदेश सरकार मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्टस यूनिवर्सिटी बनवा रही है। इस वर्ष से पहला सत्र शुरू हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह भी उत्तर प्रदेश में जन्मे थे। उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए बाराबंकी में उनके निवास को एक म्यूजियम के रूप में बनाया जा रहा है। सीएम ने अन्य हॉकी खिलाड़ियों का भी जिक्र किया और कहा कि प्रदेश ने कई ऐसे खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने हॉकी इंडिया को सम्मान दिलाया। वर्तमान में भी प्रदेश के राजकुमार पाल, उत्तम सिंह, विष्णुकांत सिंह, मुमताज, साक्षी, ज्योति, पूर्णिमा महिला व पुरुष वर्ग की सीनियर-जूनियर भारतीय टीम में चयनित होकर प्रदेश और देश को गौरवांवित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से जुड़े पदाधिकारियों का लखनऊ आगमन पर स्वागत करते हुए इसके सफल आयोजन की भी शुभकामना दी। उन्होंने विश्वकप में भारतीय खिलाड़ियों के सफलता की मंगलकामना भी की।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव सुहास एलवाई, निदेशक डॉ. आरपी सिंह, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, डीजी हॉकी इंडिया कमांडर आरके श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश हॉकी के महासचिव रजनीश कुमार मिश्रा, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ललित कुमार उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होगा। इसमें भारत, चीन, बेल्जियम जापान, स्पेन, न्यूजीलैंड चिली, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया समेत 24 टीम हिस्सा ले रही हैं। मेजबान भारत, जिसने वर्ष 2001 और 2016 में यह खिताब जीता था। इस बार घरेलू धरती पर तीसरी बार खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा।

लखनऊ जेल में कड़ी हो गई सुरक्षा व्यवस्था

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
दिल्ली धमाके के बाद लखनऊ जेल प्रशासन अलर्ट हो गया है।जिला कारागार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

हाई सिक्योरिटी बैरक में 50 बंदी रखे गए हैं जिनमें 18 आतंक के आरोपी हैं।सुरक्षा के मद्देनजर व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक अफसरों ने जेल में बाहरी लोगों का प्रवेश अस्थायी रूप से रोका गया है।अंदरूनी बैरकों में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया है।

गहन छानबीन शुरू हो गई है। अब जेल में प्रवेश से पहले आधार व पहचान पत्र अवश्य दिखाना होगा।3650 बंदियों की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।जेलकर्मियों और बंदियों के सामान की सघन जांच की जा रही है।वॉच टॉवर, चहारदीवारी और मुख्य द्वार पर तैनाती बढ़ाई गई है।

योगी एक्शन : गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी सस्पेंड, विभागीय जांच के आदेश

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी यानि बीएसए अतुल कुमार तिवारी को अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने उनके खिलाफ अनुशासनिक जांच के आदेश भी दिए हैं। कार्रवाई मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल और जिलाधिकारी गोंडा की संस्तुति पर हुई है।जांच में पाया गया कि बीएसए द्वारा विद्यालयों में बच्चों के लिए डेस्क आपूर्ति के टेंडर में भारी अनियमितताएं की गईं। कुछ टेंडरदाताओं से 10 लाख रुपये की वसूली कर विशेष कैटलाग पर बिड प्रकाशित कराई गई थी, जो तकनीकी मानकों और जेम पोर्टल के नियमों के पूरी तरह विपरीत थी। यह प्रक्रिया राज्य

परियोजना निदेशक द्वारा तय एसओपी के भी खिलाफ पाई गई। बीएसए पर योजनाओं, कार्यक्रमों को समय पर पूरा न करने, शासनादेशों का पालन न करने, गलत पत्रावलियां प्रस्तुत करने, कार्य की निगरानी में लापरवाही बरतने के आरोप भी लगे हैं। उन्होंने डीएम और सीडीओ के निर्देशों की भी अनदेखी की थी। इन सभी आरोपों के प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर शासन ने उन्हें उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली के तहत निलंबित किया है।निलंबन के दौरान अतुल कुमार तिवारी को नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा, बशर्ते वे यह प्रमाणित करें कि वे किसी अन्य सेवा या व्यापार में संलग्न नहीं हैं। जांच की जिम्मेदारी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक लखनऊ मंडल को सौंपी गई है।निलंबन अवधि में बीएसए अतुल तिवारी मंडलीयसंयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल से संबद्ध रहेंगे।

आपा सांसद संजय सिंह ने शुरू की सरयू से संगम तक की पदयात्रा...

'रोजगार दो, न्याय दो' का लिया संकल्प

अयोध्या, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
आम आदमी पार्टी ने बुधवार को सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में बड़ी देवकाला तिराहा स्थित एक लॉन में जनसभा आयोजित कर 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' के नाम से सरयू से संगम तक पदयात्रा की शुरुआत की। यह पदयात्रा 13 दिनों तक चलेगी, जो अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अमेठी होते हुए प्रयागराज पहुंचेगी। इस दौरान कार्यकर्ता लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

सभा को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि यह पदयात्रा उन बेरोजगारों, किसानों, मजदूरों और हर उस व्यक्ति की आवाज है, जिसे न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि रोजगार भी चाहिए और सामाजिक न्याय भी – को लेकर हम सरयू से संगम तक संकल्प लेकर चलेंगे ।

उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा बेरोजगार राज्य बन गया है। यहां युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, जबकि भ्रष्टाचार चरम पर है। पेपर लीक कराकर सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।इस पदयात्रा में दिल्ली के विधायक एवं प्रदेश प्रभारी अनिल झा, प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत, अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

हैंडीक्राफ्ट कारखाने में लगी भीषण आग

आसपास के घरों को कराया गया खाली, विस्फोट से मची अफरा-तफरी

संभल, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
सरायतरीन के मोहल्ला भूड़ा में वसीम के हैंडीक्राफ्ट कारखाने में भीषण आग लग गई। कारखाने में केमिकल के ड्रम होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। करीब 500 मीटर दूर से भी आग का धुआं दिखाई देने लगा।

एहतियातन आसपास के करीब एक दर्जन घरों को खाली कर लिया गया। पुलिस के संभल और बहजोई से दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर पानी डालकर बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। इस बीच केमिकल के ड्रम के फटने की आवाज भी आती रही। आग की घटना से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है, हालांकि आसपास के घरों की छतों पर लोग जमा होकर नजारे को देख रहे हैं। लोग ऊपर वाले से आग पर काबू पाए जाने के लिए दुआएं कर रहे हैं। सीओ आलोक कुमार भी मौके पर पहुंचे हैं।

माना जा रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से कारखाने में आग लगी। पहले लकड़ी का समान जलने लगा और फिर केमिकल को भी आग ने चपेट में ले लिया। जिस वक्त कारखाने में आग लगी उस समय मजदूर काम कर रहे थे, जिन्होंने किसी तरह भाग कर जान बचाई।

यूपी की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी में बड़ा भागीदार बनेगा पर्यटन विभाग

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी के लक्ष्य में बड़ा भागीदार पर्यटन विभाग बनने जा रहा है।कम खर्च में सर्वाधिक आय वाला महकमा सिर्फ टूरिज्म डिपार्टमेंट ही है।उत्तर प्रदेश की ओर देशी ही नही विदेशी पर्यटकों का रूख प्रमाण है।पर्यटन विभाग अब सफेद हाथी नही रहा।आज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बनकर उभरा है। पहले यह महकमा पहचान का मोहताज था,इस महकमे में क्या-क्या होता है और क्या-क्या हो सकता है, आमजन को पता ही नही था। जबसे यूपी में योगी सरकार आई तबसे पर्यटन विभाग से लोगों का जुड़ाव शुरू हुआ।

आज हालत यह है कि यह पर्यटन विभाग बड़ा राजस्व अर्जन वाला विभाग बन गया है। एक पर्यटक आता है तो सीधे कम से कम आधा दर्जन लोगों की आमदनी होती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदेश की वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा हिस्सेदार बनने जा रहा है पर्यटन विभाग।देश विदेश के पर्यटन यूपी की

ओर आकर्षित हुए हैं, यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह दावा मीडिया से मुखातिब प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने किया।उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की वर्तमान उपलब्धियों में पर्यटन से सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान, यात्रा और पर्यटन में रोजगार सृजन, और विश्व आर्थिक मंच के यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक में 39वें स्थान पर आना शामिल है। सरकार वेलनेस, ईको, ग्रामीण और आध्यात्मिक जैसे आधुनिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, और प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ परिपथों का विकास कर रही है। 2027 तक 10 फीसदी वार्षिक क्षेत्रीय वृद्धि और पर्यटन से राज्य की जीडीपी में 15 फीसदी योगदान का लक्ष्य है।पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में 10 लाख से अधिक रोजगार सृजन का लक्ष्य है।सरकार चिकित्सा पर्यटन, ईको-टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे आधुनिक आयामों को बढ़ावा दे रही है।ग्रामीण पर्यटन के विकास पर भी ध्यान केंद्रित है, जिसमें ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन, कुशीनगर और गोरखपुर जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है।रामायण परिपथ, व्रज परिपथ और बौद्ध परिपथ जैसे परिपथों का विस्तार हुआ है।प्रमुख सड़कों के किनारे ढाबे और फूड कोर्ट विकसित किए जा रहे हैं।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि पहले कोई न नीति थी न रीति।उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति 2022 को लागू किया है।एआई तकनीक की मदद से पर्यटकों की गिनती की जा रही है।राज्य के होटलों और रिसॉर्ट के लिए स्टार वर्गीकरण प्रणाली शुरू की है। वोकल फॉर लोकल दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए जीआई टैग और ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा दिया है। हमने अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने की कोशिश की है। स्थानीय कलाकारों का रजिस्ट्रेशन शुरू किया है।कोई विधानसभा क्षेत्र ऐसा नहीं, जहां हमारा विभाग काम न कर रहा है।धार्मिक स्थलों और धरोहरों को विकसित किया है ताकि देश ही नही विदेशी पर्यटकों की भी आमद बढ़े,आमद बढ़ेगी तो आमदनी भी बढ़ेगी।कलाकारों को तीन श्रेणियों एबीसी में बांटा गया है, उन्हें कैटगरी मुताबिक मानदेय पर विभाग प्रोग्राम दिलाता है। हैरिटेज बिल्डिंगों को विकसित किया है।यूपी टूरिज्म डिपार्टमेंट ने यूपी के बाहर भी काम किया है। हरिद्वार में हमारे विभाग के यात्री गृह से करोड़ों की आय हो रही है, अभी बदरीनाथ में बनकर तैयार है, जल्दी शुभारंभ होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा,एसईआर के मामले विपक्ष नाहक हो हल्ला मचा रहा है। इनकी आदत बन गई है, अच्छा हो तो भी इन्हें अच्छा नहीं लगता।

सुझाव

इन बातों के लिए बच्चों को कहना चाहिए ना

पैरेंट्स बनना अपने आप में कई तरह की जिम्मेदारियां लेकर आता है वहीं बच्चों को न कहना सबसे मुश्किल काम है। लेकिन कभी-कभी उनकी भलाई के लिए आपको ऐसा कहना पड़ता है खासकर मामला जब उनकी हेल्थ का हो। यहां कुछ ऐसी ही सिचुएशंस हैं जब उनकी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आपको उनको न कह देना चाहिए...

टाइम से सोना और जागना

चाहे छुट्टियां हों या स्कूल के दिन, सोने के समय को लेकर आपको सख्त होने की जरूरत है। अगर आपका बच्चा आधी रात के बाद काफी एनर्जी में दिख रहा है तो आपको ये बताने की जरूरत है कि खेलने का वक्त निकल चुका है ताकि वह टाइम से सो और जाग सके। आखिरकार इनफेक्शंस से बचने के लिए पर्याप्त नींद की भी जरूरी है।

न छोड़ने दें खाना

नियमित अंतराल पर खाना खाना डाइजेशन और शरीर को मजबूत करने के लिए जरूरी होता है। अगर आपका बच्चा कुछ खाने से परहेज करता है तो उसे आराम से मनाएं। नाश्ता खासतौर पर बहुत जरूरी है। इसे न लेने पर शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता।

हाइजीन का रखें ध्यान

खाने से पहले साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। वॉशरूम जाने के बाद भी हाथ धोने की आदत डालें। खेलने के बाद बच्चा सीधे खाने के लिए बैठ जाए तो न कहने पर अपराध बोध न करें।

विडियो गेम कम एक्सर्साइज ज्यादा

बच्चे को आईपैड देने और विडियो गेम खेलने का समय निश्चित कर दें। इसके साथ ही उन्हें बाहर निकलकर फिजिकल एक्टिविटी या कोई खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सर्दियों में ठंड से बचें और स्टाइलिश भी दिखें

अगर आपको लगता है कि सर्दियां आते ही सारा फैशन खत्म हो जाता है और स्वेटर-जैकेट के नीचे स्टाइल दब जाता है तो आप गलत हैं। आज हम आपको बता रहे हैं 6 टिप्स ऐंड ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल कर आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए और स्टाइल से कॉम्प्रमाइज किए बिना ठंड से भी बचेंगी और स्टाइलिश भी दिखेंगी। आगे की स्लाइड्स में जानें कैसे...

हर वक्त काम आते हैं मोजे

अब वो जमाना नहीं रहा जब मोजा सिर्फ जूते के साथ पहनने के लिए एक सहायक वस्तु हुआ करता था। अब मार्केट में एक से बढ़कर एक क्यूट और फंकी मोजे आ गए हैं इसलिए इन्हें न पहनने की आपके पास कोई वजह नहीं है। इस तरह के फंकी मोजे आपकी खूबसूरती भी बढ़ाएंगे और आपके पैरों को भी गर्म रखेंगे। सिर्फ जूते ही क्यों आप चाहें तो सैंडल्स के साथ भी मोजे पहन सकती हैं। हाई फैशन रनवे मॉडल्स से लेकर स्ट्रीट स्टाइल स्टार्स तक इस बात के सबूत हैं कि अगर ढंग से स्टाइल किया जाए तो सैंडल के साथ भी मोजे का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है।

टर्टलनेक है बेस्ट

इन सर्दियों में टर्टलनेक को अपना बेस्ट फ्रेंड बनाएं। आपके वॉरड्रोब में टर्टलनेक वाले कपड़े होने ही चाहिए क्योंकि ये आपको सर्दियों में गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश लुक भी देते हैं। आप चाहें तो इसे अपने हिसाब से सैकड़ों तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

ब्लैंकेट स्कार्फ

शायद आपको यकीन नहीं होगा लेकिन यह सच है कि आप ब्लैंकेट यानी कंबल ओढ़कर भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। इन दिनों ब्लैंकेट स्कार्फ फैशन में बना हुआ है। इनके इस्तेमाल से आपको काफी गर्मी महसूस होगी। कई बार हम सर्दियों में यह सोचकर पुराने कपड़े पहन लेते हैं कि ऊपर से तो स्वेटर या जैकेट पहनना ही है। अगर आपने भी ऐसा कुछ प्लान किया है तो यह ब्लैंकेट स्कार्फ आपके पुराने आउटफिट को छिपाने में मदद करेगा। साथ ही अगर आपको नींद आ रही हो तो आप इसे ओढ़ भी सकती हैं।

डेनिम के नीचे टाइट्स

अगर आपने गर्मी के मौसम में कटी-फटी, रग्ड या डिस्ट्रेस्ड जींस खरीदी थी तो यकीन मानिए यह जींस सर्दी के मौसम में भी बर्बाद नहीं होगी। बस आपको करना यह है कि एक अच्छा सा वॉर्म टाइट्स खरीद लें और इसे जींस के नीचे पहनें। ये टाइट्स न सिर्फ आपको ठंड से बचाएंगे बल्कि आपके आउटफिट को अलग अंदाज भी देंगे।

स्वास्थ्य

मथेकेइसप्वइंट के दबाएं, हैल्थ प्रॉब्लमसे राहत पाएं

महंगाई के दौर में हर कोई अपने काम में मशरूफ है। रोजाना दफ्तर में घंटों स्क्रीन के सामने बैठकर काम कर पाना काफी मुश्किल है। ऐसे में हम लोग अपने खान-पान की तरफ भी ठीक से ध्यान नहीं देते, जिस वजह से अक्सर सिर दर्द और अन्य शिकायत रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर कई दवाइयों का सहारा लेते है, जिनके लगातार सेवन से अपनी ही सेहत को नुकसान पहुंचता है। आज हम आपको साधारण तरीका बताएंगे, जिसको ट्राई करने से सिर दर्द से लेकर सभी छोटी-मोटी प्रॉब्लम दूर होती है।

बेहतर रक्तसंचार

भौहों को दबाने से टेंशन, गैस्ट्रिक समस्या जैसी समस्या दूर होती है। ब्लड सकरुलेशन भी बेहतर रहता है। भौहों को दबाने से शरीर में हैप्पी हर्मोन्स रिलीज होता है, जिससे तनाव दूर रहता है।

याददाश्त तेज

ऐसा करने से याददाश्त तेज होती है। इस प्रक्रिया को बच्चों से भी करवाए, क्योंकि यह उनके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

थकान कम होना

भौहों के बीच से माथे को दबाने से थकान की समस्या भी दूर होती है। अगर आपको ऑफिस के कारण थकान रहती है तो आप इस प्रक्रिया को ऑफिस में बैठे-बैठे भी कर सकते है।

आंखों को आराम

लगातार किसी काम पर आंखे गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी बोझ बढ़ जाता है, जिससे आंखे दर्द होने लगती है। आंखों आराम देने के लिए अपने माथे को उंगलियों की मदद से दबाएं। काफी आराम मिलेगा।

भौहों के बीच वाला प्वाइंट दबाएं

अगर आप अक्सर सिर दर्द से परेशान रहते है तो दोनों भौहों के बीच मौजूद प्वाइंट को उंगलियों की मदद से लगभग 45 सैकेंड तक दबाएं। भौहों के बीच वाले हिस्से को दबाने से अलग किस्म की ऊर्जा पैदा होती है, जिससे सिर दर्द की समस्या झट से गायब हो जाती है। इसके अलावा इससे कई प्रकार की समस्याएं दूर होती है।

एलोवेरा लगा सकता है आपकी खूबसूरती में चार चांद, जानें कै

दिल्ली और एनसीआर में हर तबका एयर पोल्यूशन और धुंध की समस्या से परेशान है. ऐसे में अगर एलोवेरा, स्पाइडर प्लांट जैसे पौधों की संख्या बढ़ाई जाए तो कुछ हद तक धुंध से निजात मिल सकती है. शांति आश्रम के प्रमुख स्वामी पद्मा प्रकाश ने कहा, 'एलोवेरा कार्बनडाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाता है. ऐसा माना जाता है कि एलोवेरा का एक पौधा नौ एयर प्यूरीफायर के बराबर होता है.

एलोवेरा को आयुर्वेद में संजीवनी कहा जाता है. इसमें अमीनो एसिड की मात्रा भरपूर रहती है और विटामिन 12 की मौजूदगी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है. एलोवेरा त्वचा की देखभाल से लेकर बालों की खूबसूरती तक और घावों को भरने से लेकर कैंसर से निजात पाने तक, हर परेशानी से राहत देता है.

एलोवेरा कुछ समस्याओं में ज्यादा कारगर है. यहां एलोवेरा के कुछ उपाय बताए जा रहे हैं.

आंखो की जलन को करें छू-मंतर: ज्यादातर देखा गया है कि कंप्यूटर के सामने घंटों बैठे रहने पर, टीवी को लगातार देखने पर या नींद पूरी न होने पर आंखों की समस्या पैदा हो जाती है. ऐसे में दो चम्मच एलोवेरा जेल को पानी में मिलाएं और इससे आंखों को धो लें. ऐसा करने से आंखों को आराम मिलेगा, साथ ही जलन से छुटकारा मिलेगा.

पिंपल्स और टैनिंग को करें दूर: आप अगर एलोवेरा के ज्यूस का सेवन करते हैं तो आप पिंपल्स व पिंपल्स के दागों से दूर रहते हैं. साथ ही टैनिंग की समस्या से भी मुक्ति पा सकते हैं.

जख्म भरे: अगर आपको कोई चोट लगी हुई है, या कोई घाव है, या फिर किसी कीड़े ने काट लिया है, तो होने वाली जलन से राहत पाने के लिए एलोवेरा का सेवन जरूर करें. ऐसा करने से आपके जख्म जल्दी भरेंगे.

झड़ते बाल व डैंड्रफ से छुटकारा: आजकल अधिकर लोग कम उम्र में ही गंजेपन का शिकार हो रहे हैं, वहीं कई ऐसे भी होंगे जो झड़ते बाल से निजात पाने के लिए रास्ता ढूंढ़ रहे होंगे. ऐसे में आप अपने कंडिशनर में केवल दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अगर बालों में लगाते हैं तो आप देखेंगे कि बालों में चमक के साथ-साथ मजबूती भी आ जाएगी.

जोड़ों के दर्द होंगे बंद: अगर आप जोड़ों के दर्द से परेशान हैं तो आप ताजा एलोवेरा जेल को जोड़ों पर लगाएं. आपको दर्द से राहत जरूर मिलेगी.

मोटापे से छुटकारा- कसरत व डाईट चार्ट को फालो करते-करते थक गए हैं तो अब आप एलोवेरा का सेवन करें. यह औषधि आपको प्राकृतिक रूप से वजन घटाने में आपकी सहायता करेगी.

साइनस से रहे दूर : अधिकांश लोगों को इस तरह की समस्या सर्दियों में बढ़ जाती है. ऐसे में दवाई लेना मजबूरी हो जाती है. यदि आप एलोवेरा का सेवन करते हैं तो साइनस की समस्या से दूर रह सकते हैं.

दांतों की देखभाल: दातों में होने वाली समस्या जैसे कैविटी, दाग-धब्बे, मसूड़ों में दर्द आदि को एलोवेरा से दूर किया जा सकता है. सबसे बड़ी बात यह कि आप हमेशा फ्रेश रहते हैं.

एलोवेरा एक एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर शरीर में होने वाली बीमारियों के खिलाफ एक कवच प्रदान करता है.

चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा जब उठाएंगे ये कदम

हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे हर उतार के साथ आती हैं उससे जुड़ी चिंताएं। कुछ लोग इन चिंताओं से बच निकलते हैं, जबकि कई इन चिंताओं में ही घुले जाते हैं। कई बार तो ऐसा भी होता है कि मूल समस्या आपका उतना नुकसान नहीं करती, जितना कि उसे लेकर की गई चिंता कर देती है। माना कि चिंता से पूरी तरह दूर रहना लगभग असंभव है मगर कुछ बातों का खयाल रखकर आप अपनी चिंताओं पर लगाम लगा सकते हैं। इनमें तीन बातें प्रमुख हैं....

सूची बनाकर विश्लेषण करें

आपने सुना होगा कि अगर कोई बच्चा इस बात से डरा हुआ है कि उसके बिस्तर के नीचे राक्षस है, तो उसे एक बार बिस्तर के नीचे झांककर देखने के लिए राजी करना चाहिए। जब वह देख लेगा कि वहां ऐसा कुछ नहीं है, तो उसका डर और चिंता जाती रहेगी। यही

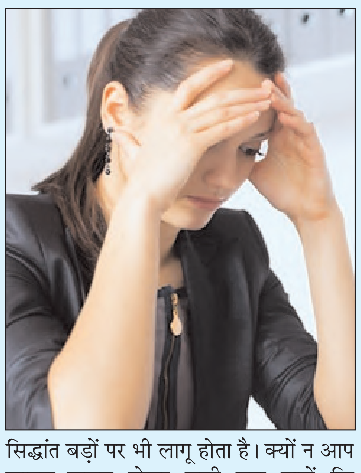

सिद्धांत बड़ों पर भी लागू होता है। क्यों न आप कागज-कलम लेकर सूची बना डालें कि आपको आखिर कौन-सी चीजों की चिंता खाए जा रही है? फिर, उसे गौर से पड़े और विश्लेषण करें कि क्या वाकई ये इतनी चिंता करने लायक बातें हैं? हो सकता है कि इस प्रकार विश्लेषण करने पर आपको लगे कि इसमें चिंता करने लायक कोई बात ही नहीं थी। और अगर बात वाकई गंभीर है, तो फिर ठंडे दिमाग से समस्या का समाधान सोचें।

लिख डालें

अपनी चिंता के बारे में लिख लेने से एक फायदा यह होता है कि आपका दिमाग लगातार उसके बारे में सोचते रहने से मुक्त हो जाता है। कई मनोवैज्ञानिक बता चुके हैं किसी डर या चिंता को कागज पर लिख लेने से उसे दूर करने में मदद मिलती है। इससे तनाव कम होता है।

अपने दिमाग को पहचानें

यह सच है कि हमारे मस्तिष्क की कार्यशैली बड़ी जटिल है लेकिन इसे समझने की कोशिश हम नहीं करेंगे, तो भला कौन करेगा? इसलिए, यदि आप चिंता करने के आदी हैं, तो पहले यह समझने का प्रयास करें कि आपका दिमाग कब, किस तरह से काम करता है और क्यों। दिमाग की चिंता करने की फितरत पर काबू पाना है, तो इसकी कार्यशैली को समझना बहुत जरूरी है। याद रहे, यदि आप अपने दिमाग के काम करने के तरीकों को समझ लेंगे, तो खुश व तनावमुक्त रहने के तरीके भी खोज सकेंगे। वह यूं कि यदि आपने अपने दिमाग की कार्यशैली को समझ लिया, तो जैसे ही वह चिंता करना शुरू करेगा, आप उस पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर सकते हैं।

कई बार हमें पता ही नहीं चलता कि कब चिंता का कीड़ा हमारे मस्तिष्क में प्रवेश कर गया और जब तक पता चलता है, तब तक बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है। इसलिए बात बढ़ने से पहले ही यदि समस्या को रोकना चाहते हैं, तो समय निकालकर अपने मस्तिष्क को जानने-समझने की कोशिश करें।

जींस खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप हर दिन जींस पहनना पसंद करती हैं आपको एक ऐसी जींस चाहिए जो कंफर्टेबल होने के साथ ही टिकाऊ भी हो। साथ ही जींस का लुक भी अच्छा होना बेहद जरूरी है। कई बार जींस खरीदते वक्त हम कंफ्यूजन में रहते हैं कि हमें जींस में कंफर्ट लेवल देखना चाहिए या लुक... हम आपको बता रहे हैं कि जींस खरीदते वक्त आपको किन 5 बातों का ध्यान रखना चाहिए...

कपड़े की क्वॉलिटी

जींस खरीदते वक्त फैब्रिक पर खास ध्यान दें। जींस खरीदते वक्त जल्दबादी बिलकुल न करें बल्कि जींस को अच्छी तरह से छूकर देख लें ताकि आपको कपड़े की क्वॉलिटी के बारे में पता चल जाए। साथ ही जींस खरीदते वक्त उसके ब्रैंड के बारे में भी जरूर जान लें।

कितनी मात्रा में है कॉटन

जींस खरीदने से पहले लेबल जरूर जांचना चाहिए ताकि जींस में डेनिम यानी कॉटन की मात्रा पता कर सकें। कई बार जींस में खिंचाव बढ़ाने के लिए उसमें डेनिम के साथ लाइक्रा भी मिला दिया जाता है। यदि आपकी जींस में डेनिम का प्रतिशत 90 से 100 न हो, तो वो आरामदायक नहीं होगी और उसकी फिटिंग भी अच्छी नहीं होगी।

कुछ नया ट्राई करें

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर हमेशा एक जैसी जींस खरीदने की बजाए कुछ नया ट्राई करने की कोशिश करें। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो हमेशा एक जैसी जींस ही पहनते और खरीदते हैं जिससे उन्हें नए फैशन के बारे में पता नहीं चलता।

अकेजन का रखें ध्यान

जींस खरीदने से पहले आपको इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि आप किस उद्देश्य से जींस खरीद रहे हैं। ऑफिस में कैजुअल थीम के तौर पर पहनने के लिए या दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने के लिए। अगर ऑफिस के लिए जींस खरीद रही हैं तो आपकी जींस सिंपल और क्लासी होनी चाहिए और अगर घूमने फिरने के मकसद से खरीद रही हैं तो आप स्लिम फिट या डिजाइनर जींस भी खरीद सकती हैं।

रेसिपी

मुरमुरे के लड्डू

सामग्री

गुड़- 250 ग्राम
पफ्ड राइस- 100 ग्राम
पानी- जरूरत अनुसार

विधि

एक बर्तन में 250 ग्राम गुड़ डालकर धीमी आंच पर पकाएं। एक बार जब गुड़ पिघल जाए, तो गैस को तेज करके गुड़ को उबाल लें। इसमें 100 ग्राम पफ्ड राइस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद गैस बंद कर लें। फिर अपने हाथों पर थोड़ा सा पानी लगाएं और तैयार मिश्रण की छोटी-छोटी गेंदें बना लें। आपके मुरमुरे के लड्डू तैयार है, इसे ठंडा करके सर्व करें।

मैंगो केक

सामग्री

250 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बटर, 4-5अंडे,2 चम्मच बेकिंग पाउडर, 200 ग्राम चीनी, 1 कप मैंगो प्यूरी,1 चम्मच मैंगो एसेंस, 2-3 आम, 3 कप क्रीम ।

विधि

सबसे पहले ओवन को 150 डिग्री पर गर्म करें। अब 1 बॉउल में अंडा और बटर अच्छे से फेंट लें फिर इसमें 5 चम्मच चीनी, नमक, मैंगो प्यूरी और मैंगो ऐसेंस मिला कर 5 मिनट के लिए रख दें। अब एक बर्तन में मैदा और बेकिंग पाउडर लें और उसमें तैयार अंडे की पूरी सामग्री को मिला कर 2 मिनट के लिए अलग रखें। फिर बेकिंग पैन में केक की तैयार सामग्री डालें और गरम ओवन में रखें। इसको 35 से 40 मिनट तक के लिये बेक होने दें। अब चीनी और क्रीम को 1 बॉउल में अच्छे से फेंट लें। जब केक बन जाए तब उसकी पूरी साइड को क्रीम से कवर करें और केक को आम के टुकड़ों से सजाएं।

संपादकीय

10/11 दिल्ली विस्फोट

राजधानी दिल्ली में लालकिला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास कार में जो जबरदस्त विस्फोट हुआ, उसमें 11 लोग मारे गए और 25 से ज्यादा घायल बताए गए हैं। कुछ गंभीर घायल एलएनजेपी अस्पताल के आईसीयू में उपचाराधीन हैं। उनमें से 5 की हालत नाजुक बताई गई है। ईश्वर कृपा करें और उन्हें जीवन-दान दें। सवाल यह है कि क्या ऐसा विस्फोट आतंकी हमला नहीं है? दिल्ली, मुंबई, उप्र समेत देश के बड़े शहरों और राज्यों में 'हाई अलर्ट' घोषित करना पड़ा है, तो क्या यह आतंकी हमले के बाद की स्थिति नहीं है? विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसकी गूंज करीब एक किमी. तक सुनाई दी, कार में सवार लोगों के चीथड़े उड़ गए, एक व्यक्ति की पसलियां ही बाहर आ गईं, तो किसी के फेफड़े बाहर दिखाई दिए, किसी का हाथ टूट कर बाहर गिर पड़ा, तो कोई सरकलम की अवस्था में था। मानवीय अंग और धमाके की शिकार गाड़ियों के हिस्से, टूट कर और हवा में उछल कर, 20-25 मीटर दूर जा गिरे। क्या ऐसे अमानवीय प्रहार को भी आतंकी हमला नहीं मानेंगे? क्या यह आत्मघाती हमला भी हो सकता है? जिस कार के पिछवाड़े में विस्फोट हुआ, उसकी अगल-बगल की 6 कारें, 2 ई-रिक्शा और एक ऑटो में भी आग लग गई। उनमें सवार लोगों की भी मौतें हुई हैं और कुछ झुलसी, घायल अवस्था में अस्पताल तक पहुंचाए गए। क्या ऐसा व्यापक, असामान्य, असरदार विस्फोट सीएनजी सिलेंडर फटने का हो सकता है? बहरहाल राजधानी दिल्ली में हुए विस्फोट के तमाम संकेत 'आतंकी हमले' की ओर हैं। हालांकि हम राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एनएसजी, फॉरेंसिक टीमों के अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा करेंगे। इस संदर्भ में यूएपीए के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। जांच एजेंसियां 13 संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं। दिल्ली पुलिस के करीब 200 कर्मियों ने सीसीटीवी के फुटेज खंगालने का महत्वपूर्ण काम किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गृह सचिव, आईबी प्रमुख समेत सभी अहम सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ आपात बैठक की है। आकलन और विश्लेषण किए जा रहे हैं कि यह विस्फोट किस स्तर का था। आतंकी हमले की संभावना को भी खारिज नहीं किया जा रहा है। अलबत्ता जांच के सम्यक निष्कर्ष के बाद ही घोषणा की जाएगी कि यह विस्फोट कैसा था। बहरहाल यदि यह विस्फोट आतंकी हमला साबित हुआ, तो 14 लंबे सालों के बाद राजधानी दिल्ली में आतंकवाद के मंसूबे कामयाब होंगे। दिल्ली में आखिरी बड़ा धमाका 7 सितंबर, 2011 को उच्च न्यायालय के बाहर हुआ था, जिसमें 11 मौतें हुई थीं। सितंबर, 2008 में दिल्ली में ही सिलसिलेवार विस्फोट कराए गए थे। कनॉट प्लेस, करोल बाग, ग्रेटर कैलाश आदि में लगातार धमाके हुए थे, जिनमें 25 लोग मारे गए और 90 घायल हुए थे। अब लालकिले के पास जहां धमाका हुआ, उसके पास जैन मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, चांदनी चौक, भगीरथ प्लेस आदि ऐसे स्थल और बाजार हैं, जहां शाम के समय 2.5-3 लाख लोगों की भीड़ आती-जाती रहती है। मेट्रो स्टेशन की भी भीड़ होती है। यदि आतंकी हमला साबित हुआ, तो आतंकियों ने भीड़ को ही निशाना बनाया था। यह राजधानी का उच्च सुरक्षा वाला इलाका है, लिहाजा बेहद संवेदनशील भी है। प्रधानमंत्री मोदी स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, पर लालकिले की प्राचीर से ही देश को संबोधित करते हैं। संयोग है कि दिल्ली में लालकिले के पास इतना ताकतवर विस्फोट हुआ है और 25-30 किमी. दूर हरियाणा के औद्योगिक शहर फरीदाबाद में फतेहपुर तगा गांव के एक मकान से 2563 किग्रा. विस्फोटक रसायन और धौज गांव के एक और मकान से 360 किग्रा. रसायन, यानी कुल 2900 किग्रा. के करीब विस्फोटक रसायन, बरामद किया गया है। हैरान और क्षुब्ध करने वाला तथ्य यह है कि इस आतंकी मॉड्यूल में तीन शिक्षित डॉक्टर संलिप्त हैं। उनके तार पाकिस्तान में जैश-ए-मुहम्मद से जुड़े रहे हैं। आप कल्पना कीजिए कि यदि इस रसायन को विस्फोटक पदार्थ बनाकर इस्तेमाल किया गया होता, तो कई पुलवामा नरसंहार किए जा सकते थे। यही नहीं, आतंकियों की इस डॉक्टर चौकड़ी के पास से एके-47, 56, बेरेटा पिस्टल, असॉल्ट राइफलें, 20 टाइमर, 8 बड़े और 4 छोटे सूटकेसों और 50 बोरों में विस्फोटक रसायन भरा हुआ था। फिलहाल ये आतंकी पुलिस की हिरासत में हैं। क्या फरीदाबाद कांड की कोई भूमिका दिल्ली विस्फोट में भी है, इसे भी खंगाला जा रहा है।

दिल्ली, मुंबई, उप्र समेत देश के बड़े शहरों और राज्यों में 'हाई अलर्ट' घोषित करना पड़ा है, तो क्या यह आतंकी हमले के बाद की स्थिति नहीं है? विस्फोट इतना ताकतवर था कि उसकी गूंज करीब एक किमी. तक सुनाई दी, कार में सवार लोगों के चीथड़े उड़ गए, एक व्यक्ति की पसलियां ही बाहर आ गईं, तो किसी के फेफड़े बाहर दिखाई दिए, किसी का हाथ टूट कर बाहर गिर पड़ा, तो कोई सरकलम की अवस्था में था। मानवीय अंग और धमाके की शिकार गाड़ियों के हिस्से, टूट कर और हवा में उछल कर, 20-25 मीटर दूर जा गिरे। क्या ऐसे अमानवीय प्रहार को भी आतंकी हमला नहीं मानेंगे? क्या यह आत्मघाती हमला भी हो सकता है? जिस कार के पिछवाड़े में विस्फोट हुआ, उसकी अगल-बगल की 6 कारें, 2 ई-रिक्शा और एक ऑटो में भी आग लग गई। उनमें सवार लोगों की भी मौतें हुई हैं और कुछ झुलसी, घायल अवस्था में अस्पताल तक पहुंचाए गए। क्या ऐसा व्यापक, असामान्य, असरदार विस्फोट सीएनजी सिलेंडर फटने का हो सकता है? बहरहाल राजधानी दिल्ली में हुए विस्फोट के तमाम संकेत 'आतंकी हमले' की ओर हैं। हालांकि हम राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एनएसजी, फॉरेंसिक टीमों के अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा करेंगे। इस संदर्भ में यूएपीए के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। जांच एजेंसियां 13 संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं। दिल्ली पुलिस के करीब 200 कर्मियों ने सीसीटीवी के फुटेज खंगालने का महत्वपूर्ण काम किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गृह सचिव, आईबी प्रमुख समेत सभी अहम सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ आपात बैठक की है। आकलन और विश्लेषण किए जा रहे हैं कि यह विस्फोट किस स्तर का था। आतंकी हमले की संभावना को भी खारिज नहीं किया जा रहा है। अलबत्ता जांच के सम्यक निष्कर्ष के बाद ही घोषणा की जाएगी कि यह विस्फोट कैसा था। बहरहाल यदि यह विस्फोट आतंकी हमला साबित हुआ, तो 14 लंबे सालों के बाद राजधानी दिल्ली में आतंकवाद के मंसूबे कामयाब होंगे।

पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिए चुनौती

ललित गर्ग

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनस-देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है। इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि "सुरक्षा" अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए। पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है।

देश दुनिया से

आधुनिक वातावरण में पूर्णिमा का प्रभाव

संभवतः सभी सज्जनों एवं संवेदनशील मनुष्यों को यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं होगा कि वर्तमान जीवन-समय में मनुष्य के जीवन के लिए सर्वाधिक आवश्यकता प्राकृतिक अनुकूलता, संतुलन एवं सहजता की है। इस समय पूरा विश्व प्रकृति के प्राणघाती असंतुलन से प्रभावित है। शांत मन मस्तिष्क के साथ जीवन एवं संसार के बारे में चिंतन-मनन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति धरती, आकाश, जल, वायु एवं अग्नि की विकृतियों से आत्मपीड़ित है। पंचतत्त्वों की विकृत पुनरावृत्ति सभी ऋतुओं में किसी न किसी रूप में प्रकट हो ही जाती है। ऋतुओं की असहजता, अप्राकृतिक कठिनता एवं मौलिक गतिविधियों से विमुखता मनुष्य के जीवन के सम्मुख वर्तमान में सबसे विशाल संकट है। आधुनिकता एवं प्रगति की मदिरता में डूबे हुए दुनिया के अधिसंख्य लोग ऐसे संकट से पूर्णतः अनभिज्ञ हैं। स्पष्ट दिखाई देता है कि उन्हें प्राकृतिक असंतुलन एवं संकट से कोई सरोकार नहीं है। विशेषकर किशोर एवं युवा मानव तो मशीनों पर आधारित जीवन एवं दिनचर्या जीने के लिए ही अराजक ढंग से आंदोलित हैं। यह स्थिति अत्यंत जीवन विरोधी है। इसी का परिणाम है जो अधिकतर किशोरों एवं युवाओं का पंचतत्त्वों के साथ कोई स्वाभाविक लगाव नहीं है। उन्हें सूर्योदय एवं इसके बाद घटने वाली दैनिक प्राकृतिक गतिविधियों का कोई अनुभव नहीं है। वे आत्मइच्छा से खुले व्योम को नहीं देखते। उनमें वनों, वृक्षों, पौधों, वनस्पतियों, लताओं, डालियों के प्रति कोई आकर्षण नहीं है। उन्हें सूर्यास्त एवं सांध्य बेला की जीवन संबंधी प्राकृतिक गतिविधियों के साथ कोई सरोकार नहीं है। जीव-जंतुओं एवं पक्षियों की दैनिक हलचल उन्हें किंचित नहीं लुभाती। खेतीबाड़ी, कृषि संबंधी गतिविधियां, पर्यावरणीय, भौगोलिक एवं अन्य श्रम संबंधी कार्य उन्हें फूटी आंख नहीं भाते। परोपकार से वे पूर्णतः अपरिचित हैं। असहाय लोगों की सेवा-सुश्रुषा करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति उनमें है ही नहीं। ऐसे किशोर एवं युवा केवल और केवल आधुनिक मशीनों को एकत्र करने में लिप्त हैं। उन्हें मोबाइल फोन तथा इसके विभिन्न अनुप्रयोगों में रुचि है। उन्हें मोटरवाहनों, विशेषकर मोटरसाइकिल से लगाव है। वे अति अराजक ढंग से सडक़ों पर मोटरसाइकिलें चला रहे हैं। वे मोटरसाइकिलों पर आते-जाते तीखे, कर्कश व कानफोड़ हॉर्न बजाना अपनी आधुनिक प्रतिष्ठा समझते हैं। बड़े-वृद्धजनों के सामने अराजक, असभ्य एवं दुस्साहसी गतिविधियां करते हुए उन्हें अंशमात्र का संकोच नहीं होता। उनकी भाषा अति असभ्य है। वे गालियां दे रहे हैं। वे गालियों में किन शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, कभी इस पर चिंतन-मनन नहीं करते। घर हो अथवा सार्वजनिक स्थान, वे उज्जड़ आचरण कर रहे हैं। उनका दुर्व्यवहार इस सीमा तक पहुंच चुका है कि यदि उन्हें इसके लिए मृत्युदंड भी मिल जाए, तो भी कम ही होगा। ऐसे किशोरों एवं युवाओं से भरे हुए देश व दुनिया में कठोर आधुनिकता का बोलबाला है। इस वातावरण में मानवता, दयालुता, शीलता, सौम्यता, शांति, सÖावना, सदाचरण एवं सहायता जैसे शब्द तथा इनका वास्तविक व्यवहार समाप्त हो चुका है। हालांकि यह समय कठिन है, किंतु प्राकृतिक गतिविधियों की स्वाभाविक गति आधुनिकता के इस विषैले वातावरण में भी घटित होती रहती है। इस घटनावधि में कुछ दिन पूर्व ही कार्तिक मास बीत चुका है। कुछ दिनों पहले कार्तिक पूर्णिमा का सौंदर्यवान समय व्यतीत हुआ है। यह लेखक पर्वतों के आंगन में बसे एक छोटे उपनगर में रहते हुए कार्तिक पूर्णिमा की रात के बाद से आगे चंद्रमा की उपस्थिति वाली रातों तक घर की छत पर टहलता रहा था। टहलना मध्यरात्रि अर्थात 12 बजे तक होता था। यद्यपि राजधानी दिल्ली एवं इसके समीपस्थ क्षेत्रों की धुंधीली कुरूपता कुछ दिन पूर्व तक इस उपनगर में भी आंशिक रूप से परिव्याप्त थी, तथापि अब कार्तिक पूर्णिमा के उपरांत दिन एवं रातें प्राकृतिक मंजुलता से संचित दिखाई देती थीं। ठीक पूर्णिमा की रात चंद्रमा, तारक, व्योम, पर्वत, धरती इतनी आकर्षक नहीं थे, जितने पूर्णिमा की दो-तीन रातों के बाद हो गए। ऐसे लगा जैसे नीले रंग की गहराई से सुदर्शित नभ पर प्रदीप्त शशि मेरे सन्निकट, मेरे सिर पर ही स्थिर है। पूर्व दिशा में सूर्य की भांति धुरव तारा उदित हुआ तो रात्रि के सौंदर्य में अनोखी वृद्धि हो उठी। रात के बढ़ते जाने से आकाश पर वे तारे भी टिमटिमाते करते हुए रजत रंग बिखराने लगे, जो पहले दिखाई ही नहीं दे रहे थे। यह उपनगर पूर्व दिशा के दक्षिणी छोर से लेकर उत्तर दिशा के उत्तरी कोने तक सुगठित मनहर पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा हुआ है। चंद्रप्रकाश में स्पष्ट दिखाई देते पर्वतों के कुछ-कुछ स्थल तो मानव बस्तियों के उजाले से परिपूर्ण थे, तो अधिक स्थलाकृतियां वनों की सघनता के साथ उजागर थीं। चंद्रमा के उजाले में पर्वतों का रंग-रूप एवं स्थलाकृतियां इतनी मनोहर थीं कि इन्हें सब कुछ भूलकर देखता रहा। वातावरण में मार्गशीर्ष की शीतलता थी, पूर्व दिशा से शीतवायु भी प्रवाहित थी एवं दिनभर के मानसिक कार्य से तन-मन-आत्मा अत्यंत थके हुए थे, तब भी छत से कक्ष में आने की इच्छा नहीं हुई। शरीर के संवेदनशील अंगों को गर्म वस्त्रों से ढककर पूर्णिमा के बाद उपस्थित चंद्रमा के अपरिभाषित स्वर्गिक प्रकाश में रात बारह बजे तक घूमता-टहलता रहा। उपनगर की आधुनिकता एवं आधुनिकता के अग्र प्रतिनिधि किशोर व युवा तथा प्रौढ़ व वृद्धजन कोई भी दूर-दूर तक कहीं नहीं था। केवल यह लेखक था। चहुंओर एकांत था। यह जीव रात का राजन बनकर इस उपनगर के नभ, वायुमंडल, धरती, पर्वतों एवं वन-वनस्पतियों पर राज कर रहा था। अपार शांति थी। अथाह संतुष्टि थी। रोग-व्याधियां विस्मृत थीं। पैर घूम रहे थे, टहल रहे थे। मन-मस्तिष्क एवं हृदय-आत्मा सभी एक एकल रात्रि अनुभूति में एक प्रशांत सूत्र में बंधकर जीवन की ऊंचाइयां स्पर्श कर रहे थे। चंद्ररात्रि का यह भौतिक एवं आत्मिक भ्रमण मुझे मेरे अस्तित्व का परम लक्ष्य दे गया। जीवन का वह सुख, आनंद एवं संतोष दे गया जो सूर्योदय के बाद आरंभ होने वाले भौतिक जीवन की भागदौड़ में कभी नहीं मिल सकता। अब इस आधुनिक जगत में सूर्योदय एवं इसके उपरांत के प्राकृतिक दिन-दोपहर समय का स्वाभाविक आनंद भी समाप्त हो गया है। इसीलिए इस जीव जैसे अन्य जीवों के लिए रात्रि की शांति, स्थिरता, एकांत, पंचतत्त्वों की संगति एवं सहानुभूति ही जीवन का वास्तविक सुख है। और इस रात्रिसुख में गूंजती, झींगुरों व झींगुर जैसे अदृश्य कीटों की, कानों के लिए सबसे अनुकूल ध्वनि ही, चंद्रज्योत्सना में डूबे हुए उपनगर की समस्त पांचतात्त्विक गतिविधियों का ईश्वर निर्मित संगीत है। गहन इच्छा है कि इस रात्रिमय वातावरण तथा इसमें अनुगूंजित शांति-संगीत को किशोर व युवा भी अवश्य महसूस करें।

आप का नजरिया

पाक का 'संवैधानिक तानाशाह'

सैयद असीम मुनीर अहमद शाह को पाकिस्तान का 'शहंशाह' कहें अथवा 'संवैधानिक तानाशाह' कहें या बेताज बादशाह कह लें, लेकिन वह ऐसे शख्स हैं, जो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सर्वोच्च अदालत से भी 'सुप्रीम' हैं। दुनिया में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। सैन्य शासक 'तानाशाह' हो सकते हैं या उत्तरी कोरिया का तानाशाह किम जोंग उन है, लेकिन कोई देश जम्हूरियत (लोकतंत्र) का स्वांग भरे, चुनाव कराने का ढोंग किया जाए, वहां का सेना प्रमुख, अंततः, 'मुल्क का शहंशाह' बन जाए, यह विरला उदाहरण पाकिस्तान में ही सामने आया है। 'कठपुतली प्रधानमंत्री' शहबाज शरीफ शुक्र मना सकते हैं कि उनकी हुकूमत का तख्तापलट नहीं किया गया। अलबत्ता पाकिस्तान में कथित निर्वाचित सरकारों की हुकूमतें पलटी जाती रही हैं और सेना प्रमुख 'तानाशाह राष्ट्रपति' बनते रहे हैं। अयूब खान, याह्या खान, जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ सरीखे तानाशाहों ने पाकिस्तान पर हुकूमत की है, लेकिन उनके अंत बेहद त्रासद् और दयनीय रहे हैं। मौजूदा फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल मुनीर इन तमाम तानाशाहों को पीछे छोड़ कर एक ऐसा उदाहरण बन चुके हैं, जो दुनिया में लोकतंत्र, संविधान, संसद, मानवाधिकार सरीखी व्यवस्थाओं और उनके नागरिक मूल्यों को चिढ़ा रहे हैं। उनका मखौल उड़ा रहे हैं। मुनीर खुद ही पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' नहीं बना। उन्होंने हुकूमत और संसद को विवश किया है। संसद और सीनेट में यह संविधान संशोधन पारित किया गया है और मुनीर के लिए एक नए पद का सृजन किया गया है- 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ)।' यह पद 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' भारत में भी है, लेकिन वह निरंकुश और स्वयंभू नहीं है। वह राष्ट्रपति और केंद्रीय कैबिनेट के अधीन सेवारत है। पाकिस्तान के सीडीएफ मुनीर को न तो राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हटा सकते हैं और न ही सर्वोच्च अदालत में कोई केस किया जा सकता है। वह कानून और अपराध से बहुत परे हैं। वह ताउम्र फौजी की वर्दी पहन सकेंगे और थल सेना, वायुसेना, नौसेना के प्रमुखों की नियुक्ति करेंगे। दरअसल अब पाकिस्तान में राष्ट्रपति सेनाओं के सुप्रीम कमांडर नहीं, बल्कि सीडीएफ मुनीर नए 'सर्वोच्च जनरल' होंगे। तीनों सेनाएं और उनके प्रमुख अब सीडीएफ को जवाबदेह होंगे। जाहिर है कि राष्ट्रपति भी 'कठपुतली' बन कर रह जाएंगे। मुनीर को उनकी नई सत्ता से बेदखल करने का एक ही अंतिम रास्ता है-संसद में महाभियोग सरीखा प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना। यह भी असंभव लगता है, क्योंकि उस प्रस्ताव की इजाजत फौज से भी ली जाएगी। क्या कोई सेना प्रमुख अपने सीडीएफ के खिलाफ महाभियोग की अनुमति देने का दुस्साहस कर सकता है? दूसरा असंभव-सा रास्ता यह लगता है कि अंततः अदालती फैसलों के बाद इमरान खान जेल से बाहर आएं और उनके नेतृत्व में पाकिस्तान की अवाम सडक़ों पर बिछ जाए। उस आंदोलन को 'जमात-ए-इस्लामी' का भी समर्थन हो। मरने-कटने की परवाह न हो। आजादी की नई लड़ाई जैसा संघर्ष हो, तब मुनीर को पाकिस्तान छोड़ कर भागने को विवश किया जा सकता है! दुनिया में बड़े-बड़े, ताकतवर राष्ट्रध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों को देश छोड़ कर भागने पर मजबूर होना पड़ा है, इसका इतिहास साक्षी है। पाकिस्तान के भी बदतर हालात हैं। अफगानिस्तान के तालिबान, बलूच लड़ाके, टीटीपी, टीएलपी, पाक अधिकृत कश्मीर के विद्रोही आदि ने चारों तरफ से पाकिस्तान को घेर रखा है। अफगान तालिबान ने पाकिस्तान को सात खंडों में विभाजित करने को मोर्चे तैनात कर लिए हैं। विद्रोही पाकिस्तान के पंजाब तक पहुंच चुके हैं और इस्लामाबाद को हिला देने की हुंकारें भर रहे हैं। खैबर, बलूचिस्तान, अफगान सीमा पर पाकिस्तान के फौजियों को विस्फोटों से उड़ा कर मारा जा रहा है। उनकी चौकियों पर कब्जे किए जा रहे हैं। सीडीएफ बनकर मुनीर कौन-सा मोर्चा फतेह कर लेगा? वह अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ 'सौदेबाजी' कर सकता है और मुल्क का शहंशाह बन सकता है। सवाल है कि अमरीकी राष्ट्रपति कब तक और किसके सगे हुए हैं? मुनीर पाकिस्तान के दुर्लभ खनिजों के सौदे अमरीका के साथ नहीं कर सकते, क्योंकि वहां विद्रोही सशस्त्र तैनात हैं और वे अब पाकिस्तान से अलग होने पर आमादा हैं।

'कठपुतली प्रधानमंत्री' शहबाज शरीफ शुक्र मना सकते हैं कि उनकी हुकूमत का तख्तापलट नहीं किया गया। अलबत्ता पाकिस्तान में कथित निर्वाचित सरकारों की हुकूमतें पलटी जाती रही हैं और सेना प्रमुख 'तानाशाह राष्ट्रपति' बनते रहे हैं। अयूब खान, याह्या खान, जिया उल हक और परवेज मुशर्रफ सरीखे तानाशाहों ने पाकिस्तान पर हुकूमत की है, लेकिन उनके अंत बेहद त्रासद् और दयनीय रहे हैं। मौजूदा फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल मुनीर इन तमाम तानाशाहों को पीछे छोड़ कर एक ऐसा उदाहरण बन चुके हैं, जो दुनिया में लोकतंत्र, संविधान, संसद, मानवाधिकार सरीखी व्यवस्थाओं और उनके नागरिक मूल्यों को चिढ़ा रहे हैं। उनका मखौल उड़ा रहे हैं। मुनीर खुद ही पाकिस्तान का 'नया तानाशाह' नहीं बना। उन्होंने हुकूमत और संसद को विवश किया है।

कुछ अलग

भगदड़ का सच

किसी समय संन्यासी लोग कई वर्षों तक भूख-प्यास त्याग कर कंपकंपाने वाली जाड़े की ऋतु हो, भयंकर गर्जन-तड़ित और मूसलाधार वर्षा हो या झुलसाने वाली ग्रीष्म ऋतु हो, अपने तप में लीन रहते थे। पर आज का मानव कड़ी तपस्या-त्याग से दूर थोड़े से परिश्रम से सब प्राप्त करना चाहता है । इसी लोभ में वह अपने पाप धोने, पुण्य कमाने और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए किसी विशेष पवित्र तिथि को विशेष पवित्र स्थान पर स्नान करने के लिए या किसी मंदिर में विशेष दर्शन के लिए छटपटाने लगता है। एक समय था जब लोग रोजी-रोटी के लिए व्यस्त रहते थे, कड़ी मेहनत करते थे और यातायात के साधन भी पर्याप्त नहीं थे तो वे अपनी छोटी सी दुनिया में संतोष से जीवन बसर करते थे।

दृष्टि कोण

सतत जागरूकता से बचेगी जनतंत्र की गरिमा

बिहार के चुनाव परिणाम पर 'रेवड़ी' का क्या और कितना असर पड़ता है यह तो मतपत्रों की गणना के बाद ही पता चलेगा, पर यह एक खुला रहस्य है कि हमारे राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि देश का मतदाता रेवड़ियों से रिझाया जा सकता है। देखा जाये तो एक तरह से यह देश के मतदाता का अपमान ही है कि उसके बारे में ऐसी धारणा बन रही है। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति अचानक बन गयी है, अर्से से हमारे राजनीतिक दल इस रेवड़ी-संस्कृति का सहारा लेकर चुनाव जीतने का प्रयास करते रहे हैं। शुरुआती दौर में यह काम चोरी- छिपे ढंग से होता था। मतदान से पहले की रात को न जाने क्या-क्या बंटता था मतदाताओं के बीच। अब भी ऐसा होता है, पर अब और भी रास्ते अपना लिये गये हैं, मतदाताओं को 'खरीदने' के– उदाहरण के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण के नाम पर बिहार के 'सुशासन बाबू' ने राज्य की लगभग डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस-दस हज़ार रुपये नकद बांट दिये। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी ऐसे प्रयोग हो चुके हैं। यही सब देखते हुए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या खैरात बांटकर चुनाव जीते जा सकते हैं? भले ही कुछ राजनीतिक-विश्लेषक यह कहते रहें कि ऐसा नहीं हो सकता, पर इस धारणा से इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे राजनेता यही मानते हैं कि खैरात काम आती है। अब तो हमारे सत्ताशीर्ष भी यह मान चुके लगते हैं कि चुनाव के अवसर पर रेवड़ियां बांटना ग़लत नहीं है! बात सिर्फ रेवड़ी-संस्कृति तक सीमित नहीं है। चुनाव जीतने के लिए जिस तरह जाति और धर्म का सहारा लिया जा रहा है, वह एक तरह से हमारे लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाना ही है। जातियों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और धर्म की दुहाई देकर मतदाता को भ्रमित करने की कोशिशें बिहार के इस चुनाव प्रचार में लगातार हुई हैं। यहीं यह बात भी गौर करने लायक है कि चुनाव में ठोस मुद्दे उठाने के बजाय किसी 'जंगल राज' और वोटों की कथित 'चोरी' जैसी बातों का सहारा लेना राजनीतिक दलों को कहीं अधिक उपयोगी लगा है। सत्तारूढ़ पक्ष से यह उम्मीद की जाती

है कि वह अपनी उपलब्धियों को आधार बनाकर मतदाता के समक्ष वोट मांगने जायेगा। पर देखा यह गया है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की बीस साल की पुरानी सरकार के 'जंगल-राज' का डर दिखाकर वोट पाने की उम्मीद कर रहा है। यह मान भी लें कि लालू-राबड़ी की सरकार का कथित जंगल-राज बहुत बुरा था, तब भी यह सवाल तो उठता ही है कि आज की युवा पीढ़ी को दो दशक पुराने उस अनुभव के आधार पर कोई निर्णय लेने के लिए कैसे कहा जा सकता है? विपक्ष से यदि कोई सवाल किया जाता है तो वह यह होना चाहिए कि उसके पास शासन का बेहतर विकल्प क्या है? यह मतदाता का अपमान नहीं तो और क्या है कि बिहार की वर्तमान सरकार की दस हज़ार रुपये की 'रिश्वत' के मुकाबले में विपक्ष तीस हज़ार रुपये नकद देने का प्रलोभन दे रहा है? चुनाव जनतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव होते हैं। रेवड़ियों, रिश्वत और घिसे-पिटे आरोपों के सहारे चुनाव जीतने की कल्पना ही इस उत्सव की गरिमा, महत्ता और पवित्रता को नष्ट कर देती है। चुनाव का परिणाम क्या होगा यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर इतना तो कहा ही जा सकता है कि सुदृढ़ जनतंत्र की दुहाई देने वाले देश में घटिया मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ा जाना अपने आप में किसी शर्म से कम नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष के पास सबसे बड़ा मुद्दा बीस साल पुरानी सरकार की कथित विफलता थी और विपक्ष ने भी ठोस वैकल्पिक नीतियों को सामने रखने के बजाय 'वोट चोरी' जैसे कमजोर मुद्दे को अपना हथियार बनाया। विपक्ष ने बेरोजगारी जैसे जरूरी मुद्दे को उठाया अवश्य, पर मतदाता में यह विश्वास नहीं जगा पाया कि वह बेहतर वैकल्पिक व्यवस्था दे सकता है।

रूस दुबई में पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट एसयू-57 प्रमोट करने की तैयारी में

पांच सालों में एक भी विदेशी ऑर्डर नहीं, रूस की मार्केट पोजिशन कमजोर

दुबई, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

रूस के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एसयू-57 का नया प्रोमोशनल वीडियो सामने आया है। इस वीडियो ने डिफेंस एक्सपर्ट्स के बीच हलचल मचा दी है। वीडियो में रूसी स्टील्थ फाइटर जेट आसमान में करतब करता दिख रहा है। इस वीडियो ने अटकलों को हवा दी है कि यह विमान 17 नवंबर से शुरू होने वाले दुबई एयर शो की तैयारी है। वीडियो में 509 टेल नंबर वाले एसयू-57 को जबरदस्त एरियल मैन्युवर्स और बम बे डोर खुले हुए उड़ते देखा गया। इसी वजह से यह अटकलें तेज हो गईं कि विमान 17 नवंबर से शुरू हो रहे दुबई एयर शो 2025 में एयर डेमो करने जा रहा हैं।

रूस के यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन यानि यूएसी ने 9 नवंबर को इस वीडियो को जारी किया है और लिखा कि डिजाइनर की बुद्धिमत्ता, पायलट की क्षमता, शक्ति और सुंदरता, तकनीक और श्रेष्ठता। जल्द ही कई लोग इसकी तारीफ करेंगे। यह पहली बार है जब एसयू-57 को उड़ान के दौरान अपने इंटरनल और एक्सटर्नल मिसाइल बे दिखाते देखा गया, जिसमें आर-37 और आर-74एम मिसाइलें शामिल थीं। इसका मतलब है कि रूस ये दिखा रहा है कि ये विमान अपने पेट के अंदर और पेट के बाहर भी घातक मिसाइलें ले जा सकता है। वहीं एक और दिलचस्प बात ये है कि अक्टूबर 2025 में विमान के इंटरनल बे में रखे हथियारों के बारे में पहली बार पता चला था।

दुबई एयर शो में एसयू-57 की भागीदारी की पुष्टि फिलहाल ना तो रूसी रक्षा मंत्रालय ने की है और ना ही दुबई एयर शो की आधिकारिक वेबसाइट ने इसकी जानकारी दी है, लेकिन टाइमिंग ने अटकलों को हवा दे दी है। यह वही विमान है जिसने पहली बार 2024 में चायना एयर शो में हिस्सा लिया था और फिर 2025 में एयरो इंडिया में शानदार हवाई प्रदर्शन किया था। दोनों मौकों पर इसके पायलट सर्गेई बोगदान को दर्शकों ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया था।

भारत में एफ-35 और एसयू-57 की एक साथ उड़ान ने उस इवेंट को ऐतिहासिक बना दिया था। अब जब रूस दुबई में अपने पांचवीं पीढ़ी के जेट को प्रमोट करने की तैयारी में है, तो इसे एक बड़े एक्सपोर्ट पिच के तौर पर देखा जा रहा है यानि रूस इसे बेचने के लिए हाथ पांव मार रहा है। इसीलिए सवाल उठ रहे हैं कि क्या रूस के इस फाइटर जेट को कोई खरीदेगा रूस बार-बार भारत को सौ फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और सोर्स कोड देने का ऑफर दे रहा है। हालांकि भारत की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है।

रूस भारत को इस विमान की पेशकश कर रहा है, ज्वाइंट प्रोडक्शन के साथ साथ, एसयू-30एमकेआई के अपग्रेडेशन और भारत के अपने पांचवीं पीढ़ी के विमान, एएमसीए में भी मदद का वादा कर रहा है। भारत से अनुबंध मिलने की उम्मीद में, वह भारत में एसयू-57 का उत्पादन स्थापित करने के लिए निवेश योजनाओं पर विचार कर रहा था, लेकिन सितंबर 2025 में 114 राफेल खरीदने के भारतीय वायु सेना के प्रस्ताव ने शायद रूस को बड़ा झटका दिया है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

मेयर ममदानी की नीतियों पर भड़के लोग बोले- ऐसे तो आप न्यूयॉर्क को मुंबई बना दोगे

न्यूयॉर्क। हाल में न्यूयॉर्क के मयर चुने गए जोहरान ममदानी पर शहर कुछ अरबपति लोग भड़क गए।

उन्होंने उनकी नीतियों का विरोध करते हुए कहा कि जिस तरह से काम चल रहा है उससे तो एक दिन न्यूयॉर्क भी भारतीय शहर मुंबई की तरह बन जाएगा। रियल एस्टेट निवेशक बैरी स्टर्नलिच ने चेतावनी दी है कि जोहरान ममदानी के नेतृत्व में न्यूयॉर्क शहर मुंबई में बदल सकता है। बैरी स्टर्नलिच ने एक बयान में कहा न्यूयॉर्क में 10 करोड़ डॉलर से ज्यादा की हर परियोजना को यूनियन के साथ समझौता करना पड़ता है और यह बेहद महंगा है। इससे शहर में हाउसिंग बेहद महंगे हो जाते हैं। वहीं दूसरे डेवलपर्स ने यूनियनों के साथ सौदे करने की कोशिश की है, लेकिन न्यूयॉर्क पर उनका ही राज है। यही एक प्रमुख कारण है कि यहां घर इतने महंगे हैं। आगे बैरी ने ममदानी पर निशाना साधते हुए कहा, और फिर अति वामपंथी लोग सचमुच भड़क जाते हैं और कहते हैं कि किरायेदारों को भुगतान नहीं करना है। अगर वे भुगतान नहीं करते हैं तो आप उन्हें बाहर नहीं निकाल सकते। इसलिए किसी को पता चलता है कि पड़ोसी भुगतान नहीं कर रहा है, तो वे भी भुगतान नहीं करते हैं और फिर तीसरा शख्स भी भुगतान नहीं करता है। ऐसे में न्यूयॉर्क शहर मुंबई में बदल जाएगा। बता दें कि बैरी स्टर्नलिच एक अमेरिकी निवेशक और रियल एस्टेट डेवलपर हैं, जो स्टारवुड कैपिटल ग्रुप के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ हैं। उन्होंने स्टारवुड होटल्स एंड रिसॉर्ट्स की स्थापना की है और डब्ल्यू होटल्स और 1 होटल्स जैसे लक्जरी होटल ब्रांड बनाए हैं। स्टर्नलिच ने हाल ही में सीएनबीसी के साथ बातचीत में कहा कि ममदानी की जीत के बाद उनकी कंपनी न्यूयॉर्क से बाजार जाने विचार कर रही है। उन्होंने कहा है कि व्यापार-विरोधी नीतियों के कारण अन्य कंपनियां भी अपना परिचालन शहर से बाहर स्थानांतरित कर सकती हैं। बता दें कि भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में मेयर पद का चुनाव जीतकर खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

तुर्की का मिलिट्री विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त, 20 जवानों के मरने की आशंका

अंकारा। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की कि यह सी-130 विमान अजरबैजान से उड़ान भरकर तुर्की लौट रहा था, जब यह हादसे का शिकार हो गया। राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया और मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की, जिससे संकेत मिलता है कि कई लोगों की जान जा चुकी हो सकती है। मंत्रालय के अनुसार, विमान में 20 सैन्यकर्मी सवार थे, जिनमें चालक दल के सदस्य भी शामिल थे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अजरबैजान और जॉर्जिया के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से खोज व बचाव अभियान शुरू कर दिया है। जॉर्जिया के गृह मंत्रालय ने कहा कि दुर्घटना सिग्नाघी नगरपालिका क्षेत्र में घटी, जो अजरबैजान सीमा के करीब स्थित है। विभाग ने मामले की जांच भी आरंभ कर दी है। एर्दोगन ने कहा कि वे इस हादसे से बहुत दुखी हैं और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त करते हैं। बता दें कि सी-130 हरक्यूलिस विमान अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन द्वारा विकसित चार इंजन वाला टर्बोप्रॉप सैन्य परिवहन विमान है। इसे छोटे और अपर्याप्त रनवे से आसानी से उड़ान भरने व उतरने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका प्राइमरी कार्य माल ढोना, सैनिकों और उपकरणों का परिवहन करना है। इसके अलावा, इसे गनशिप, हवाई हमले और टोही अभियानों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

ब्लड ग्रुप भी पेट के कैंसर के जोखिम को कर सकता है प्रभावित : अध्ययन

वाशिंगटन। किसी व्यक्ति का ब्लड ग्रुप भी पेट के कैंसर के जोखिम को प्रभावित कर सकता है। एशिया और

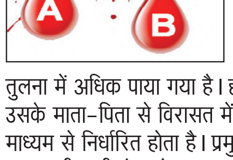

पूर्वी यूरोप में किए गए अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि कुछ ब्लड ग्रुप वाले लोगों में पेट का कैंसर बीमारी का खतरा अन्य की तुलना में अधिक पाया गया है। हर व्यक्ति का ब्लड ग्रुप उसके माता-पिता से विरासत में मिलता है, जो जीन के माध्यम से निर्धारित होता है। प्रमुख चार प्रकार के ब्लड ग्रुप ए, बी, एबीऔर ओ लाल रक्त कोशिकाओं की सतह पर मौजूद एंटीजन और शर्करा अणुओं से बनते हैं। इनके साथ आरएस फैक्टर (प्लस या माइनस) भी जुड़ा होता है, जो ब्लड ग्रुप की सटीक पहचान तय करता है। अध्ययनों में पाया गया है कि ब्लड ग्रुप ए और एबी वाले लोगों में पेट के कैंसर का खतरा अन्य ग्रुप वालों से कहीं अधिक है। शोधकर्ताओं ने कैंसर रोगियों और स्वस्थ व्यक्तियों के ब्लड ग्रुप की तुलना की, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि ब्लड ग्रुप ए और एबी वालों में यह जोखिम बढ़ा हुआ है।

पाक के रक्षामंत्री का अफगानिस्तान के आतंकी पनाहगाहों पर हमले की संभावना से इनकार नहीं

इस्लामाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद और अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के एक कालेज पर मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। आसिफ ने कहा कि अब अफगानिस्तान में आतंकवादी पनाहगाहों पर हमलों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। संघीय राजधानी में हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 12 लोग मारे गए और 36 घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा के दक्षिणी वजीरिस्तान के कैडेट कॉलेज वाना में घुसने की कोशिश की। इस बीच बलोचिस्तान के लगभग 36 जिलों में इंटरनेट मोबाइल सेवाओं पर रोक लगा दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, उसके एक शो में जब रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि क्या हमलों और सरकार के उन्हें अफगानिस्तान से जोड़ने वाले बयानों के बाद पाकिस्तान कोई प्रतिक्रिया देगा आसिफ ने कहा: 'अल्लाह की मर्जी'। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में आतंकवादी पनाहगाहों पर हमलों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता और वे निश्चित रूप से हो सकते हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि 11 नवंबर को के हमलों के बाद पाकिस्तान कार्रवाई करने के लिए 'मजबूर' हुआ है। उन्होंने कहा कि अब यह भ्रम नहीं रहना चाहिए कि अफगान तालिबान पाकिस्तान के हमदर्द हैं या शांति के लिए सच्चे दिल से प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि खुद को मूर्ख न बनाएं। तीन दौर की बातचीत हो चुकी है। आसिफ ने कहा कि काबुल में कोई संयुक्त सरकार नहीं है। यह अलग-अलग हितों और एजेंडों वाले विभिन्न समूहों और गुटों से बनी है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांत के 36 जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। बलोचिस्तान में परसों से ही सार्वजनिक परिवहन सेवा बंद है। कई शहरों में खतरे का अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही मोबाइल इंटरनेट बंद करने की अधिसूचना भी जारी की गई है। बलोचिस्तान के 36 जिलों में 16 नवंबर तक 3जी और 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने की अधिसूचना जारी की गई है। इन जिलों में क्वेटा, ग्वादर, चमन, खुजदार, तारबत, कलात, लसबिला, मस्तुंग, नसीराबाद, सबी, झोब, हरनाई, पंजगुर, केच, कच्छी, सोराब, कोहलो, डाकी, किला सैफुल्लाह, पशिन, किला अब्दुल्ला, बरखान, अवारान, जाफराबाद, मूसा खेल, खारन, जियारत, दलबंदिन, नुशकी, ओस्टा मोहम्मद, वाशाक, बोलान, झाल मगसी, हब और डेरा बुगती शामिल हैं। खुजदार जिले की नाल तहसील में सुरक्षा कारणों से बैंक बंद कर दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बन्नू में आतंकवाद निरोधी विभाग ने जिला पुलिस के साथ मिलकर चलाए गए एक खुफिया-आधारित अभियान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के दो आतंकवादी मार गिराए। दो अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। शेष संदिग्धों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है। आतंकवादियों की पहचान फजलुल्लाह और सफीर रहमान के रूप में हुई है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय पुलिस कार्यालय ने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बाद एक नया सुरक्षा परामर्श जारी किया। इसमें लाहौर के राजधानी शहर के पुलिस अधिकारी, सभी क्षेत्रीय पुलिस अधिकारियों, ज़िला पुलिस अधिकारियों (डीपीओ) और अन्य अधिकारियों को न्यायिक परिसरों, अदालत कक्षों, न्यायाधीशों के आवासों, बार और न्यायाधीशों की आवाजाही के लिए पहले से मौजूद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने और उसे मजबूत बनाने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने दक्षिण वज़ीरिस्तान के कैडेट कॉलेज वाना में घुसने वाले सभी आतंकवादियों को मार गिराया और घंटों चले अभियान के बाद सभी 650 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

राष्ट्रपति मुर्मू को बोत्सवाना पहुंचने पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, दोनों देशों के बीच होंगे अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर

गबोरोन (बोत्सवाना), 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अफ्रीका की अपनी दो देशों की यात्रा के अंतिम चरण में बोत्सवाना पहुंच चुकी हैं। उनका सर सेरेत्से खामा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बोत्सवाना के राष्ट्रपति एडवोकेट डूमा गिदोन बोको ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

भारतीय राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास राष्ट्रपति भवन के एक्स हैंडल पर यह जानकारी भारतीय समयानुसार आधीरात के बाद फोटो समेत साझा की गई। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'अफ्रीका की अपनी दो-देशीय यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बोत्सवाना के गबोरोन स्थित सर सेरेत्से खामा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरीं।

यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की बोत्सवाना की पहली राजकीय यात्रा है।'' इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु आठ से 11 नवंबर तक अपने दौरे के पहले चरण अंगोला में अपने कार्यक्रमों के समापन के बाद बोत्सवाना की अपनी यात्रा के लिए लुआंडा से रवाना हुईं।

उन्होंने यह यात्रा अपने अंगोलाई समकक्ष जोआओ लौरेंको के निमंत्रण पर की। भारतीय राष्ट्रपति बोत्सवाना के अपने समकक्ष के निमंत्रण पर पहुंची हैं। उनका कार्यक्रम 13 नवंबर तक निर्धारित है। यह यात्रा भारत-बोत्सवाना संबंधों के लिहाज से मील का पत्थर है। बोत्सवाना में दोनों पक्ष व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

दोनों देश कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी करेंगे। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बोत्सवाना की राष्ट्रीय सभा को भी संबोधित करेंगी। वो सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का दौरा करेंगी। बोत्सवाना ने प्रोजेक्ट चीता पर भारत के साथ सहयोग करने और बोत्सवाना से भारत में चीतों के संभावित स्थानांतरण के प्रति तत्परता व्यक्त की है।

बांग्लादेश में हिंसा, उपद्रवियों ने वाहन फूंके

ढाका। बांग्लादेश में अवामी लीग के बंद की घोषणा के बीच राजधानी ढाका समेत आसपास के कई जिलों में हिंसा फैल गई है। अनेक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। अंतरिम सरकार ने उपद्रवियों से निपटने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की 14 प्लाटून तैनात की है। राजधानी को छावनी में बदला जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बीजीबी प्रवक्ता शरीफुल इस्लाम ने कहा कि ढाका में 12 और आसपास के जिलों में दो प्लाटून तैनात की गई हैं। अंतरिम सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि ढाका और आसपास के जिलों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीजीबी की 14 प्लाटून तैनात की गई हैं। बीजीबी मुख्यालय के जनसंपर्क अधिकारी शरीफुल इस्लाम ने बुधवार सुबह बताया कि 12 प्लाटून ढाका में तैनात की गई हैं, जबकि शेष दो प्लाटून राजधानी के आसपास के जिलों में तैनात की गई हैं। अर्धसैनिक बल को होटल इंटर कॉन्टिनेंटल, धानमंडी-32, हवाई अड्डा, अब्दुल्लापुर, काकरैल, शिशु अकादमी, उच्च न्यायालय क्षेत्र और अबरार फहद एवेन्यू सहित प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, ढाका, गाजीपुर और अन्य जिलों में उपद्रवियों ने जनता में दहशत फैलाने के लिए बसों में आग लगा दी। अवामी लीग ने मानवता के विरुद्ध अपराधों से जुड़े एक मामले में शेख हसीना और अन्य के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के 13 नवंबर को सुनाए जाने वाले फैसले से पहले बंद की घोषणा की है। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार रात और बुधवार तड़के गाजीपुर में अलग-अलग जगहों पर उपद्रवियों ने तीन बसों में आग लगा दी। इससे लोगों में दहशत फैल गई। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बांग्लादेश ने भारतीय राजनयिक को किया तलब, मीडिया से शेख हसीना की बातचीत पर जताई कड़ी आपत्ति

ढाका, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश सरकार ने भारत को लेकर नाराजगी जताई है। ढाका स्थित विदेश मंत्रालय ने बुधवार को भारतीय उप उच्चायुक्त पवन बादेह को तलब कर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारतीय मीडिया से बातचीत पर गंभीर चिंता व्यक्त की। यह मामला दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव को बढ़ा सकता है।

विदेश मंत्रालय ने भारतीय अधिकारी से कहा कि भारत सरकार एक भागने वाली नेता को मीडिया मंच दे रही है। ये बांग्लादेश के लिए अस्वीकार्य है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने बताया कि हसीना ने हाल के दिनों में कई प्रमुख भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को इंटरव्यू दिए हैं।78 वर्षीय शेख हसीना अगस्त 2024 में छात्र आंदोलनों और हिंसक प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बेदखल हुई थीं। उनके खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध और भ्रष्टाचार के कई मामले दर्ज हैं। वह 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश से भागकर भारत में रह रही हैं। समर्थकों का कहना है कि उन पर लगे आरोप राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा हैं।

ढाका के अनुसार, भारत ने स्पष्ट किया है कि वहां की मीडिया स्वतंत्र है और सरकार उसके कामकाज में हस्तक्षेप नहीं करती। भारतीय अधिकारी ने कहा कि प्रेस स्वतंत्रता भारत की लोकतांत्रिक परंपरा का हिस्सा है, और सरकार किसी भी इंटरव्यू पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती।बांग्लादेश विदेश मंत्रालय ने कहा कि एक भागने वाली नेता, जो वर्तमान में अपराधों के लिए मुकदमे का सामना कर रही है, को मीडिया मंच देना दोनों देशों के बीच रचनात्मक संबंधों के लिए हानिकारक है। इस बयान के बाद ढाका और नई दिल्ली के बीच राजनयिक संवाद में तनाव बढ़ने की आशंका है।

पाक सरकार संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना को तैयार, नेशनल असेंबली में विधेयक पारित होने को लेकर आश्वस्त

इस्लामाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान सरकार ने देश में संघीय संवैधानिक न्यायालय स्थापित करने की पूरी तैयारी कर ली है। उसे उम्मीद है कि नेशनल असेंबली में 27वां संविधान संशोधन विधेयक आसानी से पारित हो जाएगा। कहा तो यहां तक जा रहा है कि सरकार इस न्यायालय की स्थापना कल ही करना चाहती है। उसने संघीय संवैधानिक न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और बाकी न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में अपनी प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस विधेयक पर पूर्वाह्न 11 बजे बहस शुरू हो चुकी है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा कि सरकार 27वें संविधान संशोधन के पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी के तुरंत बाद गुरुवार को संघीय संवैधानिक न्यायालय (एफसीसी) की स्थापना करना चाहती है। सरकार बहस के बाद विधेयक को शाम तक पारित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'मंजूरी मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर इसे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।' इस अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही यह संविधान का हिस्सा बन जाएगा। संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार गुरुवार को एफसीसी के न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने की योजना बना रही है। यह औपचारिक रूप से नए न्यायालय की शुरुआत का प्रतीक होगा। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने संघीय संवैधानिक न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में अपनी प्रारंभिक तैयारी पूरी कर ली है। न्यायाधीशों की प्रारंभिक संख्या राष्ट्रपति के आदेश के माध्यम से निर्धारित की जाएगी। 27वें संविधान संशोधन के तहत राष्ट्रपति देश के प्रधानमंत्री की सलाह पर कार्य करते हुए एफसीसी में न्यायाधीशों की नियुक्ति करेंगे। सीनेट से सोमवार को 27वें संविधान संशोधन को मंजूरी मिल चुकी है। नेशनल असेंबली की मंजूरी इसके शीघ्र कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। परिणामस्वरूप गुरुवार को संघीय संवैधानिक न्यायालय की औपचारिक स्थापना होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 27वें संविधान संशोधन विधेयक को कानूनमंत्री आजम नजीर तरार ने संसद के निचले सदन में विचार-विमर्श के लिए पेश किया था। पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार सोमवार को विपक्ष के विरोध के बीच सीनेट से इस विवादास्पद विधेयक को पारित कराने में सफल रही। अब इसे नेशनल असेंबली की मंजूरी की जूरूरत है। इसके लिए 336 सदस्यीय सदन में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। सत्तारूढ़ गठबंधन के पास आवश्यक संख्या बल है। पीएमएल-एन के पास 125, पीपीपी के पास 74, मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान के पास 22, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क़ायद के पास पांच, इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी के पास चार, और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-जिया और बलूचिस्तान अवामी पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी के पास एक-एक सीट है। विपक्ष के पास मात्र 103 सीटें हैं।

एसीसी एशिया कप राइजिंग स्टार्स टी20 टूर्नामेंट 14 नवंबर से, दोहा करेगा मेजबानी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

दोहा (कतर) में 14 नवंबर से एसीसी एशिया कप राइजिंग स्टार्स टी20 टूर्नामेंट की शुरुआत होने जा रही है। पहले यह टूर्नामेंट इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के नाम से जाना जाता था। इस बार कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी और 15 मैच खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट में रोजाना दो मुकाबले होंगे — 14 से 19 नवंबर तक लीग चरण के मैच खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 21 नवंबर को और फाइनल मैच 23 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

टूर्नामेंट की आठ टीमों को दो समूहों में बांटा गया है।

ग्रुप ए: बांग्लादेश 'ए', श्रीलंका 'ए', अफगानिस्तान 'ए', हांगकांग

ग्रुप बी: भारत 'ए', पाकिस्तान 'ए', यूएई, ओमान

हर समूह की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। सबसे रोमांचक मुकाबला भारत 'ए' बनाम पाकिस्तान 'ए' के बीच 16 नवंबर को खेला जाएगा, जो टूर्नामेंट का सबसे चर्चित मैच माना जा रहा है। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 — पूरा कार्यक्रम

14 नवंबर – पाकिस्तान 'ए' व ओमान – दोपहर 12 बजे, भारत 'ए' व यूएई – शाम 5 बजे

15 नवंबर – बांग्लादेश 'ए' व हांगकांग – दोपहर 12 बजे, श्रीलंका 'ए' वअफगानिस्तान 'ए' – शाम 5 बजे

16 नवंबर – यूएई 1ह्य ओमान – दोपहर 3 बजे, भारत 'ए' व पाकिस्तान 'ए' – रात 8 बजे

17 नवंबर – श्रीलंका 'ए' व हांगकांग – दोपहर 3 बजे, बांग्लादेश 'ए' व अफगानिस्तान 'ए' – रात 8 बजे

18 नवंबर – पाकिस्तान 'ए' व यूएई – दोपहर 3 बजे, भारत 'ए' व ओमान – रात 8 बजे

19 नवंबर – अफगानिस्तान 'ए' व हांगकांग – दोपहर 3 बजे, श्रीलंका 'ए' व बांग्लादेश 'ए' – रात 8 बजे

21 नवंबर – सेमीफाइनल 1: 'ए' व बी – दोपहर 3 बजे, सेमीफाइनल 2: 'ए' व बी – रात 8 बजे

23 नवंबर – फाइनल मुकाबला – रात 8 बजे।

न्यूज ब्रीफ

जापान मास्टर्स 2025: लक्ष्य सेन दूसरे दौर में पहुंचे, किरण जॉर्ज बाहर

नई दिल्ली। कुमामोटो सिटी (जापान) में बुधवार को खेले जा रहे जापान मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500) में भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने स्थानीय खिलाड़ी और विश्व नंबर 26 कोकी वतानाबे को सीधे गेमों में 21-12, 21-16 से मात दी। यह मुकाबला मात्र 39 मिनट चला। अब दूसरे दौर में लक्ष्य का सामना कनाडा के विक्टर लाई या सिंगापुर के जिया हेंग जैसन तेह से होगा। दूसरी ओर, भारत के किरण जॉर्ज को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें मलेशिया के कोक जिंग होंग ने 22-20, 21-10 से हराया। दिन में बाद में एचएस प्रणय, आयुष शेट्टी और तरुण मानेपल्ली भी पुरुष एकल वर्ग के पहले दौर में अपने-अपने मुकाबले खेलेंगे। मिक्स्ड डबल्स में भारत की जोड़ी रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन वे चार मैच प्वाइंट बचाने के बावजूद अमेरिकी जोड़ी प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाय से 12-21, 21-19, 20-22 से हार गईं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है रोहित के नाम

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में दोनो ही टीमों की नजरें जीत दर्ज करने पर रहेंगी। अभी तक के रिकार्ड को देखें तो दोनो के बीच कुल 44 मैच खेले गए हैं जिसमें अब तक सबसे अधिक 500 रनों का रिकार्ड रोहित शर्मा का है, अब देखना है कि इस सीरीज में कौन रोहित के रिकार्ड को तोड़ पाता है। रोहित ने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू सीरीज में ये रिकार्ड बनाया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 के औसत से 529 रन बनाए थे। इस सीरीज में रोहित ने चार पारियों में 3 शतक लगाए थे। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। जिसमें रोहित ने पहली पारी में 244 गेंदों पर 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें रोहित ने 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली 254 और मयंक अग्रवाल 108 की शानदार पारियों से भारतीय टीम ने ये मुकाबला जीता था।सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए थे। इस मैच को भारतीय टीम ने पारी और 202 रन से जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है अब देखना है कि कौन सा खिलाड़ी सबसे अधिक रनों का उनका रिकार्ड तोड़ पाता है।

अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान ने दूसरी शादी की अफवाहों को खारिज किया

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी राशिद आजकल अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इसका कारण एक वीडियो है। इसमें राशिद एक महिला के साथ नजर आ रहे हैं। ये भी कहा जाने लगा कि राशिद ने दूसरी शादी कर ली है। राशिद ने इस मामले में दूसरी शादी की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि तस्वीर में उनके साथ बैठी हुई महिला उनकी पत्नी है। राशिद की ये तस्वीरें नीदरलैंड की है, जहां वह एक चैरिटी कार्यक्रम में गए थे। इसी इवेंट में राशिद के साथ एक महिला भी दिखी। जैसे ही राशिद की ये तस्वीर सामने आई लोगों ने अटकलें लगानी शुरु कर दी। इसके बाद राशिद को सामने आकर सफाई देनी पड़ी। राशिद ने अपनी वायरल तस्वीर को लेकर जो सफाई दी उसी के कारण संशय बढ़ गया है। अपने पोस्ट में राशिद ने लिखा, ' 2 अगस्त 2025 को मैंने शादी के साथ ही अपनी जिंदगी में एक नई शुरुआत की।

संजू सैमसन को क्रिकेटर बनाने में पिता की अहम भूमिका रही, पुलिस की नौकरी तक छोड़कर ट्रेनिंग दी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन बचपन से आईपीएस अधिकारी बनना चाहते थे पर पिता चाहते थे कि वह क्रिकेटर बने। इसी कारण सैमसन ने क्रिकेट खेलना शुरु किया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करते हुए उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उनके पिता दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल थे। उन्हें देखकर संजू आईपीएस अधिकारी बनना चाहते थे पर किस्मत उन्हें खेल के मैदान में ले आयी। वह अपने पिता के साथ दिल्ली के किंग्सवे कैंप में रहते थे। यहां संजू भी दूसरे बच्चों की तरह गली क्रिकेट खेला करते। घर के पास एक सड़क थी, जहां एक दिन संजू क्रिकेट खेलते हुए बोल्ड आउट हो गए।

जब पिता ने बेटे से पूछा कि वह बोल्ड कैसे हो गये तो संजू ने कहा कि सड़क पर एक गड्ढा था। बॉल उससे टकराकर नीचे रह गई थी। इसके बाद जब अगले दिन संजू स्कूल से वापस लौट रहे थे, तो देखा कि पिता उस गड्ढे को भर रहे हैं। इसके बाद पिता ने संजू से पूछा कि बेटा, अब तो गड्ढा नहीं है इसके बाद संजू ने पिता के सपने को पूरा करने की ठान ली। साल 2006 में संजू का चयन दिल्ली की अंडर-13 टीम में चयन नहीं हुआ तो वह निराश हो गये पर उनके पिता ने उन्हें क्रिकेटर बनाने नौकरी तक छोड़ दी और केरल वापस लौट गये। इसके बाद वह संजू को ट्रेनिंग देने लगे। उनकी मेहनत सफल रही और साल 2011 में संजू को ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अवसर मिल गया। वह अगले ही साल लिस्ट-ए मुकाबले में भी उतरे। इसके बाद साल 2013 में संजू राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल खेले। अपने पहले ही सीजन में 11 मुकाबलों में 206 रन बनाने वाले संजू को आईपीएल 2014 में राजस्थान रॉयल्स ने 4 करोड़ में रिटेन किया। इस सीजन में उन्होंने 13 मुकाबलों में 339 रन जोड़े। साल 2015 में संजू को भारतीय टी20 टीम में जगह मिली। संजू ने साल 2015 को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला, जिसमें वह 19 रन बनाए, इसके बाद उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर 5 साल बाद ही मिला। संजू आईपीएल में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते रहे। साल 2021 में संजू को वनडे डेब्यू का भी मौका मिला। सैमसन ने अपने वनडे करियर में 16 मैच खेले, जिसमें 56.66 की औसत के साथ 510 रन बनाए। वहीं, 51 टी20 मुकाबलों में उनके नाम 3 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 995 रन दर्ज हैं। फर्स्ट क्लास करियर में 39.27 की औसत के साथ 3,888 रन बना चुके संजू ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 3,487 रन जुटाए हैं। 177 आईपीएल मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने 4,704 रन बनाने के साथ 86 कैच लपके और 17 खिलाड़ियों को स्टंप आउट किया है।

पाकिस्तान ने पहले एकदिवसीय में श्रीलंकाई टीम को 6 रनों से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने यहां पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को रोमांचक मुकाबले में 6 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पाक टीम की ओर से इस मैच में सलमान अली आगा ने शतक लगाया जबकि हारिस रऊफ ने चार विकेट लिए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 299 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 50 ओवर में 294 रन ही बना पायी और उसे 6 रनों से हार का सामना करना पड़ा। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम ने अच्छी बल्लेबाजी की। श्रीलंकाई टीम की ओर से पाथुम निसंका और कामिल मिसारा ने पहले विकेट के लिए 85 रन बनाये। श्रीलंकाई टीम का पहला विकेट मिसारा का गिरा। वह 36 गेंद में 38 रन बनाकर पेवेलियन लौट। इसके बाद कुसल मेंडिस पहली ही गेंद पर आउट हो गये। निसंका भी 29 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। तीन विकेट गिरने के बाद पाक टीम हावी हो गयी पर इसके बाद सदीरा समरविक्रमा और चरिथ असलंका ने मिलकर पारी को संभालाते हुए टीम के स्कोर को 150 रनों तक पहुंचा दिया। समरविक्रमा 39 और असलंका 32 रन बनाकर आउट हो गये। वानिंदु हसरंगा ने 59 रनों की पारी खेलकर टीम की उम्मीद को बनाये रखा। पाक की ओर से रऊफ ने 10 ओवर में 60 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा नसीम शाह और फहीम अशरफ ने दो-दो विकेट लिए जबकि मोहम्मद नवाज को एक विकेट मिले।

एशेज ओपनर से बाहर हुए सीन एबॉट, जोश हेजलवुड फिट घोषित

सिडनी,12 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया को एशेज सीरीज़ से पहले चोट के मोर्चे पर झटका लगा है। तेज गेंदबाज सीन एबॉट को हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पहले टेस्ट से बाहर कर दिया गया है, जबकि जोश हेजलवुड को स्कैन के बाद फिट घोषित किया गया है और वे टीम के साथ पर्थ में जुड़ेंगे।

यह घटना न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान हुई, जब दोनों गेंदबाज लंच के बाद मैदान पर नहीं लौटे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा, 'जोश हेजलवुड पर्थ में होने वाले एशेज टेस्ट के लिए नियोजित कार्यक्रम के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगे। हेजलवुड ने दाहिनी हैमस्ट्रिंग में जकड़न की शिकायत की थी, लेकिन स्कैन में किसी प्रकार की मांसपेशीय चोट नहीं पाई गई है। वे पहले टेस्ट की तैयारी सामान्य रूप से जारी रखेंगे।'

बोर्ड ने बताया, 'सीन एबॉट के स्कैन में मॉडरेट ग्रेड हैमस्ट्रिंग इंजरी की पुष्टि हुई है। वे पर्थ टेस्ट के लिए चयन के योग्य नहीं होंगे और आने वाले हफ्तों में उनके रिहैब की योजना तैयार की जाएगी।'

गौरतलब है कि पैट कमिंस पहले ही चोट के कारण पर्थ टेस्ट से बाहर हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी विभाग में चिंता बढ़ गई है। लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन और स्पेंसर जॉनसन भी इस समय चोटिल हैं।

ऐसे में अगर किसी और तेज गेंदबाज को चोट लगती है, तो 31 वर्षीय ब्रेंडन डॉगेट को टेस्ट डेब्यू का मौका मिल सकता है। उन्होंने इस सीजन में शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14.69 की औसत से 13 विकेट झटके हैं।

इस बीच, पैट कमिंस ने एससीजी पर अपनी रिकवरी पर काम जारी रखा और उम्मीद है कि वे 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट तक फिट हो जाएंगे।

चीन में नेशनल गेम्स

चीन में नेशनल गेम्स के दौरान यांग जियासू 20 किमी वाक रेस में फिनिश लाइन पार करने के बाद उत्साहित होती हुई।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 होगा मेरा आखिरी वर्ल्ड कप : रोनाल्डो

रियाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मंगलवार को यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाला फीफा विश्व कप 2026 उनका आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उन्होंने कहा कि अब उनका शानदार करियर अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है।

40 वर्षीय रोनाल्डो, जिन्होंने क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 950 से अधिक गोल किए हैं, ने यह भी बताया कि वे 'एक या दो साल में फुटबॉल से संन्यास' लेने की योजना बना रहे हैं।

सऊदी अरब में आयोजित एक फोरम में वीडियो लिंक के जरिए बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या 2026 विश्व कप उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा, तो उन्होंने कहा, 'डिफिनिटली, हां। मैं तब 41 साल का हो जाऊंगा और मुझे लगता है कि यही सही समय होगा।'

रोनाल्डो फिलहाल सऊदी अरब के क्लब अल-नास्त्र के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने 2023 में इस क्लब से जुड़ने के बाद कहा था कि वे 'जल्द' रिटायर होंगे। इस पर उन्होंने अब स्पष्ट किया, 'सच कहूं तो जब मैंने 'जल्द' कहा था, मेरा मतलब था एक या दो साल के अंदर। मैं अभी भी खेल में रहूंगा, लेकिन ज़्यादा समय नहीं।' पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता रोनाल्डो अब 2026 में अपना छठा विश्व कप खेलने का लक्ष्य रखे हुए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 विश्व कप में रहा था, जब पुर्तगाल सेमीफाइनल में फ्रांस से हार गया था। फिलहाल पुर्तगाल ने 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं किया है, लेकिन आयरलैंड के खिलाफ गुरुवार को जीत हासिल कर वह अपनी जगह पक्की कर सकता है।

गौरतलब है कि रोनाल्डो ने 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़कर अल-नास्त्र का रुख किया था, जिसके बाद कई अन्य सितारे भी सऊदी क्लबों से जुड़ने लगे।

सऊदी अरब, जो हाल के वर्षों में खेल और मनोरंजन में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है, को 2034 विश्व कप की मेजबानी का अधिकार भी मिल चुका है।

सीएम योगी ने लखनऊ में किया एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप की ट्रॉफी का स्वागत, बोले - यूपी हॉकी का गढ़

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की ट्रॉफी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में इस ट्रॉफी का आगमन पूरे प्रदेश के लिए गौरव और उत्साह का क्षण है। हॉकी में उत्तर प्रदेश का योगदान अविस्मरणीय रहा है और यह ट्रॉफी उसी गौरवशाली परंपरा की याद दिलाती है।

मुख्यमंत्री ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को याद करते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद ने न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में भारतीय हॉकी का परचम लहराया। उनके नेतृत्व में भारत ने तीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते। उनकी स्मृति में मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण किया जा रहा है, जिसका पहला सत्र इस वर्ष प्रारंभ हो चुका है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हॉकी का गढ़ रहा है। केडी सिंह बाबू, मोहम्मद शाहिद, अशोक कुमार, रवींद्र पाल, सैयद अली, सुजीत कुमार, अब्दुल अजीज, देवेश चौहान, ललित उपाध्याय, दानिश मुतजबा, राजकुमार पाल जैसे खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने बाराबंकी में केडी सिंह बाबू के आवास को संग्रहालय के रूप में विकसित किए जाने की जानकारी भी दी।

योगी ने कहा कि वर्तमान में भी उत्तर प्रदेश के कई खिलाड़ी राजकुमार पाल, उत्तम सिंह, विष्णुकांत सिंह, मुमताज, साक्षी, ज्योति और पूर्णिमा सीनियर व जूनियर भारतीय टीमों में चयनित होकर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने ट्रॉफी के साथ आए एफआईएच और हॉकी इंडिया के प्रतिनिधियों का स्वागत किया और जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 के सफल आयोजन की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम इस बार घरेलू धरती पर तीसरी बार विश्व कप जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। समारोह में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव, खेल विभाग के सचिव सुहास एल.वाई.वी., हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 का आयोजन 28 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै में होगा। इस बार टूर्नामेंट में पहली बार 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, स्पेन, न्यूजीलैंड, जापान, चिली और कनाडा की टीमें प्रमुख हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी पर पहुंचने की उम्मीद, एनआईपीएफपी ने की आर्थिक समीक्षा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन होने से चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस साल अप्रैल की समीक्षा में इसने वित्त वर्ष 26 में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 6.8 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र में भारी निवेश, ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में घरेलू खपत की मांग बहाल होने, वस्तु एवं सेवा कर को युक्तिसंगत बनाए जाने और बाहरी क्षेत्र खासकर अमेरिका का प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद से भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तेज रहने की उम्मीद है। हालांकि वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले स्वायत्त शोध संस्थान ने अपनी समीक्षा में दो वैकल्पिक परिदृश्य भी बताया है, जिसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर और उम्मीद से कमतर रहने की परिकल्पना की गई है। इसके मुताबिक अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी ऊपर रहता है, तो अर्थव्यवस्था 8.8 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी नीचे रहने पर वित्त वर्ष 2026 में आर्थिक वृद्धि दर 6 फीसदी रहने की संभावना है। इसके अलावा एनआईपीएफपी ने खाद्य महंगाई दर में कमी के कारण चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 1.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि खाद्य तेल की महंगाई दर ऊंची बनी हुई है और सोने और चांदी में देखी गई तेज मूल्य वृद्धि के कारण मुख्य महंगाई दर बढ़ रही है।

न्यूज ब्रीफ

छोटी इलेक्ट्रिक कार के लिए पेटेंट फाइल किया ओला इलेक्ट्रिक ने

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने एक छोटी इलेक्ट्रिक कार के लिए पेटेंट फाइल किया है। ओला अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर से आगे बढ़कर ई4डब्ल्यू (इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर) सेगमेंट में प्रवेश करने जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह नई कार एक कॉम्पैक्ट 5-डोर हैचबैक होगी, जिसे एमजी कार्नेट ईवी, टाटा टियागो ईवी और विनफास्ट मिनियो ग्रीन जैसी कारों को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। पेटेंट डिजाइन में कार का साइज छोटा लेकिन आधुनिक और व्यावहारिक दिखता है। यह कार ओला के जेन 4 मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिसे कंपनी ने 'संकल्प 2025' इवेंट में पेश किया था। यह प्लेटफॉर्म स्कूटर, थ्री-व्हीलर और कार सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों को सपोर्ट करेगा। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रही है स्थानीय ईवी बैटरी सेल निर्माण की कमी। ओला इलेक्ट्रिक ने इस दिशा में भी कदम बढ़ाते हुए भारत में ही बने 4680 सीरीज सेल दिखाए हैं, जिनमें एनएमसी कंपोजीशन होने की संभावना है। इससे कंपनी को न केवल लागत में कमी मिलेगी, बल्कि 'मेड इन इंडिया' ईवी बनाने की दिशा में मजबूती भी मिलेगी।

टोरेंट पावर कंपनी का नेट प्रॉफिट 50 फीसदी बढ़कर 741.55 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। टोरेंट ग्रुप की इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी टोरेंट पावर ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट करीब 50 फीसदी बढ़कर 741.55 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 495.72 करोड़ रुपए रहा था। टोरेंट पावर ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि दूसरी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,953.91 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,300.51 करोड़ रुपए थी। उत्पादन कारोबार से रेवेन्यू जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 1,833.55 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,420.92 करोड़ रुपए हो गया। ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 6,596.61 करोड़ रुपए से घटकर 6,367.83 करोड़ रुपए रह गया। इस तिमाही में रिन्यूएबल एनर्जी से रेवेन्यू बढ़कर 326.62 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 291.15 करोड़ रुपए था। टोरेंट पावर, करीब 45,000 करोड़ रुपए के टोरेंट ग्रुप की 29,165 करोड़ रुपए की इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी है जो देश के पावर सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसकी उपस्थिति संपूर्ण विद्युत मूल्य श्रृंखला- उत्पादन, पारेषण व वितरण में है।

इस साल प्रायमरी मार्केट के निवेशकों को भारी नुकसान, हर दूसरे आईपीओ से निवेशकों को नुकसान

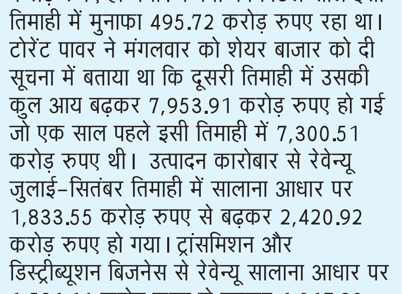

मुंबई। शेयर बाजार के निवेश मार्केट में प्राइमरी निवेशकों को आईपीओ में भारी झटका लगा है। जो भी नए आईपीओ आए हैं। उनमें से हर दूसरा आईपीओ लिस्टिंग प्राइस से नीचे पर कारोबार कर रहा है। जिसके कारण निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष 91 मेन बोर्ड के और 224, एसएमई के आईपीओ मार्केट में आए हैं। 306 कंपनियों में से 138 कंपनियों के शेयर इश्यू प्राइज से कम कीमत पर कारोबार कर रहे हैं। 45 फ़ीसदी निवेशकों को भारी घाटा उठाना पड़ा है। कई कंपनियां 79 फ़ीसदी इश्यू प्राइस से कम मूल्य पर कारोबार कर रही हैं। प्राइमरी निवेशक सतर्क रहें विदेशी निवेशक शेयर मार्केट से धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं। पहले जब आईपीओ आते थे। तब इन्हें 30 फ़ीसदी शेयर आवंटित होते थे। अब 2025 में यह आंकड़ा घटकर मात्र 20 फ़ीसदी रह गया है। विदेशी निवेशक शॉर्ट टर्म के लिए आते हैं। ऐसी स्थिति में छोटे निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। इश्यू प्राइज से नीचे कारोबार इस साल मेन बोर्ड में 111 आईपीओ की लिस्टिंग हुई। इसमें से 87 अभी भी इश्यू प्राइस से नीचे कारोबार कर रहे हैं।

अक्टूबर में एसआईपी निवेश 29,529 करोड़ के ऑलटाइम हाई पर पहुंचा

खुदरा निवेशक अब कहीं ज्यादा समझदार और स्थिर हो गए

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

इक्विटी म्युचुअल फंड में अक्टूबर के दौरान लगातार तीसरे महीने निवेश घटा है। इसके बावजूद सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेशक म्युचुअल फंड्स में ताबड़तोड़ पैसा लगा रहे हैं और यह पिछले महीने 29,500 करोड़ के रिकॉर्ड ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। सितंबर में एसआईपी के जरिए 29,361 करोड़ रुपए का निवेश आया था। अगस्त में यह आंकड़ा 28,265 करोड़ रुपए था। जबकि, इक्विटी फंड्स में इनफ्लो मासिक आधार पर 19 फीसदी घटकर 24,690 करोड़ रुपए रह गया। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि वैश्विक व्यापार की चिंताओं के बाजार में दिख रहे असर के बीच रिटेल निवेशक अनुशासित रहे और एसआईपी में निवेश बनाए रखा। खातों के हिसाब से देखें तो एक्टिव एसआईपी अकाउंट बढ़कर 9.45 करोड़ हो गए, जो सितंबर में 9.25 करोड़ रुपए थे। अगस्त में यह संख्या 8.99 करोड़ थी। वहीं, कुल एसआईपी खातों की संख्या बढ़कर 9.88 करोड़ पहुंच गई, जो सितंबर में 9.73 करोड़ थी। यह बढ़ोतरी करीब 60 लाख नए खातों के जुड़ने और करीब 45 लाख खातों के बंद होने के बाद दर्ज की गई। मिरे असेट इनवेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) की हेड ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन एंड स्ट्रैटेजिक अलायंसेज ने कहा कि सबसे उत्साहजनक बात यह है कि एसआईपी इनफ्लो की मजबूती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि खुदरा निवेशक अब कहीं ज्यादा समझदार और स्थिर हो गए हैं। वे बाजार के छोटे-मोटे उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी लंबी अवधि के निवेश लक्ष्यों पर टिके हैं। हमारा मानना है कि निवेशकों को अपने एसआईपी जारी रखने चाहिए, क्योंकि बाजार के चक्रों के दौरान निवेशित रहना ही समय के साथ संपत्ति बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। एसआईपी के तहत एसेट अंडर मैनेजमेंट अब करीब 16.25 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो सितंबर में 15.52 लाख करोड़ था। यह कुल म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के एयूएम का करीब 20.3 फीसदी हिस्सा है।

डिजिटल गोल्ड में निवेश सुरक्षित, 2025 में डिजिटल ई-गोल्ड में निवेश बेतहासा

मुंबई । इन दिनों ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एप के जरिए ई गोल्ड पर निवेश बढ़ता चला जा रहा है। कई मोबाइल एप छोटे निवेशकों को 100 से शुरू होने वाले सोने पर निवेश के नाम पर लोगों को लुभा रहे हैं। इनमें बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। जिस तरह से छोटे निवेशकों को लुभाने के लिए कई डिजिटल कंपनियां इस क्षेत्र में आ गई हैं।इसमें कोई सुरक्षा नहीं है। आर्थिक विशेषज्ञ इसे सुरक्षित नहीं मान रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया का भी मानना है, जो डिजिटल गोल्ड के प्रस्ताव सेबी के अधीन आते हैं।उन्हें तो सुरक्षित माना जा सकता है। लेकिन जो सेबी या शेयर बाजार में पंजीकृत नहीं है। उनके दावों पर यकीन नहीं किया जा सकता है। ई गोल्ड में निवेश के नाम पर पिछले 11 महीना में यह कारोबार दो गुना बढ़ गया है। यूपीआई से डिजिटल गोल्ड की खरीद बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जनवरी 2025 मे ई गोल्ड में जहां 690 करोड रुपए का निवेश था। वह सितंबर 2025 में बढ़कर 1508 करोड रुपए पर पहुंच गया है। जिस तरह से डिजिटल धोखेबाजी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में ई गोल्ड के निवेशको को सावधान रहने की जरूरत है।

अमेरिकी टैरिफ के बाद अब जर्मनी में मंदी.......कानपुर के लेदर कारोबारी पर सीधा असर

कानपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के निर्यातकों के लिए साल 2025 चुनौतियों से भरा हुआ है। दरअसल अमेरिका की ओर से टैरिफ में किसी भी तरह की राहत न मिलने से कारोबार पर बुरा असर पड़ा है। पहले जहां अमेरिकी बाजार से सबसे अधिक ऑर्डर मिलते थे, अब वहां से मांग में भारी गिरावट आई है। बढ़े हुए टैरिफ के कारण भारतीय उत्पाद महंगे हो गए हैं, इसमें लेदर, टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख सेक्टर सबसे ज्यादा मार पड़ी है।

अमेरिका की चुनौतियों के बीच अब जर्मनी की मंदी ने भी निर्यातकों के माथे पर चिंता की लकीर ला दी है। यूरोप के सबसे बड़े बाजारों में से एक जर्मनी में मांग में आई भारी गिरावट ने कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। पहले जहां वहां से लगातार ऑर्डर मिलते थे, अब आर्थिक सुस्ती के कारण कंपनियों ने नए सौदे रोक दिए हैं। कानपुर का लेदर और हैंडीक्राफ्ट उद्योग इस असर को सबसे ज्यादा झेल रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (एफईईओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024-25 में अप्रैल से जुलाई तक यूपी से 3460 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था, जबकि 2025-26 की इसी अवधि में यह केवल 3640 करोड़ रुपये तक पहुंच सका। यानी महज 180 करोड़ रुपये की मामूली बढ़ोतरी। जबकि पहले हर तिमाही में औसतन 500 करोड़ रुपये की वृद्धि होती थी। कानपुर की लेदर कारोबारी प्रेरणा वर्मा का कहना है कि अमेरिकी टैरिफ और जर्मनी की मंदी दोनों ने मिलकर कारोबार को बड़ा झटका दिया है। अब व्यापारियों को एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में नए मौके तलाशना होगा। आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य ने कहा कि अमेरिका और जर्मनी लंबे समय से प्रमुख निर्यात बाजार रहे हैं, लेकिन इस बार दोनों ओर से सुस्ती ने चिंता बढ़ा दी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दिल्ली ब्लास्ट का...

मंत्रिमंडल ने निर्देश दिया है कि घटना की जांच को अत्यधिक तत्परता और व्यावसायिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए, ताकि अपराधी, उनके सहयोगी तथा उनके आकाओं की पहचान की जा सके। स्थिति को सरकार के सर्वोच्च स्तर पर निरंतर निगरानी में रखा जा रहा है। मंत्रिमंडल ने दुनिया भर के कई सरकारों के एकजुटता और समर्थन के बयानों के लिए भी अपनी सराहना दर्ज की।

मंत्रिमंडल ने सरकार के इस दृढ़ संकल्प को दोहराया है कि वह सभी भारतीयों के जीवन और कल्याण की रक्षा करेगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के प्रति इसकी स्थायी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

गणतंत्र दिवस पर लाल...

गया और तीन को हिरासत में लिया गया। सभी गिरफ़्तारियां जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा की गईं और अब तक कुल 56 डॉक्टरों से पूछताछ की जा चुकी है।

जांच का पता जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में सुरक्षा बलों को धमकी देने वाले एक आपत्तिजनक पोस्टर से चलता है, जिसके संबंध में 19 अक्टूबर को मामला दर्ज किया गया था।

10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के बाद उत्तरी दिल्ली के कोतवाली पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें धमाके को बम विस्फोट का नतीजा बताया गया है।

जांच विवरण से पता चलता है कि डॉ. उमर उस चलती आई-20 कार में सवार था जिसमें विस्फोट हुआ था। डॉ. उमर इस मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के लिए वांछित है।

डॉ. उमर ने लाल किला मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में लगभग तीन घंटे बिताए, इस दौरान वह लगातार किसी के संपर्क में था। सीसीटीवी विश्लेषण से पता चलता है कि कार दोपहर 3:19 बजे पार्क की गई थी और तीन घंटे बाद शाम 6:48 बजे पार्किंग क्षेत्र से बाहर निकली, उस समय जब क्षेत्र में विशेष भीड़भाड़ थी।

सूत्रों के अनुसार, डॉ. उमर पहले लाल किला पार्किंग क्षेत्र में विस्फोट करने की योजना बना रहा था, लेकिन सोमवार होने के कारण लाल किला बंद था और वहां भीड़-भाड़ नहीं थी, इसलिए वह पार्किंग क्षेत्र से चला गया। सूत्रों के अनुसार, अपने साथियों की गिरफ्तारी और सारे विस्फोटक जब्त होने से डॉ. उमर घबरा गया था। उसे अपनी गिरफ्तारी का डर था और इसी घबराहट में उसने कार के अंदर ही विस्फोट कर दिया।

भूटान से लौटते ही...

इस बीच, गृह मंत्रालय ने विस्फोट की जांच का काम मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया था। गृह मंत्री अमित शाह ने जांच एजेंसियों के प्रमुखों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की थी। वह विस्फोट के तुरंत बाद घायलों से मिलने अस्पताल गये थे और उन्होंने घटनास्थल पर जाकर स्थिति का जायजा भी लिया था।

दिल्ली विस्फोट और हरियाणा के फरीदाबाद में मिले विस्फोटकों के बीच जुड़ाव सामने आने के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी ने बयान जारी करके स्पष्ट किया है कि संस्थान का इन घटनाओं से कोई लेना-देना नहीं है।

कुलपति प्रो. (डॉ.) भूपिंदर कौर आनंद ने बताया कि डॉ. मुजम्मिल और डॉ. शाहीन सईद को जांच एजेंसियों ने पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा, ये दोनों हमारे यहां कार्यरत थे, लेकिन यूनिवर्सिटी का इनकी व्यक्तिगत गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है। हमारे सभी काम कानूनी नियमों के तहत होते हैं।

यह बयान उस समय आया है, जब दिल्ली विस्फोट और फरीदाबाद में मिले करीब 2900 किलो विस्फोटक के मामले में एक समान कड़ी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ने की बात सामने आ रहीं थी। बताया जा रहा है कि यूनिवर्सिटी से जुड़ा एक डॉक्टर, मोहम्मद उमर नबी, अपनी कार में विस्फोट के दौरान मारा गया।

प्रो. आनंद ने कहा कि यूनिवर्सिटी में किसी भी प्रकार का विस्फोटक या रासायनिक पदार्थ नहीं रखा जाता। उन्होंने कहा, हमारी प्रयोगशालाएं केवल एमबीबीएस छात्रों की शिक्षा और ट्रेनिंग के लिए हैं। हाल की घटनाओं से हमें गहरा दुख है और हम इनकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अल-फलाह समूह 1997 से शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय है, 2014 में इसे यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला और यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त है।

फरीदाबाद पुलिस ने बीते दिनों करीब 60 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था, जिनमें यूनिवर्सिटी से जुड़े सात लोग भी शामिल थे। सभी को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया।

इस बीच, यूनिवर्सिटी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है। अब परिसर में प्रवेश केवल पहचान सत्यापन के बाद ही दिया जा रहा है और मेडिकल ब्लॉक में जाने वाले हर व्यक्ति की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां दिल्ली विस्फोट और फरीदाबाद में मिले विस्फोटकों के नेटवर्क को जोड़ने में लगी हुई हैं।

5 हवाई अड्डों को...

दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट की घटना के बाद पूरे देश के हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एयरपोर्ट्स के भीतर और बाहर सीआईएसएफ और एयरपोर्ट पुलिस के जवानों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोज़ल टीम को भी सतर्क रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

मंत्रिमंडल ने दी ...

पूंजी ऋण के रूप में प्राप्त होगी।

यह ऋण कम ब्याज पर और बिना किसी जमानत (जमानत-मुक्त) के उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार ने ब्याज की दर की भी सीमा तय कर दी है ताकि निर्यातकों पर बोझ कम पड़े। इस योजना के तहत बैंकों से निर्यातकों को आसानी से ऋण मिल सके, इसके लिए सरकार राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी न्यास कंपनी के जरिये शत-प्रतिशत गारंटी उपलब्ध कराएगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि विभिन्न मंत्रालयों ने निर्यातकों के साथ विचार-विमर्श के बाद यह योजना शुरू की है। इस योजना से वैश्विक बाज़ार में भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता बढ़ेगी और वे नए बाज़ारों की ओर रुख कर सकेंगे। यह योजना 31 मार्च 2026 तक जारी रहेगी।

भारत चरम मौसम...

प्रभावित हुए हैं।भारत के ठीक बाद चीन 11वें स्थान पर है, जिसका जलवायु परिवर्तन में उल्लेखनीय योगदान रहा है। हाल के तूफानों (कालमेगी और फंग-वोंग) से प्रभावित फिलीपींस सातवें स्थान पर है, जबकि लीबिया और हैती इसके ठीक बाद आते हैं।विकसित देश भी इन चुनौतियों से अछूते नहीं हैं। औद्योगिक देशों में फ्रांस 12वें, इटली 16वें और अमेरिका 18वें स्थान पर है।

सूचकांक में 1995 और 2024 के बीच 9,700 से अधिक चरम मौसम की घटनाओं को शामिल किया गया है, जिसके गंभीर परिणाम सामने आए हैं: 8.3 लाख से अधिक लोगों की मौतें हुई हैं।4.5 लाख करोड़ (अमेरिकी डॉलर) से ज़्यादा का प्रत्यक्ष नुकसान हुआ है।रिपोर्ट के अनुसार, गर्म लहरें (लू) और तूफान मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं और इनसे सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान होता है, जबकि बाढ़ से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत लगातार जलवायु प्रभावों से प्रभावित शीर्ष देशों में से एक रहा है। जर्मन वॉच के पहले सूचकांक में कहा गया था कि देश में 2018 में चरम मौसम की घटनाओं से सबसे ज्यादा मौतें (2,081) हुईं और आर्थिक नुकसान के मामले में भारत दूसरे स्थान पर था।

बेलेम शहर में एक भारतीय विशेषज्ञ ने कहा, नवीनतम रिपोर्ट में जलवायु प्रभावों के संदर्भ में भारत पर पड़ने वाले अत्यधिक प्रभाव को रेखांकित किया गया है।

यह न केवल वैश्विक स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी नीतिगत बदलावों की मांग करता है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि संवेदनशील आबादी भविष्य में ऐसे प्रभावों का ज्यादा मजबूती से मुकाबला कर सके।

पीएम मोदी ने...

के लिए भूटान के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसी दूरदर्शी नींव ने भूटान को दुनिया का पहला कार्बन-निगेटिव देश बनने में सक्षम बनाया है, जो एक असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रति व्यक्ति नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भूटान विश्व के शीर्ष देशों में से एक है और वर्तमान में अपनी 100 प्रतिशत बिजली का उत्पादन नवीकरणीय स्रोतों से करता है।

देवगुरु बृहस्पति बना रहे हंसराज योग, मेष सहित निम्न राशियों मिलेंगे धन लाभ के अवसर

आज हंसराज योग बन रहा है। इसे बहुत ही शुभ ज्योतिषीय योग माना जाता है। बृहस्पति के अपनी उच्च राशि कर्क में आने से हंसराज योग का निर्माण होता है। यह योग व्यक्ति को सफलता, समृद्धि और समाज में सम्मान दिलाता है। इसके प्रभाव से मेष, सिंह सहित कई राशियों को आर्थिक लाभ होता दिख रहा है। मेष राशि के जातकों को आज के दिन कानूनी विवाद में सफलता प्राप्त होगी। कर्क राशि वालों को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। वहीं, कन्या राशि वालों को आज के दिन आसपास मौजूद चापलूसों से दूरी बनाकर रखनी होगी। वृश्चिक वालों को कुछ कार्यों में सफलता मिलेगी।

मेष राशि : कानूनी विवाद में सफलता मिलेगी

मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। घर के किसी सदस्य या फिर संतान का व्यवहार आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इसको लेकर आप नाखुश रहेंगे। आज के दिन कानूनी विवाद में सफलता मिलेगी। स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। आज के दिन न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है जो दूसरों के लिए असुविधाजनक हो।

वृष राशि : शुभ समाचार प्राप्त होगा

वृष राशि वालों के लिए आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। आज का दिन परिवार के लोगों के साथ बीतेगा। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और दोपहर तक कोई शुभ समाचार आपको प्राप्त हो सकता है। हालांकि, इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। शाम के समय किसी अतिथि के घर आने से आपको खुशी होगी। वहीं, रात के समय में किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि : कार्यक्षेत्र में बाधाएं आएंगी

आज का दिन मिथुन राशि के जातकों का अच्छा गुजरने वाला है। आपने जिस प्रकार की पृष्ठभूमि लोगों के बीच बनाई है उसके बल पर आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। हालांकि, कार्यक्षेत्र में कुछ बाधाएं आपकी परेशानी को बढ़ा सकती हैं। दोपहर तक आर्थिक संकोच खत्म हो जाएगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है।

कर्क राशि : स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा

कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन कुछ अच्छा गुजरता नहीं दिख रहा है। सुबह से ही आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आज के दिन आपको अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। हो सके तो दिन के पहले हिस्से में ही डॉक्टर को दिखा लें। इससे परेशानी बढ़ेगी नहीं और आपके अपने रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी भी नहीं आएगी।

सिंह राशि : कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा

सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन आर्थिक स्थिति के लिहाज से काफी अच्छा रहने वाला है। कामकाज में आज सुधार होता दिख रहा है। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े अधिकारी का आशीर्वाद प्राप्त होगा। इससे आपकी नौकरी की स्थिति मजबूत है। वहीं, विरोधियों और आलोचना करने वाले आपकी सफलता पसंद नहीं आएगी।

कन्या राशि : चापलूसों से दूरी बनाकर रखें

आज के दिन कन्या राशि वालों को चापलूसों से दूरी बनाकर रखनी होगी। दूसरों की मदद करने की प्रवृत्ति आपको परेशानी में डाल सकती है। आपके इस व्यवहार का फायदा उठाकर कुछ लोग आगे निकल सकते हैं। आज के दिन ऐसी ही लोगों से आपका सामना हो सकता है। ऐसे लोगों की पहचान करें और उन लोगों की मदद करें जिनको जरूरत है।

तुला राशि : इंटरव्यू में सफलता मिलेगी

आज का दिन तुला राशि के जातकों के लिए सकारात्मक रहने वाला है। इंटरव्यू की तैयारी कर रहे लोगों को आज अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। इस दौरान कारोबार से जुड़ा कोई समझौता आपके लिए सफलता लेकर आएगा। दोपहर तक ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों को निपटाना आपके लिए लाभदायक होगा।

वृश्चिक राशि : कोई शुभ समाचार मिलेगा

वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन धैर्य की परीक्षा ले सकता है। जिन लोगों पर आप भरोसा करते थे उनसे आपको निराश मिलेगी। आज के दिन कुछ कार्यों में सफलता मिलने से मन को राहत मिलेगी। कोई शुभ समाचार मिलने से आपकी चिंताएं कम होंगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज के दिन किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें।

धनु राशि : अटके हुए काम होंगे पूरे

पिछले कुछ दिनों से अटके हुए काम आज के दिन पूरे हो सकते हैं। आज के दिन लंबे समय से चली आ रही परेशानियों में राहत मिलेगी। हालांकि किसी अनजाने डर से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं। दोपहर के बाद आपको कुछ भागदौड़ करनी पड़ सकती है। दिन के अंत तक परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में आने लगेंगी।

मकर राशि : बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी

आज का दिन मकर राशि वालों के लिए प्रेरणादायक रहने वाला है। आपकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी। प्रभावशाली व्यक्तियों से मुलाकात आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में तरक्की के आपको नए अवसर मिलेंगे। परिवार से भी कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ राशि : भागदौड़ करनी पड़ेगी

आपका आज का दिन कार्यक्षेत्र में व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपके लिए दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। कुछ नजदीकी लोगों की वजह से आपको परेशान होना पड़ सकता है। ऐसे में खुद को शांत रखने की कोशिश करें। आज के दिन अपने प्रेम संबंधों को लेकर सोच-समझकर निर्णय लें।

मीन राशि : भाग्य का साथ मिलेगा

मीन राशि वालों के लिए सुबह का समय थोड़ा तनाव पूर्ण रह सकता है। कई काम एक साथ सामने आने से आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। ऐसे में अपने सभी जरूरी कामों को पहले ही पूरा करने की कोशिश करें। हालांकि, दोपहर के बाद भाग्य का साथ मिलेगा और हालात थोड़ा सुधरेंगे। शाम तक मित्रों का सहयोग मिलने से आपका मनोबल बढ़ेगा।

रूचक राजयोग का उत्तम संयोग मिथुन सिंह समेत अन्य राशियों के जातक रहेंगे भाग्यशाली, पाएंगे सुख साधन और लाभ

आज यानी 13 नवंबर दिन गुरुवार है और आज तिथि है, मार्गशीर्ष मास की कृष्ण पक्ष की नवमी। ऐसे मे आज के देवता भगवान विष्णु रहेंगे। और गुरु चंद्रमा की राशि कर्क में होकर हंस राजयोग बनाएंगे जबकि चंद्रमा आज सिंह राशि राशि में गोचर करते हुए अनफा योग बना रहे होंगे। इस पर आज मंगल और चंद्रमा एक दूसरे से केंद्र भाव में होकर धन योग बनाएंगे जबकि आज स्वराशि के मंगल रुचक योग भी बनाएंगे। इन सबके साथ आज मघा नक्षत्र के संयोग में ब्रह्मयोग, ऐंद्र योग भी प्रभावी रहेगा। ऐसे में आज का दिन रूचक राजयोग और भगवान विष्णु की कृपा से मिथुन, सिंह, तुला, धनु और मकर राशि के जातको के लिए विशेष रूप से भाग्यशाली रहने वाला है।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के जातको के लिए आज का दिन करियर और कमाई के लिहाज से अच्छा है। आपको आज नौकरी में अपनी योजना के अनुसार काम करने का मौका मिलेगा। आप अपनी टीम के साथ बेहतर तालमेल बनाए रख पाएंगे जिससे आपको काम को सुचारू रूप से चलाने में सफलता मिलेगी। आज का दिन बिजनेस के लिहाज से भी आपके लिए अच्छा रहेगा, आप अपने कारोबार को विस्तार देने में सफल हो सकते हैं। आपका धन कहीं फंसा है तो वह आपको मिल सकता है जिससे आप राहत की सांस लेंगे। नौकरी बदलने के लिए आप प्रयासरत हैं तो आपको आज कोई अच्छी खबर मिल सकती है जिससे आप उत्साहित रहेंगे। आपके लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको दीर्घकालीन निवेश का भी फायदा मिलेगा। फैमिली लाइफ के मामले में भी आज का दिन आपका अच्छा रहने वाला है।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर किसी जरूरतमंद व्यक्ति को अन्न का दान देना चाहिए। तामसिक भोजन से आपको परहेज करना चाहिए।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातको के लिए आज गुरुवार का दिन भाग्यशाली और उत्साहवर्धक रहेगा। आपको आज अपने कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग से सहयोग और सपोर्ट मिलेगा। जो लोग उच्च शिक्षा के लिए किसी संस्थान में दाखिले के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कामयाबी मिल सकती है। कोई महत्वपूर्ण काम जो सरकारी क्षेत्र से संबंधित है वह आज पूरा हो सकता है। सामाजिक क्षेत्र मे आज आपका सम्मान और प्रभाव बढेगा। आर्थिक मामलों में आज के दिन आपको किसी ऐसे स्रोत से लाभ मिल सकता है जिसकी आपको उम्मीद भी नहीं होगी। जो जातक चिकित्सा और होटल के कारोबार से जुड़े हुए हैं उनकी कमाई में भी आज वृद्धि होने वाली है। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज लाभ मिलने का योग बना हुआ है।

उपाय : दूध और जल मिलाकर तुलसी को अर्घ्य दें, सुबह शाम दीपक भी दिखाएं।

तुला राशि –तुला राशि के जातको के लिए आज का दिन कुछ नए और रोमांचक अनुभवों का रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ नया और रोमांचक करने का मौका मिलेगा। नौकरी में अधिकारियों से आपको सपोर्ट मिलेगा और कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी भी आज मिलने वाली है जिससे आप प्रसन्न होंगे। घर परिवार के मामले में भी आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। लव लाइफ में आज प्रेम और आपसी तालमेल बना रहेगा। आपको मित्रों या किसी संबंधी से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आपके लिए सितारे यह भी बताते हैं किसी निकट संबंधी से आपका किसी प्रकार का तनाव चल रहा है तो आप उसे भी दूर कर पाने में सफल रहेगे। छोटी दूरी की यात्रा का संयोग बन सकता है।

उपाय : तुला राशि के जातकों को आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए केले के पेड़ को दीप दिखाना चाहिए साथ ही रामरक्षा स्तोत्र का पाठ भी करना चाहिए।

धनु राशि –धनु राशि के जातको के लिए आज का दिन बेहतर होगा। जो लोग बीमार चल रहे है उनकी सेहत में सुधार होगा। आपको आज कुछ अटके कार्यो को पूरा कर पाने में भी सफलता मिलेगी। आप शासन सत्ता के संपर्क से आज लाभ प्राप्त कर पाएंगे। आपके सितारे बताते हें कि आपको आज बिजनेस में लाभ का विशेष मौका मिलेगा। आपका अटका धन आपको वापस मिल सकता है। आपकी कोई योजना आज बनकर टल सकती है लेकिन इसका आपको भविष्य में फायदा मिलेगा। घर के बड़ों से आपको सहयोग मिलेगा। आप आज कुछ नया काम भी शुरू कर सकते है। वाहन और भौतिक सुख साधन मिलने की भी आपको खुशी होगी। जिन लोगों के काम का संबंध विदेश से है उनके लिए आज भाग्य लाभ का विशेष संयोग बना रहा है। आप आज पारिवारिक जीवन में सुख और आनंद पाएंगे।

उपाय : धनु राशि के जातकों को आज उपाय के तौर पर गुड़ और चने की दाल को गाय को खिलाना चाहिए।

मकर राशि –मकर राशि के जातको के लिए आज गुरुवार का दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में प्रोत्साहन और पद लाभ मिलने का संयोग बनेगा। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे है उनको भी आज कामयाबी मिल सकती है। आपको पिता और पिता पक्ष से आज लाभ मिलने का योग है। आपके सितारे बताते हैं कि आप आज बिजनेस में कोई नया आइडिया या योजना लेकर आ सकते हैं जिसका आपको फायदा मिल सकता है। आप आज छोटी अवधि के निवेश से भी आज फायदा उठा सकते है। प्रॉपर्टी से संबंधित काम में आपको आज सफलता मिलेगी। आपके लिए आज भाग्य कोई अप्रत्याशित लाभ का भी संयोग बना रहा है। विरोधी और शत्रु आपका आज अहित नहीं कर पाएंगे।

उपाय : मकर राशि के जातकों को आज धार्मिक पुस्तकों को मंदिर में दान करना चाहिए, भगवान विष्णु की पूजा करें।

मणिकर्णिका घाट के अनसुने रहस्य

आखिर क्यों चिता पर लिखा जाता है 94 और मुर्दे से क्यों पूछा जाता है यह सवाल

जनम मरन सब दुःख सुख भोगा। हानि लाभु प्रिय मिलन बियोगा।। काल करम बस होहिं गोसाईं। बरबस राति दिवस की नाईं।। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि जिसका जन्म हुआ है उसका अंत होना निश्चित है। लेकिन, अंत के बाद एक नई यात्रा का आरंभ होता है। जीवन मरण के इसी चक्र को दर्शाता है बनारस का मणिकर्णिका घाट। कहते हैं यहां जिसका दाह संस्कार किया जाता है वह जीवन मरण के चक्र से मुक्ति पा जाता है। मणिकर्णिका घाट अपने अंदर कई रहस्य छिपाए हुए है। उसी में से एक है 94 अंक का रहस्य। दरअसल, मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार होने के बाद जब राख ठंडी होने लगती है तो वहां 94 अंक लिख दिया जाता है।

मणिकर्णिका घाट और 94 अंक का रहस्य

ऐसी मान्यता है कि जब मणिकर्णिका घाट पर किसी की अंतिम संस्कार कर दिया जाता है तो जब उसकी राख ठंडी होने लगती है उस समय राख पर 94 अंक लिख दिया जाता है। ऐसी मान्यता है कि व्यक्ति के कुल 100 गुण होते हैं लेकिन, उसकी मृत्यु के बाद उसकी अगली यात्रा पर सिर्फ 6 गुण ही उसके साथ जाते हैं। 1 गुण मन का होता है और बाकी 5 ज्ञानेंद्रियों के होते हैं। बता दें कि 94 प्रकार के अच्छे और बुरे यह मनुष्य के हाथ में होते हैं और बाकी 6 प्रकार के गुण ब्रह्मा जी के हाथ में होते हैं। इसलिए अंतिम संस्कार के दौरान 94 लिखा जाता है कि ताकि वह मनुष्य अपने 94 प्रकार के कर्म से मुक्ति पा सके और उसे मुक्ति का मार्ग मिल सके और वह किसी भूत प्रेत की योनि में न फंस जाए।

मणिकर्णिका घाट और भगवान विष्णु की बाली का रहस्य

मणिकर्णिका घाट को लेकर एक प्रसिद्ध कथा यह भी है कि एक बार भगवान विष्णु भगवान शिव की तपस्या कर रहे थे। तपस्या करते हुए उन्हें अपने सुदर्शन चक्र से यहां एक कुंड खोद दिया था। तपस्या करते हुए भगवान विष्णु को काफी पसीना आया और वह उस कुंड में भर गया। भगवान विष्णु का तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और उस दौरान ही भगवान विष्णु के कान की मणिकर्णिका उस कुंड में गिर गई। मान्यता है कि इस कारण ही इस घाट का नाम मणिकर्णिका हुआ। हालांकि, मणिकर्णिका घाट के नाम को लेकर अन्य कथाएं भी हैं।

मणिकर्णिका घाट को मिला है माता पार्वती का शाप

पौराणिक कथाओं के अनुसार, मणिकर्णिका घाट को माता पार्वती से शाप दिया था। दरअसल, एक बार माता पार्वता घाट पर स्नान के लिए पहुंची थी लेकिन उनके कान की बाली निकलकर गिर गई थी। बहुत ढूंढने के बाद भी उनकी कान की बाली नहीं मिली थी। जब बाली को ढूंढते हुए माता पार्वती को काफी समय हो गया तो वह क्रोधित हो गई और घाट को श्राप दे दिया की यह घाट हमेशा जलता रहेगा। ऐसी मान्यता है कि तभी से मणिकर्णिका घाट की अग्नि शांत नहीं हुई है और वह हमेशा जलती रहती है।

मणिकर्णिका घाट पर मृत व्यक्ति से क्या पूछा जाता है ?

एक अन्य कथा के अनुसार, एक बार माता पार्वती ने भगवान शिव की कान का बाली लेकर छुपा दी थी और माता पार्वती ने भगवान शिव से उन्हें ढूंढने के लिए कहां लेकिन, काफी प्रयास के बाद भी वह अपने कान की बाली नहीं ढूंढ पाए थे। ऐसा कहा जाता है कि आज भी जिस भी व्यक्ति का अंतिम संस्कार उस घाट पर किया जाता है उसके कान में एक बार पूछा जाता है कि क्या उसने भगवान शिव की बाली देखी है।

उपवास, पूजा और ध्यान से उत्पन्ना एकादशी करती है जीवन में नवचेतना का संचार

वैज्ञानिक दृष्टि से एकादशी का समय विशेष महत्वपूर्ण होता है। इस तिथि के आसपास चंद्रमा की कलाओं में परिवर्तन होता है, जिससे शरीर और मन पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए एकादशी के दिन उपवास और ध्यान द्वारा शरीर को संयमित रखना और मन को स्थिर करना सर्वोत्तम उपाय है। यह प्रक्रिया शरीर को विषम तत्वों से मुक्त करती है और मानसिक एकाग्रता को बढ़ाती है।

शास्त्रों के अनुसार, इस दिन अन्न का त्याग और उपवास करना अत्यंत फलदायी माना गया है। पद्म, स्कंद और विष्णु धर्मोत्तर पुराण में उल्लेख है कि एकादशी व्रत के दौरान अन्न ग्रहण नहीं करना चाहिए। आयुर्वेद की दृष्टि से भी यह व्रत महत्वपूर्ण है, शरीर में होने वाले वात, पित्त और कफ के असंतुलन से ही अधिकांश रोग उत्पन्न होते हैं और उपवास इन त्रिदोषों को संतुलित करने में सहायक होता है, इससे शरीर स्वस्थ रहता है, मन प्रसन्न होता है और विचारों में सकारात्मकता आती है।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक समय दैत्य मुर के आतंक से त्रस्त देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु युद्ध में प्रवृत्त हुए। वर्षों तक युद्ध करने के बाद जब वे विश्राम करने लगे, तभी उनके शरीर से एक दिव्य कन्या उत्पन्न हुई। उस शक्ति ने कहा, मैं आपकी पुत्री हूं, असुर के विनाश के लिए अवतरित हुई हूं। मेरा नाम एकादशी है। भगवान विष्णु के शरीर से उत्पन्न होने के कारण इस तिथि को उत्पन्ना एकादशी कहा गया।

यह कथा प्रतीक है कि प्रत्येक मनुष्य में एक दिव्य शक्ति निहित है, जो रोग, दुःख और नकारात्मकता का नाश कर सकती है। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को यह व्रत किया जाता है।

प्रातः स्नान के बाद भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा पुष्प, जल, धूप और अक्षत से करें। व्रतधारी को दशमी की रात्रि में भोजन नहीं करना चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु का पूजन, पितृ तर्पण, पीपल वृक्ष में जल अर्पण तथा दान-पुण्य करने से सौभाग्य और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

श्रीकृष्ण ने स्वयं युधिष्ठिर को उत्पन्ना एकादशी का महात्म्य सुनाया था। कहा गया है कि इस व्रत को श्रद्धा और विधि-विधान पूर्वक करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उत्पन्ना एकादशी आध्यात्मिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त करने के साथ-साथ शरीर, मन और आत्मा, तीनों को संतुलित कर जीवन में नवचेतना और कल्याण का संचार करती है।

ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज हुए धर्मेंद्र प्रशंसकों ने लंबी उम्र के लिए की प्रार्थना

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र कई दिनों से बीमार थे और ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। बुधवार को उन्हें डॉक्टर्स ने अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया, जिसके बाद उनके घर के बाहर प्रशंसकों का तांता लगा हुआ है और कई लोग उनके स्वास्थ्य की लंबी कामना कर रहे हैं। अभिनेता की लोकप्रियता आज भी वैसे ही कायम है। बुधवार को उनके घर के बाहर प्रशंसकों ने इस बात को प्रमाणित भी कर दिया, जब उनके डिस्चार्ज होने के बाद फैंस की बड़ी भीड़ देखी गई। सत्यवान नाम के एक प्रशंसक ने बातचीत की और बताया, मेरा नाम सत्यवान है और मैं महाराष्ट्र का रहने वाला एक रिक्शा चालक हूं। मुझे जैसे ही इस बात की जानकारी प्राप्त हुई कि धर्मेंद्र ठीक होकर अपने घर पर आ गए हैं, तो मुझसे रहा नहीं गया और मैं तुरंत यहां पर अपना रिक्शा लेकर पहुंच गया।

सत्यवान ने बताया कि वे और उनके दोस्त बचपन से धर्मेंद्र की फिल्में देखते आए हैं, जिससे वे उनसे एक गहरा लगाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, उनकी पर्सनैलिटी इतनी लाजवाब है कि अचानक उनकी तबीयत के बारे में ऐसी खबर सुनना बेहद दर्दनाक है। वे इस उम्र में भी अभी तक स्विमिंग करते थे और अभी तक अच्छे थे। हम चाहते हैं कि उनकी उम्र बहुत लंबी हो। मैं उनके लिए भगवान से प्रार्थना कर रहा हूं कि वे जल्द ही ठीक हो जाएं। मैंने उनके लिए बोर्ड भी बनाया है और उसमें लिखा है कि वे जल्द ही ठीक हो जाएं।

उन्होंने आगे कहा, उनकी फिल्में आती रहें और वे देश-विदेश में उससे लोगों का दिल जीतते रहें। मैं आज तक धर्म जी से मिला नहीं हूं और उनके ठीक होने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से मिली थी। मैं आज के माध्यम से उनसे कहना चाहूंगा कि वे बहुत अच्छा काम करते हैं और वे जल्द ही पूरी तरह से ठीक हो जाएं।

एक और फैन ने कहा, समाचार के माध्यम से उनके ठीक होने की जानकारी मिली थी, तो हमने सोचा यहां आकर देखें तो कुछ तो पता चलेगा। वैसे भी एक्टर लोग कहां दिखाई देते हैं? लेकिन धर्मेंद्र जी कई बार देखने को मिले हैं। अगर उनसे एक बार मिलने का मौका मिले तो जरूर मिलना चाहेंगे। मैंने उनकी सारी फिल्में देखी हैं। उनकी तबीयत की खबर सुनकर दिल को बहुत बुरा लगा और वे तो दिलीप कुमार के अच्छे दोस्त थे। मैंने दिलीप कुमार की भी कई सारी फिल्में देखी हैं।

प्रभास ने खत्म की 'द राजा साब' की शूटिंग, डायरेक्टर मारुति ने शेयर किया एक धांसू नया लुक

साउथ सुपरस्टार प्रभास ने अपनी आने वाली हॉरर-फैंटेसी फिल्म द राजा साब की शूटिंग पूरी कर ली है। ये उनके 23 साल लंबे फिल्मी सफर का एक और बड़ा माइलस्टोन है। इस खास मौके पर डायरेक्टर मारुति ने फिल्म का एक धमाकेदार पोस्टर शेयर किया और इसे बताया एक विजयी सफर।पोस्टर में प्रभास रेड-एंड-ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं - लंबे बाल, सनग्लासेस, और मुंह में सिगार लिए हुए - एकदम Swag Overload! फैन्स तो बस इस नए लुक पर फिदा हो गए हैं। कुछ वक्त पहले फिल्म की टीम ने ग्रीस में गानों की शूटिंग की थी, जिससे फिल्म में विजुअल्स का तड़का और बढ़ गया।मारुति ने लिखा, 23 साल पहले उसने सिनेमा में पहला कदम रखा था, आज उसी दिन 'द राजा साब' की शूटिंग खत्म की उसके इस विजयी सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य है पक्का बोलता हूं, द राजा साब एक अलग ही एनर्जी लेकर आने वाली है हम जानते हैं आप सबका प्यार और बेसब्री - और वादा करते हैं, देंगे सिर्फ और सिर्फ बेस्ट!हमारे Rebel God के भक्तों के लिए अभी और सेलिब्रेशन बाकी है।

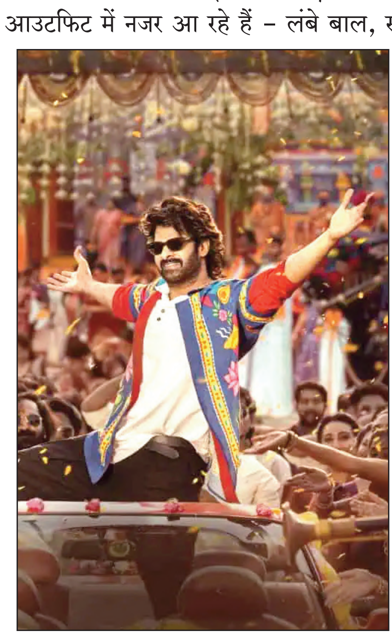

फिल्म का ट्रेलर पहले ही सोशल मीडिया पर धूम मचा चुका है। दर्शक प्रभास के मल्टीपल लुक्स और फिल्म के हटके एंटरटेनमेंट मिक्स की खूब तारीफ कर रहे हैं।

द राजा साब का निर्देशन और लेखन मारुति ने किया है। इसे पीपल मीडिया फ़ैक्टरी और आईवीवाई एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, ऋद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी भी नजर आएंगे। फिल्म 9 जनवरी 2026 को दुनियाभर में हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होगी।

मां को याद कर इमोशनल हुईं आरती सिंह, कहा

मैं हर सांस में प्यार जताना चाहती हूं

टीवी की दुनिया की मशहूर अभिनेत्री आरती सिंह ने बुधवार को मां को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर मां की एक खूबसूरत तस्वीर साझा की और साथ में दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा। इस पोस्ट में उन्होंने फैंस के साथ अपनी भावनाओं और यादों को साझा किया। उनका यह पोस्ट अब इंटरनेट पर वायरल है। आरती के इंस्टाग्राम पोस्ट में मां की एक ब्लैक एंड वाइट फोटो साझा की और कैप्शन में लिखा, ''यह तस्वीर सच में मेरी मां की है। मैं उनको बहुत याद कर रही हूं। पिछले कुछ हफ्तों में मां की याद ज्यादा आ रही है।'' आरती ने पोस्ट में दिल की बात लिखते हुए कहा, ''मैं अपने अंदर मां को महसूस कर रही हूं। मुझे कभी अपनी मां से प्यार जाहिर करने का मौका नहीं मिला, लेकिन अब मैं हर सांस में यह प्यार जताना चाहती हूं।'' उन्होंने अपनी पोस्ट में इमोजी का भी इस्तेमाल किया। आरती सिंह की बात करें तो, उन्होंने अभिनय की शुरुआत 2007 में टीवी शो 'मायका' से की थी। इस शो में उन्होंने सोनी मल्होत्रा खुराना का किरदार निभाया था। इसके बाद वे स्टार प्लस के शो 'गृहस्थी' में रानो और 'थोड़ा है बस थोड़े की जरूरत है' में मुग्धा के किरदार में नजर आईं। 2011 में उन्हें एकता कपूर के शो 'परिचय- नई जिंदगी के सपनों का' में सीमा के रूप में देखा गया, जिसके बाद उन्होंने कलर्स टीवी के 'उतरन' में कजरी की भूमिका निभाई। इसके अलावा, वह शो 'देवों के देव महादेव' में भी नजर आईं। कॉमेडी शो जैसे 'किलर कराओके अटका तो लटका', 'कॉमेडी नाइट्स बचाओ', और 'कॉमेडी क्लासेस' में भी उन्होंने कॉमिक टैलेंट का प्रदर्शन किया। 2016 में वह 'ससुराल सिमर का' में माधवी की भूमिका में दिखाई दीं और फिर एंड टीवी के 'वारिस' में अंबा के मुख्य किरदार के रूप में देखा गया। 2019 में उन्होंने 'बिग बॉस 13' में हिस्सा लिया और चौथे रनर-अप के रूप में उभरीं। इस दौरान उन्होंने अपने करियर में आए लंबे ब्रेक और मानसिक दबाव के बारे में भी खुलकर बताया।

सलमान खान के गाने पर त्रिशाकर मधु ने दिखाई रानी जैसी अदाएं

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की एक्ट्रेस त्रिशाकर मधु अपने स्टाइल और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इस बीच उन्होंने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह सुर्ख लाल रंग के जोड़े में दुल्हन बनी नजर आ रही हैं। अपने लुक से वह फैंस का ध्यान खींच रही हैं। खास बात ये है कि वह वीडियो में सलमान खान और रानी मुखर्जी के लोकप्रिय गाने पर शानदार एक्सप्रेशन्स देती दिखाई दे रही हैं। त्रिशाकर वीडियो में ब्राइडल लुक में काफी सुंदर लग रही हैं। वीडियो में वह सलमान खान और रानी मुखर्जी के मशहूर गाने 'देखने वालों ने' पर डांस करती नजर आ रही हैं। वह हर बीट के साथ अपने हाथों और स्टाइल की मूवमेंट को मैच कर रही हैं। उनके एक्सप्रेशन बेहद जबरदस्त हैं, और कैमरे के सामने उनकी हर मूव दर्शकों को अपनी ओर खींच रहा है। फैंस इस वीडियो पर कमेंट्स कर त्रिशा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गाना 'देखने वालों ने' सलमान खान और रानी मुखर्जी की फिल्म 'चोरी चोरी चुपके चुपके' का है, जिसे अलका याग्निक और उदित नारायण ने गाया है। इस गाने का संगीत अनु मलिक ने तैयार किया है और इसके बोल अनाम ने लिखे हैं। यह गाना अपने रोमांटिक और इमोशनल अंदाज के लिए जाना जाता है और आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

अगर त्रिशाकर मधु की बात करें, तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी और धीरे-धीरे भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने पवन सिंह, खेसारी लाल यादव और अरविंद अकेला कल्लू जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम किया है। उनके वीडियो एल्बम और फिल्मों की वजह से उन्हें भोजपुरी सिनेमा में खास पहचान मिली है। सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट हमेशा चर्चा में रहते हैं और फैन्स उनके हर नए पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

सपना चौधरी का नया जलवा देखकर फैन्स बोले

ये तो बिल्कुल नई सपना लग रही है!

हरियाणा की देसी क्वीन सपना चौधरी ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है! अपनी ताज़ा तस्वीरों में सपना का लुक इतना ग्लैमरस और एलीगेंट है कि फैन्स की नज़रें हट ही नहीं रहीं. ब्लैक आउटफिट, सॉफ्ट कर्ल्स और चेहरे पर नैचुरल ग्लो - सपना का ये ट्रांसफॉर्मेशन देखकर हर कोई बस यही कह रहा है, वाह सपना, क्या बात है! कमेंट सेक्शन में फैन्स उन्हें अल्टीमेट स्टाइल आइकन और रियल दिवा बता रहे हैं. जिसने भी सपना को उनके देसी डांस मूव्स और एनर्जेटिक स्टेज परफॉर्मेंस में देखा है, वो इस नए मॉडर्न लुक पर फिदा हो गया है. देसी से क्लासी तक का ये ट्रांज़िशन बिल्कुल स्मूद और कॉन्फिडेंट है. छोटे शहर की मंच स्टार से लेकर पूरे भारत की पहचान बनने तक का सपना चौधरी का सफर हमेशा से प्रेरणादायक रहा है. बिग बॉस में उनकी एंट्री से लेकर उनके सुपरहिट गानों तक, सपना ने बार-बार साबित किया है कि टैलेंट और मेहनत की कोई लिमिट नहीं होती.

अब इस नए अंदाज़, नई सोच और नई चमक के साथ सपना चौधरी अपने करियर के एक ऐसे दौर में हैं जहाँ ग्लैमर, ग्रेस और ग्रोथ तीनों साथ दिख रहे हैं - और फैन्स बस यही कह रहे हैं, देसी क्वीन अब बन गई हैं ग्लोबल ड्रीम!

अदा शर्मा ने सिखाया 'कद्दू कोर वर्कआउट', बोलीं

31 दिनों में दिखेगा बदलाव

अभिनेत्री अदा शर्मा न केवल अपने स्वास्थ्य को लेकर अलर्ट रहती हैं बल्कि नए-नए तरीकों से फैंस को वर्कआउट के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अदा शर्मा ने वीडियो शेयर किया, जिसमें नई फिटनेस चुनौती 'कद्दू कोर वर्कआउट 3.0' के बारे में फैंस को जानकारी दी। अदा ने बताया कि इस वर्कआउट से मात्र 31 दिनों में अपना जीवन बदल सकते हैं। पोस्ट में उन्होंने फैंस को कद्दू के साथ 20 रेप्स तक रोजाना इस वर्कआउट को करने की सलाह दी।

अदा शर्मा की गिनती उन एक्टर्स में की जाती है, जो फिटनेस को लेकर अलर्ट रहती हैं। उनकी यह तीसरी कोर वर्कआउट सीरीज है, जो विशेष रूप से कोर मसल्स को मजबूत बनाने पर फोकस करती है। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, कद्दू कोर वर्कआउट 3.0 इसे 31 दिन 20 रेप्स तक करें और अपना जीवन बदल लें! कौन कौन करेगा कद्दू कोर वर्कआउट 3.0? मुझे टैग करो मैं जवाब दूंगी।

इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह खुद इस एक्सरसाइज को डेमॉन्स्ट्रेट कर रही हैं। वीडियो में कद्दू (पंपकिन) को प्रॉप के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

इससे पहले अभिनेत्री ने ब्रेन वर्कआउट से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि एक हाथ से धीमे-धीमे और दूसरे हाथ से झटपट झटपट एक्सरसाइज, अगर ये हो रहा है तो ब्रेन के लिए ये काफी लाभदायी होता है।

फिटनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार, कोर वर्कआउट बॉडी की स्थिरता बढ़ाने, पोस्चर सुधारने और ओवरऑल स्ट्रेंथ में मदद करता है।

अदा शर्मा की पोस्ट पर फैंस कमेंट करते नजर आए। एक फैन ने लिखा, न्यू योगा टीचर अनलॉक। दूसरे ने लिखा, वाह, बहुत मजेदार और फनी वर्कआउट है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने को जा सकते हैं। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका पैसा तभी आपके काम आएगा जब आप उसको संचित करेंगे यह बात भली भांति जान लें नहीं तो आपको आने वाले समय में पछताना पड़ेगा। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। प्रभा–वशाली लोगों से संपर्क करना आपके लिए अच्छे परिणाम लाएगा। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मानसिक तौर पर आप स्थिर महसूस नहीं करेंगे– इसलिए इस बात का ख़याल रखें कि दूसरों के सामने आप कैसे बर्ताव करते और बोलते हैं। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे । आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। नौकरी–पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज आपको अपने कामों को समय पर निप–टाने की कोशिश करनी चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आपको और आपके जीवनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सिर्फ़ सकारात्मक विचारों के ज़रिए इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में दिल लगाने से बचें नहीं तो आपकी बदनामी हो सकती है। यदि आप किसी से जुड़ना भी चाहते हैं तो ऑफिस से दूरी बनाकर ही उनसे बात करें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मानसिक शान्ति के लिए किसी दान–पुण्य के काम में सहभागिता करें। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। गर्लफ्रेण्ड/बॉयफ्रेण्ड से धोखा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आपका जीवनसाथी रोज़ाना की ज़रूरतों को पूरा करने से अपने हाथ पीछे खींच सकता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 नवंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 11:36 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 07:38 तक
योग : ब्रह्म प्रातः 06:57 तक
करण : तैतिल प्रातः 11:13 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 07:38 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रवासी राजस्थानियों की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश में विकास के नए आयाम होंगे स्थापित : भजनलाल

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आगामी 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इससे प्रवासी राजस्थानी समुदाय से हमारा जुड़ाव और अधिक मजबूत होगा। यह आयोजन प्रवासी समुदाय और राज्य सरकार के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक बड़ा मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रवासी राजस्थानियों की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश में निवेश, नवाचार तथा विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों के कारण राजस्थान देश में निवेश के नए केन्द्र के रूप में उभर रहा है। राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए एमओयू में अब तक 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में अभूतपूर्व औद्योगिक वातावरण तैयार करते हुए उद्यमियों के लिए हरसंभव मदद दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की अपनी विशिष्ट भौगोलिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान है। पर्यटन, वन्यजीव, हवेलियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य ने विश्वभर में अपना अलग स्थान बनाया है। साथ ही, राज्य में ऊर्जा, पर्यटन, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम हो रहे हैं। ऐसे में इस आयोजन में राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा बदलते हुए राजस्थान की झलक दिखाई जाए। साथ ही, कार्यक्रम में प्रवासियों के लिए राजस्थान की लोक–कला पर आधारित विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने गत दो साल में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं, कार्यक्रम तथा नवाचार किए हैं। ऐसे में इस आयोजन में राज्य सरकार की उपलब्धियों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए जिससे निवेशक राज्य में निवेश के लिए आकर्षित हो सकें।

जयपुर में फर्जी अफसर बनकर ठगी का जाल

सीबीआई ने अजीत कुमार पात्रा गिरोह का किया भंडाफोड़

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एक बार फिर एक हाई–प्रोफाइल ठगी और रिश्वतखोरी मामले का केंद्र बनी है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को फर्जी अफसर बनकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अजीत कुमार पात्रा और उसके सहयोगी मिंकू लाल जैन को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि वे खुद को केंद्र सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी बताकर बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों से करोड़ों रुपये की वसूली करते थे। यह कार्रवाई तब शुरू हुई जब जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई), जयपुर ने 4 नवंबर को मेसर्स साइबर नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विनोद परिहार के यहां छापा मारा था। सूत्रों के अनुसार, छापे के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए परिहार ने अजीत पात्रा से संपर्क किया, जिसने डीजीज–ीआई, जयपुर के अधिकारियों के नाम पर मामला निपटाने के लिए लाखों रुपये की मांग की।सीबीआई ने बताया कि 10 नवंबर को अजीत पात्रा और मिंकू जैन को जयपुर के कारोबारी विनोद परिहार से 18 लाख रुपये की रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। यह रकम जगजीत सिंह गिल के जरिए भेजी गई थी। मौके से पूरी ट्रैप राशि बरामद कर ली गई।

सीबीआई की जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी लंबे समय से एक संगठित नेटवर्क चला रहे थे। वे वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, मंत्रालयों और न्यायिक अधिकारियों का प्रतिरूपण करते हुए खुद को उच्च पदस्थ बताते थे।

जयपुर, सीकर और भीलवाड़ा में इनकम टैक्स की बड़ी कार्रवाई

स्टील कारोबारियों के 35 ठिकानों पर छापेमारी

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने बुधवार सुबह राजस्थान के तीन प्रमुख शहरों – जयपुर, सीकर और भीलवाड़ा – में स्टील कारोबार से जुड़ी कंपनियों पर बड़ी कार्रवाई की। टैक्स चोरी की आशंका के चलते तीनों शहरों में एक साथ 35 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सूत्रों के अनुसार, स्टील कारोबार से जुड़ी कई फर्मों पर लंबे समय से आयकर चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के तहत विभाग की अन्वेषण शाखा (खर्पींशीींळसरींळेप थळपस) ने बुधवार सुबह एक साथ कई टीमों को रवाना किया। कार्रवाई जयपुर के 15, सीकर और भीलवाड़ा के कुल 20 ठिकानों पर जारी है। रत्नाकर ग्रुप पर विशेष फोकस

भीलवाड़ा में यह कार्रवाई रत्नाकर ग्रुप पर केंद्रित रही, जिसकी गिनती शहर के प्रमुख स्टील कारोबारियों में होती है। विभाग की टीम ने गांधीनगर स्थित मुख्य कार्यालय और पांसल रोड की फैक्ट्री में पहुंचकर छापेमारी की।सूत्र बताते हैं कि रत्नाकर ग्रुप पर इससे पहले डीजीजीआई ने भी कार्रवाई की थी और करीब 20 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगाई थी। ग्रुप के डायरेक्टर शंकरलाल जाट हैं, जबकि उनके भाई डालचंद जाट और पुत्र राजेंद्र चौधरी भी कारोबार से जुड़े हुए हैं। कंपनी का सालाना टर्नओवर 100 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है।

आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी के दौरान न केवल वित्तीय दस्तावेजों की जांच की, बल्कि कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और अन्य डिजिटल उपकरणों को भी खंगाला जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल डाटा से टैक्स चोरी और बेनामी लेनदेन से जुड़ी अहम जानकारी मिलने की संभावना है। तीनों शहरों में छापेमारी के लिए आयकर विभाग की 50 से अधिक टीमें गठित की गई हैं।

पर्यावरण शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए : अध्यक्ष, आरएसपीसीबी

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और नियंत्रण के लिए नियमों का पालन तभी संभव होता है जब लोग अपनी जिम्मेदारियों को समझें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण शिक्षा की शुरुआत स्कूली स्तर से होना आवश्यक है। पर्यावरण शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे स्कूल की गतिविधियों का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि बच्चे बेहतर तरीके से सीख सकें और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। डॉ. सुरपुर बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर,जयपुर में आरएसपीसीबी द्वारा पर्यावरण जागरुकता पर आयोजित विशेष कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर जागरूक करने रहा। कार्यशाला में शिक्षा विभाग के अधिकारीगण, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधिगण एवं शिक्षक मौजूद रहे। अध्यक्ष, आरएसपीसीबी ने बताया कि यह शिक्षण संस्थाओं के साथ आयोजित होने वाली कार्यशालाओं की श्रृंखला में पहली कार्यशाला है। इसी की तर्ज पर सभी जिलों में शिक्षण संस्थानों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। डॉ. रवि कुमार सुरपुर, अध्यक्ष, आरएसपीसीबी ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण से जुड़े विभिन्न विषयों जैसे जीवविज्ञान, रसायन शास्त्र और गणित के संदर्भ में व्यावहारिक रूप से समझाना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है, और इसे व्यवहारिक रूप में परिवर्तित करने की जरूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी एक सतत और स्वच्छ पर्यावरण में जीवन यापन कर सके।

शेफाली बनीं हरियाणा महिला आयोग की ब्रांड एंबेसडर सीएम सैनी ने सौंपा 1.5 करोड़ रुपए का चेक

चंडीगढ़, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा ने संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। यहां उन्हें 1.5 करोड़ रुपये के कैश अवॉर्ड और ग्रेड–ए प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही हरियाणा महिला आयोग ने उन्हें अपना ब्रांड एंबेसडर भी नियुक्त किया है। वनडे विश्व कप 2025 का खिताब जीतने वालीं शेफाली वर्मा ने कहा, यह सिर्फ हमारी टीम की जीत नहीं, बल्कि पूरी महिला क्रिकेट की जीत है। हमारी टीम फाइनल में जीती, इसकी खुशी है। सीएम सर से मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। हरियाणा में खिलाड़ियों को काफी सपोर्ट किया जाता है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद काफी आत्मविश्वास महसूस कर रही हूं। मैं हरियाणा के खिलाड़ियों को कहना चाहूंगी कि आप अच्छी मेहनत कीजिए। राज्य सरकार हमेशा खिलाड़ियों को सपोर्ट करती है। शेफाली वर्मा को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने से पहले हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा था, शेफाली वर्मा हमारे देश और हमारे राज्य की सुपरस्टार हैं। हम चाहते हैं कि वह 2026 के लिए महिला आयोग की ब्रांड एंबेसडर बनकर युवाओं के लिए हमारे मिशन को बढ़ावा दें। अन्य महिला एथलीट्स के साथ, वह युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से बचने, एक उज्ज्वल भविष्य बनाने और राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगी।

शेफाली वर्मा को महिला विश्व कप 2025 के लिए भारत की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम में जोड़ा गया।

साइबर शिक्षित भारत बनाने में गुरुग्राम निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका, 26 को दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

चंडीगढ़, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की साइबर सुरक्षा में साइबर सिटी के नाम से प्रसिद्ध गुरुग्राम सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस बार साइबर सुरक्षा की दृष्टि से साइबर शिक्षित भारत बनाने की पहल भी गुरुग्राम की साइबर सुरक्षा कंपनी लिसियनथस टेक करने जा रही है। साइबर शिक्षित भारत विषय पर इसी माह 26 नवंबर को दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला करने का फैसला लिया है। भारत के 14वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इस कार्यशाला का उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र सदन में होने वाली इस अंतराष्ट्रीय कार्यशाला में देश और दुनिया के साइबर एक्सपर्ट भारत को साइबर सुरक्षा की दृष्टि और अधिक शिक्षित करने पर बल देंगे और बताएंगे कि भारत कैसे साइबर सुरक्षा में अधिक मजबूत हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की आयोजक लिसियनथस टेक के सीईओ गुरुग्राम निवासी खुशहाल कौशिक के अनुसार इस वर्कशॉप में एचसीएल टेक सह–आयोजक रहेगा, जबकि आईआईआईटी हैदराबाद शिक्षा भागीदार के रूप में तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार और सर्ट–इन और ग्रामैक्स साइबर टेक आदि इवेंट पार्टनर के रूप में शामिल है। खुशहाल कौशिक ने बताया कि राष्ट्रीय महत्व की पहल 'साइबर शिक्षित भारत' का उद्देश्य नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं और कार्यरत पेशेवरों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन सुरक्षा और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की व्यावहारिक जानकारी से सशक्त बनाना है।

वोट नहीं, सत्ता चोरी हुई, राहुल गांधी ने उठाए सवाल, लेकिन चुनाव आयोग मौन : राव नरेंद्र सिंह

करनाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हरियाणा विधानसभा चुनाव–2024 में वोट चोरी के सबूत पेश करने के बाद हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने करनाल से 'वोट चोर–गद्दी छोड़' अभियान की शुरुआत की। कांग्रेस प्रदे–शाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अगुवाई में कांग्रेस ने विरोध मार्च निकाला। 'वोट चोर–गद्दी छोड़' के नारों की गूंज न केवल करनाल में सुनाई दी, बल्कि भाजपा सरकार के खिलाफ भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। करनाल में आयोजित राज्य स्तरीय 'वोट चोर–गद्दी छोड़' अभियान की अध्यक्षता कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने की। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोगों के सामने सच्चाई रखी, जिससे हरियाणा के साथ देशभर की जनता आश्चर्यचकित है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में वोट नहीं, बल्कि सत्ता चोरी हुई है। जनता ने कांग्रेस को चुना था, लेकिन भाजपा ने मिलीभगत और मशीनों की हेरा–फेरी से सत्ता पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को 39.9 प्रतिशत, तो कांग्रेस को 39.5 प्रतिशत वोट मिला। जब पोस्टल बैलट की गिनती हुई तो 90 में से 76 सीटों पर कांग्रेस आगे थी। पिछले 5 विधानसभा चुनावों का रिकार्ड रहा है कि जो पार्टी पोस्टल बैलट में आगे आयी उसी की सरकार बनी। लेकिन इस बार पोस्टल बैलट में कांग्रेस के आगे होने के बावजूद सरकार भाजपा की बनी। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 45 प्रतिशत वोट मिला, जबकि कांग्रेस को 47.6 प्रतिशत यानी ढाई प्रतिशत वोट अधिक मिला।

दिल्ली ब्लास्ट को लेकर उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आनी चाहिए जो भी हुआ गलत हुआ दोषी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। निर्दोष लोगों की जान गई हैं, आतंकवाद को खत्म करना चाहिए और हम सब आतंकवाद के खिलाफ हैं। वोट चोर गद्दी छोड अभियान में प्रमुख तौर पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा, सचिव एआईसीसी एवं सह प्रभारी हरियाणा प्रफुल्ल गुडाधे, साल 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रहे दिव्यांशु बुद्धिराजा, राजेश वैद अध्यक्ष डीसीसी ग्रामीण, पराग गाबा अध्यक्ष डीसीसी शहरी, सुरेश गुप्ता कार्यकारी अध्यक्ष एचपीसीसी, पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी, पूर्व मंत्री भीम मेहता, पूर्व मंत्री जयप्रकाश गुप्ता, पूर्व विधायक राकेश कंबोज, पूर्व सीपीएस बख्शीश सिंह विर्क, तजेंद्र मान, पूर्व विधायक धर्मपाल गोंदर, घरौंडा से विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे विरेंद्र राठौड़, सोमिल संधू, उपाध्यक्ष आईवाईसी हरियाणा, सुमित मंढाण, अविनाश यादव अध्यक्ष एनएसयूआई हरियाणा, रोहित जोशी जिला अध्यक्ष, एससी सेल एचपीसीसी, पप्पू लाठर, अंकित चौहान, बसंत राणा, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी अनिल राणा, पीसीसी प्रतिनिधि नवजोत कश्यप मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को स्पष्ट जनादेश मिल रहा था। मगर भाजपा ने कांग्रेस की बनी हुई सरकार को न केवल चोरी किया, बल्कि वोट चोरी भी किए। फर्जी तरीके से वोट बनाकर लोकतंत्र की आवाज को दबाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आवाज बुलंद करना कांग्रेस का फर्ज है, जनता के सामने सच्चाई लाने के लिए कांग्रेस की ओर से वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान की शुरुआत की गई है, जोकि पूरे प्रदेश में चलेगा। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि चुनावी हेरा–फेरी के लिए पहले बटन दबाने में हेरा–फेरी, फिर मशीन बदलने की हेरा–फेरी उसके बाद मतदान आंकड़ों की हेरा–फेरी और रही–सही कसर पूरी करने के लिए मतगणना में हेरा–फेरी चुनाव आयोग द्वारा की जाती रही।कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने चुनाव आयोग को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों में नाम जोडऩे व काटने का नया खेल शुरू किया है।

चुनाव आने पर ही भाजपा मुझे याद करेगी: रघुपति भट

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व विधायक रघुपति भट ने कहा अभी चुनाव नहीं हैं, इसलिए शायद भाजपा में मेरी जरूरत नहीं है। लेकिन जब चुनाव आएंगे, तो वे रघुपति भट को जरूर याद करेंगे। अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, रघुपति भट ने कहा कि राष्ट्रीय नेता अक्सर पार्टी कार्यकर्ताओं से संयम बरतने का आग्रह करते हैं, लेकिन यह सलाह सभी पर लागू होनी चाहिए, न कि केवल उडुपी जिले के कार्यकर्ताओं पर। उन्होंने कहा मैं बी.एल. संतोष का बहुत सम्मान करता हूं और उनकी आलोचना नहीं करना चाहता। हालांकि, अगर संयम ही सिद्धांत है, तो इसकी शुरुआत शीर्ष स्तर से होनी चाहिए। विजयेंद्र को सत्ता छोड़ने, विधायक पद के लिए चुनाव लड़ने से परहेज करने और राज्यव्यापी पार्टी कार्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जाना चाहिए। पिता और दोनों पुत्रों को

सत्ता से पीछे हटकर एक मिसाल कायम करनी चाहिए। पिता एक सम्मानित नेता हैं। एक पुत्र सत्ता की जिम्मेदारी संभाले और दूसरा पार्टी को मजबूत करने के लिए खुद को समर्पित करे। तभी संयम का संदेश वास्तविक अर्थ ग्रहण करेगा। रघुपति भट ने आगे कहा जब 2013 में मुझे टिकट नहीं मिला, तब भी मैं शांत रहा। पिछले चुनाव में भी, जब मुझे टिकट नहीं मिला, तब भी मैंने पार्टी का समर्थन जारी रखा। मैंने आधिकारिक उम्मीदवार के लिए प्रचार किया, यहां तक कि उसे अपनी गाड़ी में भी घुमाया और उसकी जीत सुनिश्चित की। मेरी पत्नी ने भी पार्टी की सफलता के लिए मैदान में काम किया। तीन बार विधायक रहने के बावजूद, मुझे कभी भी राज्य कार्यकारिणी समिति का सदस्य या उपाध्यक्ष नहीं बनाया गया। मैं बिना किसी पद पर रहे, निष्ठावान और अनुशासित रहा। मैं उन गिने-चुने विधायकों में से हूं जिन्होंने आईटीसी और ओटीसी, दोनों के तहत योग्यता हासिल की है, जो मेरी प्रतिबद्धता और संयम को दर्शाता है। हालांकि, संयम की भी अपनी सीमाएं होती हैं। अब समय आ गया है कि वरिष्ठ नेता खुद संयम का मतलब समझें। पार्टी के हालिया चयन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा सिद्धरामैया के खिलाफ सोमन्ना को उतारने के बजाय, क्या पार्टी एक अनुशासित और संयमित कार्यकर्ता नहीं चुन सकती थी? इसी तरह, डी के शिवकुमार के खिलाफ अशोक को उतारने के बजाय, क्या कोई समर्पित पार्टी कार्यकर्ता उपलब्ध नहीं था? तटीय कर्नाटक में, टिकट न मिलने पर भी लोग पार्टी के लिए काम करते रहते हैं - यह सर्वविदित है। फिर भी, प्रयोग केवल यहीं होते दिखते हैं। अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए, रघुपति भट ने कहा जब भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव आए थे, तो मुझे आमंत्रित नहीं किया गया था। अगर मुझे आमंत्रित किया जाता, तो मैं जरूर शामिल होता। इस कार्यक्रम में शामिल न होना मुझे सचमुच बहुत बुरा लगा। चूंकि मुझे पार्टी से निकाल दिया गया है, इसलिए तकनीकी रूप से मुझे आपत्ति करने का कोई अधिकार नहीं है, और मैं पार्टी के संविधान को समझता हूं। इसलिए, मेरी कोई औपचारिक शिकायत नहीं है। लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि जिन लोगों ने कभी प्रधानमंत्री मोदी और बी एल संतोष की आलोचना की थी, उनका पार्टी में स्वागत किया गया और वे आठ महीने के भीतर सांसद भी बन गए। मेरे चुनाव को समाप्त हुए एक साल से ज्यादा हो गया है, फिर भी मेरी सजा जारी है। रघुपति भट ने कहा भाजपा ने मुझे सार्वजनिक जीवन में सब कुछ दिया है। बिना किसी राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि के, मैं तीन बार विधायक बन पाया। मैं पार्टी के साथ आगे बढ़े और इसके विकास में योगदान दिया। मैंने अपनी जवानी, अपना व्यवसाय और अपना पूरा समय पार्टी को समर्पित कर दिया है, यहां तक कि इसके लिए अपने पारिवारिक जीवन का भी त्याग कर दिया है। भाजपा ने मुझे वह बनाया है जो मैं आज हूं, और इसी वजह से, मैं कभी भी आसानी से इसके खिलाफ नहीं जाऊंगा।

केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे से दावणगेरे के लिए सीधी फ्लाई बस सेवा शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से दावणगेरे के लिए एक नई सीधी फ्लाई बस सेवा शुरू की है। इसके अलावा, फ्लाई बस में यात्रा करने वाले यात्रियों को नंदिनी उत्पादों के निःशुल्क स्नैक्स (स्नैक्स किट) उपलब्ध कराने की सुविधा भी शुरू की गई है। बस को हरी झंडी दिखाने के बाद, परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि परिवहन मंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान पहली बार अगस्त 2013 में केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलूरु से मैसूरु के लिए सीधी फ्लाई बस परिवहन प्रणाली शुरू की गई थी। बाद में, फ्लाई बस सेवा का विस्तार मडिकेरी और कुंदापुर तक किया गया। बेंगलूरु और दावण-गेरे के बीच एक सीधी फ्लाई बस सेवा शुरू की गई है। मैसूरु शहर को हाल ही में भारत सरकार से अपनी वॉयस रेजोनेंस पहल के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार मिला है। उन्होंने कहा कि परिवहन प्रणाली को और अधिक जन-अनुकूल बनाने के लिए फ्लाईबस में निःशुल्क स्नैक किट उपलब्ध कराए जाएंगे। दावणगेरे-एयरपोर्ट के बीच दो बसें उपलब्ध कराई गई हैं, जो एयरपोर्ट से डोड्डबल्लापुर बाईपास-दबसपेट-तुमकुरु बाईपास-चित्रदुर्ग रूट पर चलेंगी। तुमकुरु और चित्रदुर्ग बाईपास पर यात्रियों को उतारने के लिए जगह बनाई गई है। दावणगेरे-एयरपोर्ट के बीच का किराया 1250 रुपये है। यह बस, जो प्रतिदिन रात 12:45 बजे एयरपोर्ट से रवाना होगी, सुबह 5:45 बजे दावणगेरे पहुंचेगी। सुबह 10 बजे रवाना होने वाली बस दोपहर 3 बजे दावण-गेरे पहुंचेगी। सुबह 8 बजे दावण-गेरे से रवाना होने वाली बस दोपहर 1 बजे एयरपोर्ट पहुंचेगी। शाम 5 बजे रवाना होने वाली बस रात 10 बजे एयरपोर्ट पहुंचेगी। नंदिनी उत्पाद किट में पानी की बोतल, दूध, कुकीज, केक और कोडुबले का एक पैकेट शामिल होगा। केएसआरटीसी ने बताया कि किट के पीछे देशभर में निगम की प्रतिष्ठित सेवाओं के संचालन के स्थानों और टिकट बुकिंग की जानकारी दी गई है। केएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक अकरम पाशा, निदेशक डॉ. के. नंदिनी देवी, इब्राहिम मैगूर, हवाई अड्डे के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी केनेथ, उपाध्यक्ष प्रवत, प्रबंधक संजय चंद्रा, वाणिज्यिक, केएमएफ की स्वाति रेड्डी और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

हथियारबंद युवकों ने एक महिला को गोली मारी

भोजपुर/एजेंसियां।

जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के दक्षिण एकौना गांव में सोमवार की देर रात हथियारबंद युवकों ने एक महिला को गोली मार दी। गोली महिला के बाएं जांघ को छूते हुए निकल गई, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घायल महिला को तत्काल ग्रामीणों की मदद से आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई।

जख्मी महिला दक्षिण एकौना गांव वार्ड संख्या 10 निवासी प्रेमचंद साह की 30 वर्षीय पत्नी कुसुम देवी है। घटना के संबंध में कुसुम देवी ने बताया कि उनकी जेठानी मीना देवी की बेटी गोलू और गांव की ही एक महिला के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी विवाद को लेकर गांव के दो युवक हथियार लेकर घर पहुंचे और धमकी देने लगे। कहासुनी बढ़ने पर युवकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक गोली उनकी जांघ को छूते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गई। सूचना मिलते ही उदवंतनगर थानाध्यक्ष जयंत प्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया और पूरे मामले की जांच शुरू की। जख्मी महिला ने गांव के ही दो युवकों पर गोली चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है और मामले की तहकीकात में जुटी हुई है।

रॉयल्टी में कमी के बावजूद लेटराइट पत्थर की ऊंची कीमतों पर विधायकों ने चिंता व्यक्त की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरकार द्वारा रॉयल्टी दरों में कमी के बावजूद लेटराइट पत्थर की लगातार बढ़ती कीमतों पर विधायकों ने चिंता व्यक्त की। सांसद बृजेश चौटा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में आयोजित दक्षिण कन्नड़ जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में विधायकों ने जिला प्रशासन से स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। विधायक उमानाथ कोटियन ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि लेटराइट पत्थर निकालने वालों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण पहले रॉयल्टी में कमी की मांग की गई थी। उन्होंने सुझाव दिया हालांकि सरकार ने रॉयल्टी कम कर दी है, लेकिन लेटराइट की कीमत लगभग 25 रुपये प्रति पीस से बढ़कर 60 रुपये प्रति पीस हो गई है। रॉयल्टी में कमी के बावजूद, कीमतें कम नहीं हुई हैं। यदि आवश्यक हो, तो जिला प्रशासन

को पत्थर खदानों पर नियंत्रण करना चाहिए। विधायक डॉ. भरत शेट्टी, वेदव्यास कामथ, हरीश पूंजा और भागीरथी मुरुल्या ने भी लेटराइट की कीमतों को कम करने के लिए कदम उठाने पर जोर दिया। उपायुक्त दर्शन एच.वी. ने बताया कि लेटराइट स्टोन खदान मालिक संघ के साथ एक बैठक हुई है। उन्होंने चेतावनी दी, प्रति टन रॉयल्टी 295 रुपये से घटाकर 100 रुपये कर दी गई, फिर भी कीमतें नहीं गिरी हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो जिला प्रशासन अपना समर्थन वापस ले लेगा। उन्होंने आगे कहा कि आगामी केडीपी बैठक से पहले अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि गैर-सीआरजेड क्षेत्रों में 16 ब्लॉकों के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं, जिनमें से चार स्थानों पर लाइव बोली प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 18 अन्य में प्रक्रिया जारी है। कुल 38 नए ब्लॉकों के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। यदि कोई बोलीदाता नहीं आता है, तो पुनः निविदाएं जारी की जाएंगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि सीआरजेड क्षेत्रों में उत्खनन की अनुमति नहीं दी गई है। बैठक के दौरान, विधायक वेदव्यास कामथ ने राज्य सरकार द्वारा लंबित नवीनीकरण के कारण ईएसआई योजना के तहत निजी अस्पतालों में ईएसआई कार्डधारकों को सामान्य चिकित्सा उपचार से वंचित किए जाने पर चिंता व्यक्त की। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे पर राज्य चिकित्सा विभाग आयुक्त के साथ चर्चा की जाएगी। सड़क परियोजनाओं की अद्यतन जानकारी देते हुए, अधिकारियों ने बताया कि पेरिया और बी सी रोड के बीच 48.48 किलोमीटर लंबे हिस्से में से 43.1 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है, और शेष काम मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। जब अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने नीरकट्टे में पत्थर तोड़ने पर आपत्ति जताई है, तो सांसद ने पुत्तूर के सहायक आयुक्त को हस्तक्षेप कर मामले का शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। जिला उपायुक्त ने सवाल किया कि मेंगलूरु और पुत्तूर में केएसआरटीसी के विभागों ने उन क्षेत्रों में सेवाएं संचालित करने के लिए आवेदन क्यों नहीं किए हैं जहां जनता की मांग थी। अगर आवेदन जमा किए जाते हैं, तो उन्हें मंजूरी दे दी जाएगी। उन्होंने आरटीओ अधिकारियों को परमिट होने के बावजूद यात्राएं कम करने वाले निजी ऑपरेटरों का सर्वेक्षण करने और ऐसे परमिट रद्द करके उन्हें केएसआरटीसी को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। सूरथकल-बी सी रोड राष्ट्रीय राजमार्ग का प्रबंधन वर्तमान में न्यू मेंगलूरु पोर्ट रोड कंपनी द्वारा किया जाता है, लेकिन जल्द ही यह राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड के अधीन आ जाएगा, जिससे एनएचएआई को वित्त पोषण में सुविधा होगी। सांसद चौटा ने बताया कि निरंतर प्रयासों के बाद, राजमार्ग को जल्द ही चार-लेन विकास के लिए एनए-चएआई को सौंप दिया जाएगा। ब्लैक स्पॉट्स के सुधार और सुधार के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु एजेंसी के चयन हेतु निविदाएं पहले ही जारी की जा चुकी हैं। योजनाओं में बैकमपडी और केआईओसीएल जंक्शन के बीच छह लेन का फ्लाईओवर, सुरथकल और बी सी रोड के बीच एक बाईपास रोड और बैकमपडी में एक हल्के वाहन अंडरपास शामिल हैं। एनए-चएआई के परियोजना निदेशक अब्दुल्ला जावेद आजमी ने कहा कि कुलूर पुल का निर्माण जनवरी तक पूरा हो जाएगा, इसके बाद कंक्रीट सड़क का काम शुरू होगा, जिससे मार्च तक वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी। जिला परिषद के सीईओ विनायक नरवड़े करबारी, उप वन संरक्षक एंथनी मरिअप्पा, मेंगलूरु उप-मंडल अधिकारी मीनाक्षी आर्य और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

कार विस्फोट के समय पर सवाल उठाने वाले सिद्धरामैया के बयान की तीखी आलोचना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दिल्ली में लाल किले के पास हुए शक्तिशाली कार विस्फोट के समय पर सवाल उठाने वाले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बयान की राज्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी आल-ोचना की है और इसे कांग्रेस पार्टी की 'राष्ट्र-विरोधी विरासत' का प्रतिबिंब बताया है। यह विस्फोट सोमवार को हुआ था, जिसकी जांच चल रही है, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और लगभग 20 घायल हो गए। राज्य भाजपा अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को कांग्रेस पर अपने राष्ट्र-विरोधी रवैये को जारी रखने का आरोप लगाया और याद दिलाया कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद भी पार्टी नेताओं ने ऐसी टिप्पणियां की थीं जिनसे

पाकिस्तान के दुष्प्रचार को बढ़ावा मिला। विजयेंद्र ने सिद्धरामैया की टिप्पणियों को गैर-जिम्मेदाराना, असंवेदनशील और निम्न-स्तरीय राजनीतिक बयान करार देते हुए कहा कर्नाटक के मुख्यमंत्री की टिप्पणियां भी इसी तरह की थीं। जब राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा दांव पर हो, तो पूरे देश को एकजुट होना चाहिए। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा ऐसी परिस्थितियों का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश उनके असली स्वरूप को उजागर करती है। विजयेंद्र ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरे देश को इस हमले के खिलाफ एकजुट होना चाहिए, ये नेता तुच्छ राजनीति कर रहे हैं, यह राज्य के लिए एक त्रासदी और राष्ट्र के लिए दुर्भाग्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के लिए, राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिकों की क्षति और पीड़ा, सैनिकों के बलिदान और राष्ट्र के सम्मान जैसे मामले भी दुर्भाग्य से राजनीतिक लाभ के साधन बन गए हैं। विजयेंद्र ने याद दिलाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासनकाल (2004-2014) के दौरान, जब 2008 के मुंबई हमले सहित 45 से अधिक बम विस्फोटों और आतंकवादी हमलों में सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान गई थी, तत्कालीन केंद्र सरकार ने कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की थी। फिर भी, उन्होंने कहा कि विपक्ष ने एकता की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा का राजनीतिकरण करने से परहेज किया। उन्होंने प्रशासनिक विफलता, विकास की कमी और व्यापक भ्रष्टाचार के आरोपों से ध्यान हटाने के लिए राजनीतिक हथकंडे अपनाने के लिए सिद्धरामैया और सत्तारूढ़ दल के नेताओं की आलोचना की और कहा कि लोग अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। विजयेंद्र ने कहा मुख्यमंत्री को अपना बयान तुरंत वापस लेना चाहिए। जिस तरह बिहार की जनता ने कांग्रेस पार्टी की राष्ट्र-विरोधी और असंवेदनशील राजनीति का जवाब दिया, उसी तरह हमारे राज्य की जनता भी उन्हें करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा यह दलगत राजनीति का मामला नहीं है - हर सच्चे देशभक्त के लिए यह हमेशा से रहा है और रहेगा। राष्ट्र पहले, बाकी सब बाद में। यह विवाद सिद्धरामैया द्वारा मंगलवार को मैसूरु में मीडिया के सवालों पर दिए गए उस जवाब से उपजा है जिसमें उन्होंने पूछा था कि दिल्ली विस्फोट जैसी घटनाएं चुनावों के दौरान क्यों होती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि केंद्र को जवाब देना चाहिए कि चुनावों के दौरान ऐसे विस्फोट क्यों होते हैं। केंद्र सरकार इसकी जांच करे। उन्होंने आगे कहा कि निर्दोष लोगों की जान लेने वाली ऐसी घटनाएं दुखद हैं।

गंगा नदी में नाव डूबी, एक बचा, तीन लोग अब भी लापता

वैशाली/एजेंसियां।

जिले में एक दर्दनाक हादसे में गंगा नदी में एक नाव डूब गई। इस नाव पर चार लोग सवार थे, जिनमें से एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि तीन अन्य अब भी लापता हैं। यह हादसा बिदुपुर थाना क्षेत्र के जिमदारी गंगा घाट के पास मंगलवार देर रात करीब 10 बजे हुआ। लापता लोगों में देसरी थाना क्षेत्र के नयागांव पश्चिमी निवासी 30 वर्षीय शंभु कुमार शामिल हैं। वे अपने दोस्त राजकुमार के सस-ुराल मोहनपुर डियर से लौट रहे थे। शंभु अपने पिता स्वर्गीय परम साह के तीन बेटों में सबसे छोटे और अविवाहित थे। हादसे में राजकुमार को सुरक्षित बचा लिया गया है। लापता अन्य दो लोग महनार थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं, जिनकी अब तक पहचान नहीं हो पाई है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय नाविकों ने गमछा फेंककर राजकुमार को नदी से बाहर निकाल लिया। हादसे की सूचना स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद बिदुपुर थाना पुलिस और प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मनीष भारद्वाज मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। बीडीओ मनीष भारद्वाज ने बताया कि एसडीआरएफ टीम को तुरंत सूचना दी गई है और लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। बचाए गए राजकुमार ने बताया कि जब नाव किनारे से करीब 59 फीट दूर थी, तभी नाविक ने नाव को तेज धार की ओर मोड़ दिया, जिससे नाव अचानक पलट गई और गंगा में डूब गई। राजकुमार ने निर्माणाधीन पीपा पुल के ड्रम को पकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। करीब आधे घंटे बाद लोगों ने पहुंचकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। राजकुमार ने बताया कि नाव डूबते समय उनका दोस्त शंभु मदद के लिए चिल्ला रहा था, मैं जा रहा हूं, आप बचिए भैया इसके बाद उसकी आवाज बंद हो गई। राजकुमार ने बताया कि शंभु तेज धार में बह गया और डूब तक नहीं पहुंच पाया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों नाविक महनार के ही रहने वाले थे और अपने घर जाने के लिए उसी नाव से गंगा पार कर रहे थे। बिदुपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष भारद्वाज ने बताया कि नाव डूबने का सटीक लोकेशन अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार तीन लोग गंगा में डूबे हैं। एसडीआरएफ की टीम गोताखोरों के साथ सर्च ऑपरेशन चला रही है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। प्रशासन ने आसपास के ग्रामीणों से भी बातचीत कर घटना की विस्तृत जानकारी जुटाने का प्रयास शुरू कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेड्चल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com